

Teach Yourself Samskrit

संस्कृतस्वाध्यायः
द्वितीया दीक्षा

परिशिष्टम्

सम्पादकः
वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री



राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम्
मानितविश्वविद्यालयः
नव देहली



Teach Yourself Samskrit

संस्कृतस्वाध्यायः

द्वितीया दीक्षा

परिशिष्टम्

सम्पादकः

वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री

सहसम्पादकाः

ललित कुमार त्रिपाठी

वाई. एस्. रमेशः

बनमाली बिश्वालः

सुकान्त कुमार सेनापतिः



राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम्

मानितविश्वविद्यालयः

नवदेहली

Publisher :
Prof. Vempaty Kutumba Sastry
Vice-Chancellor

RASHTRIYA SANSKRIT SANSTHAN
56-57, Institutional Area, Janakpuri,
New Delhi-110 058
EPABX : 25540993, 25540995
Gram : SAMSTHAN
E-mail : rsks@vsnl.net.in
Visit our website at : www.sanskrit.nic.in

Edition : First, 2004 (50,000 Copies)

Vol.II - ISBN : 81-86111-13-1

All rights reserved. No reproduction or translation of this book or part thereof in any form, should be made. Neither it may be stored in a retrieval system, nor transmitted, by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the written permission of the publisher.

© Rashtriya Sanskrit Sansthan

Price : Rs. 200.00 (Per Set)

Printer :
M/s. Goyal Stationers
B-36/9, G.T. Karnal Road,
Industrial Area, Delhi-110033

संस्कृतस्वाध्यायः

द्वितीया दीक्षा

सङ्कल्पना एवं दिग्दर्शन

प्रो. वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री

परामर्श

प्रो. श्रीधर वसिष्ठ

प्रो. रामकृष्णमाचार्य

डॉ. हिन्द केसरी

श्री जि. महायशेश्वर भट्ट

श्री चमूकृष्ण शास्त्री

श्री जनार्दन हेगड़े

डॉ. विश्वास

श्री चाँद किरण सलूजा

पुनरीक्षण

डॉ. हिन्द केसरी

डॉ. आजाद मिश्र

डॉ. आर. देवनाथन

डॉ. विजयपाल शास्त्री

लेखकसमिति

श्री जनार्दन हेगड़े (अध्यक्ष)

डॉ. वनमाली विश्वाल

डॉ. विश्वास

डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी (संयोजक)

श्रीमती शशिप्रभा गोयल

डॉ. वाई एस. रमेश

डॉ. श्रीधर मिश्र

डॉ. बोध कुमार झा

लेखन/समीक्षण/कार्यशाला में प्रतिभागी अन्य सदस्य

डॉ. मुरलीधर शर्मा

श्रीमती शान्तला

श्रीमती नागरत्ना

डॉ. सत्यनारायण आचार्य

डॉ. प्रकाश पाण्डेय

डॉ. रमाकान्त मिश्र

डॉ. सच्चिदानन्द मिश्र

श्रीमती विजयलक्ष्मी

डॉ. चन्द्रकान्त

डॉ. नरसिंह मूर्ति

श्रीमती पंकजा

श्रीमती सुचेता

डॉ. शुक्ला मुखर्जी

कु. धन्यता

डॉ. पी. वी. सुब्रह्मण्यम्

श्री नारायण भट्ट

डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव

श्री वेङ्कटेश मूर्ति

डॉ. रत्नमोहन झा

डॉ. अजय मिश्र

परियोजनासंयोजक

डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी

सहायक संयोजक एवं सहायक सम्पादक

डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव

चित्रनिर्माण

श्री कल्लोल मजूमदार

प्रबन्धन/सहयोग

श्री चन्दन सिंह कनियाल

श्री हरभजन सिंह सन्धू

टाईप सेटिंग

श्री राजीव कुमार सिंह

चित्रसज्जा

श्री मनोज गुप्ता एवं श्री प्रेम गोयल

सहयोग

श्री कृष्णकान्त पचौली



दो शब्द

यह पुस्तक संस्कृत स्वाध्याय की द्वितीया दीक्षा के अन्तर्गत प्रकाशित व्यवहारप्रदीपः का परिशिष्ट भाग है। इस में व्यवहारप्रदीपः के दोनों भागों के अभ्यासों की उत्तरमाला तथा कठिन शब्दों का कोश है जिस में हिन्दी एवं आंग्ल अर्थ दिया गया है। शब्दकोश में पुं./स्त्री./नपुं. शब्दों का प्रथमैकवचनान्त रूप (कोष्ठक में लिङ्ग के साथ) देते हुए उस का प्रसङ्गानुसार हिन्दी एवं आंग्ल अर्थ दिया गया है। जहाँ कहीं आवश्यक समझा गया कोष्ठक के अन्तर्गत प्रातिपदिक का भी उल्लेख कर दिया गया है। विशेषण शब्दों को निर्विभक्तिक रूप में रखा गया है। क्रियापदों के मूल धातु के आगे कोष्ठक में लट् प्र.पु. रूप के साथ लेखन किया गया है। साथ ही शत्रन्त-शब्दों का मूलरूप लिखकर नीचे कोष्ठक में उनके पुं./स्त्री./नपुं. के रूप दर्शाये गए हैं। अन्त में द्वितीया दीक्षा व्यवहारप्रदीपः पुस्तक का शुद्धिपत्र संलग्न किया गया है।

आशा करता हूँ पाठकों एवं सुधीजनों के परामर्श से इस का और भी परिष्कृत रूप प्रकाशनार्थ तैयार किया जा सकेगा।

सम्पादक
वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री

INDEX

1. The first part of the book is devoted to a general introduction to the subject of the history of the Indian people. It deals with the early history of the Indian people, the development of the Indian civilization, and the influence of the Indian people on the world. It also deals with the history of the Indian people in the modern world, and the influence of the Indian people on the world.

2. The second part of the book is devoted to a detailed study of the history of the Indian people. It deals with the early history of the Indian people, the development of the Indian civilization, and the influence of the Indian people on the world. It also deals with the history of the Indian people in the modern world, and the influence of the Indian people on the world.

3. The third part of the book is devoted to a detailed study of the history of the Indian people. It deals with the early history of the Indian people, the development of the Indian civilization, and the influence of the Indian people on the world. It also deals with the history of the Indian people in the modern world, and the influence of the Indian people on the world.

सङ्केताक्षरसूची

अव्य.	—	अव्ययम्
उ.पु.	—	उत्तमः पुरुषः
एक.	—	एकवचनम्
च.	—	चतुर्थी
तृ.	—	तृतीया
द्वि.	—	द्विवचनम्
द्विती.	—	द्वितीया
नपुं.	—	नपुंसकलिङ्गः
प.	—	पञ्चमी
पुं.	—	पुंलिङ्गः
प्र.	—	प्रथमा
प्र.पु.	—	प्रथमः पुरुषः
बहु.	—	बहुवचनम्
म.पु.	—	मध्यमः पुरुषः
वि.	—	विशेषणम्
ष.	—	षष्ठी
स.	—	सप्तमी
सम्बो.	—	सम्बोधनम्
सर्व.	—	सर्वनाम
स्त्री.	—	स्त्रीलिङ्गः

विषयानुक्रमणी

परिशिष्टम् — 1

व्यवहारप्रदीपस्य प्रथमभागस्य उत्तरदीपिका	1-48
व्यवहारप्रदीपस्य द्वितीयभागस्य उत्तरदीपिका	49-108

परिशिष्टम् — 2

व्यवहारप्रदीपस्य शब्दकोशः	109-151
व्यवहारप्रदीपस्य शुद्धिपत्रम्	152

परिशिष्टम् - 1

व्यवहारप्रदीपस्य उत्तरदीपिका

प्रथमः भागः

प्रथमः स्तवकः

अभ्यासः - 1

1. हरि	2. मुनि	3. यति	4. गिरि
5. असि	6. वटु	7. मनु	8. पटु
9. प्रभु	10. इषु	11. नेतृ	12. वक्तृ
13. योद्धृ	14. द्रष्टृ	15. ज्ञातृ	

अभ्यासः - 2

1. अग्नि	2. शम्भु	3. पितृ	4. गो
5. कपि	6. शिशु	7. भ्रातृ	8. विष्णु
9. जामातृ	10. रवि	11. साधु	12. दातृ
13. ऋषि	14. जगद्गुरु	15. कवि	16. कर्तृ

अभ्यासः - 3

1. कवि, इकारान्तः	2. शिशु, उकारान्तः	3. पितृ, ऋकारान्तः
4. गो, ओकारान्तः	5. रवि, इकारान्तः	6. साधु, उकारान्तः
7. भ्रातृ, ऋकारान्तः	8. कपि, इकारान्तः	9. जामातृ, ऋकारान्तः
10. विष्णु, उकारान्तः	11. दातृ, ऋकारान्तः	12. ऋषि, इकारान्तः
13. शम्भु, उकारान्तः	14. कर्तृ, ऋकारान्तः	15. जगद्गुरु, उकारान्तः
16. हरि, इकारान्तः	17. मुनि, इकारान्तः	18. भानु, उकारान्तः
19. विधातृ, ऋकारान्तः	20. नेतृ, ऋकारान्तः	

अभ्यासः - 4

- | | | |
|------------------------|------------------------|-------------------------|
| 1. इकारान्तः, अरिः | 2. उकारान्तः, तरुः | 3. ऋकारान्तः, जेता |
| 4. इकारान्तः, व्याधिः | 5. ऋकारान्तः, भर्ता | 6. उकारान्तः, हनुः |
| 7. इकारान्तः, निधिः | 8. ऋकारान्तः, हन्ता | 9. उकारान्तः, पङ्गुः |
| 10. इकारान्तः, अलिः | 11. ऋकारान्तः, हर्ता | 12. इकारान्तः, उपाधिः |
| 13. उकारान्तः, भिक्षुः | 14. ऋकारान्तः, स्मर्ता | 15. इकारान्तः, अञ्जलिः |
| 16. ऋकारान्तः, पिता | 17. इकारान्तः, नरपतिः | 18. इकारान्तः, वनस्पतिः |
| 19. उकारान्तः, प्रभुः | 20. उकारान्तः, पटुः | |

अभ्यासः - 5

- | | | |
|-------------------------------|----------------------------|--------------------------------|
| 1. यती, यतयः | 2. कपी, कपयः | 3. ध्वनी, ध्वनयः |
| 4. गिरी, गिरयः | 5. पदाती, पदातयः | 6. वेणू, वेणवः |
| 7. पङ्गु, पङ्गवः | 8. दयालू, दयालवः | 9. परशू, परशवः |
| 10. भीरू, भीरवः | 11. वटू, वटवः | 12. हिन्दू, हिन्दवः |
| 13. कष्टसहिष्णू, कष्टसहिष्णवः | 14. इषू, इषवः | 15. कार्यकर्तारौ, कार्यकर्तारः |
| 16. अधिवक्तारौ, अधिवक्तारः | 17. उपभोक्तारौ, उपभोक्तारः | 18. वेत्तारौ, वेत्तारः |
| 19. नियन्तारौ, नियन्तारः | 20. अभिनेतारौ, अभिनेतारः | |

अभ्यासः - 6

- | | |
|---------------------------------------|-----------------------------------|
| 1. कपिः, कपी, कपयः | 2. अरिः, अरी, अरयः |
| 3. बन्धुः, बन्धू, बन्धवः | 4. रिपुः, रिपू, रिपवः |
| 5. शत्रुः, शत्रू, शत्रवः | 6. वक्ता, वक्तारौ, वक्तारः |
| 7. अध्येता, अध्येतारौ, अध्येतारः | 8. नेता, नेतारौ, नेतारः |
| 9. सारथिः, सारथी, सारथयः | 10. बिन्दुः, बिन्दू, बिन्दवः |
| 11. पशुः, पशू, पशवः | 12. इक्षुः, इक्षू, इक्षवः |
| 13. प्रतिनिधिः, प्रतिनिधी, प्रतिनिधयः | 14. कृपालुः, कृपालू, कृपालवः |
| 15. व्याधिः, व्याधी, व्याधयः | 16. नियन्ता, नियन्तारौ, नियन्तारः |

17. अभियन्ता, अभियन्तारौ, अभियन्तारः

18. वटुः, वट्ट, वटवः

19. अतिथिः, अतिथी, अतिथयः

20. पिता, पितरौ, पितरः

अभ्यासः - 7

1. जलधिः	2. गौः	3. सविता	4. भिक्षुः
5. गणपतिः	6. भानुः	7. व्याधिः	8. जामाता
9. इक्षुः	10. विष्णुः	11. भ्रातरौ	12. यती
13. प्रभू	14. नेतारौ	15. गावौ	16. शिशू
17. अली	18. बाहू	19. भूपती	20. श्रोतारौ
21. अरयः	22. गावः	23. दातारः	24. साधवः
25. गिरयः	26. इषवः	27. योद्धारः	28. तरवः
29. कवयः	30. गुरवः		

अभ्यासः - 8

1. जन्तुः	2. विधाता	3. बाहू	4. तरवः
5. भ्रातरौ	6. भानुः	7. भीरवः	8. फलानि
9. बाहू	10. रश्मयः	11. सेनापतिः	12. कवी
13. शिशवः	14. नेता	15. रविः	16. दाता
17. अधिवक्तारः	18. साधवः	19. भिक्षू	20. राशयः

अभ्यासः - 9

1. (i) ऋषयः	(ii) ब्रह्मर्षी	(iii) वटवः	(iv) पटुः
(v) गुरुः			
2. (i) ऋषिः, कपिः, महर्षिः, वक्ता, गुरुः	(ii) ब्रह्मर्षी, कवी, योद्धारौ, पटू, गावौ		
(iii) गुरवः, शिशवः, वटवः, वेत्तारः, गावः			
3. (i) कवी, कवयः	(ii) ऋषी, ऋषयः	(iii) मुनी, मुनयः	(iv) शिशू, शिशवः
(v) गुरु, गुरवः	(vi) वट्ट, वटवः	(vii) नेतारौ, नेतारः	(viii) वक्तारौ, वक्तारः
(ix) द्रष्टारौ, द्रष्टारः	(x) गावौ, गावः		

अभ्यासः - 10

- | | | | |
|-------------|-----------|-----------|-------------|
| 1. मूर्ति | 2. देवी | 3. धेनु | 4. माला |
| 5. पुत्री | 6. सखी | 7. तनु | 8. बाला |
| 9. जन्मभूमि | 10. भू | 11. छदि | 12. राजधानी |
| 13. पङ्क्ति | 14. चञ्चु | 15. वधू | 16. श्वश्रू |
| 17. कृति | 18. लता | 19. कन्या | 20. मातृ |

अभ्यासः - 11

- | | | |
|-----------------------|----------------------|------------------------|
| 1. दुर्गा, आकारान्तः | 2. अम्बा, आकारान्तः | 3. सुभद्रा, आकारान्तः |
| 4. पत्रिका, आकारान्तः | 5. नौका, आकारान्तः | 6. बुद्धि, इकारान्तः |
| 7. नीति, इकारान्तः | 8. स्तुति, इकारान्तः | 9. भक्ति, इकारान्तः |
| 10. गौरी, ईकारान्तः | 11. नगरी, ईकारान्तः | 12. सुन्दरी, ईकारान्तः |
| 13. कुमारी, ईकारान्तः | 14. रज्जु, उकारान्तः | 15. हनु, उकारान्तः |
| 16. दुहितृ, ऋकारान्तः | 17. यातृ, ऋकारान्तः | 18. ननान्दृ, ऋकारान्तः |
| 19. स्वसृ, ऋकारान्तः | | |

अभ्यासः - 12

- | | | |
|---------------------|-----------------------|-----------------------|
| 1. मूर्ती, मूर्तयः | 2. रात्री, रात्रयः | 3. धेनू, धेनवः |
| 4. वध्वौ, वध्वः | 5. दुहितरौ, दुहितरः | 6. मातरौ, मातरः |
| 7. यातरौ, यातरः | 8. ननान्दरौ, ननान्दरः | 9. शष्कुली, शष्कुलयः |
| 10. वर्ती, वर्तयः | 11. कुटी, कुटयः | 12. अङ्गुली, अङ्गुलयः |
| 13. त्रुटी, त्रुटयः | 14. वेणी, वेणयः | 15. स्वसारौ, स्वसारः |

अभ्यासः - 13

- | | | | |
|-----------|----------------|---------------|-------------|
| 1. धेनू | 2. भ्रूकुटिः | 3. कीर्तयः | 4. स्तुतयः |
| 5. तिथिः | 6. नाभिः | 7. शष्कुलयः | 8. रेणुः |
| 9. यवागूः | 10. पुत्रवध्वः | 11. वीरप्रसूः | 12. स्नायवः |

- | | | | |
|-----------|-----------|-------------|------------|
| 13. चमूः | 14. मातरः | 15. प्रीतिः | 16. वेण्यः |
| 17. युवती | 18. नीतिः | 19. नगर्यः | |

अभ्यासः - 14

1. (i) जननी (ii) स्मृतयः (iii) वाण्यः (iv) तनुः
(v) भुवः
2. (i) मनुस्मृतिः, याज्ञवल्क्यस्मृतिः इति द्वे स्मृती प्रसिद्धे स्तः ।
(ii) प्र. *चतुर्दशसु भुवनेषु के द्वे भुवने प्रसिद्धे स्तः ?
उ. चतुर्दशसु भुवनेषु भूलोकः स्वर्गलोकश्चेति द्वे भुवने प्रसिद्धे स्तः ।
(*चतुर्दश भुवनानि पृथिव्याः उपरि सप्त - भूलोकः, भुवलोकः, स्वर्लोकः, महर्लोकः, जनलोकः, तपोलोकः, सत्य/ब्रह्मलोकः । पृथिव्याः अधः सप्त - अतलं, वितलं, सतलं, रसातलं, तलातलं, महातलं, पातालम्)
(iii) प्रीतिः, स्नेहः, आशाः, तृष्णा, आसक्तिः इति एताः संसारस्य रज्जवः भवन्ति ।
(iv) वसुधैव कुटुम्बकम् इति अस्माकं संस्कृतेः बीजम् अस्ति ।
(v) 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' इति वाल्मीकिः रामोक्तिमाध्यमेन रामायणे वदति ।
3. (i) बहुवचनम्, आकारान्तः (ii) एकवचनम्, ईकारान्तः (iii) एकवचनम्, इकारान्तः
(iv) द्विवचनम्, इकारान्तः (v) बहुवचनम्, ईकारान्तः (vi) एकवचनम्, इकारान्तः
(vii) एकवचनम्, उकारान्तः (viii) एकवचनम्, इकारान्तः (ix) एकवचनम्, उकारान्तः
(x) बहुवचनम्, उकारान्तः (xi) एकवचनम्, इकारान्तः (xii) एकवचनम्, इकारान्तः
(xiii) एकवचनम्, ईकारान्तः (xiv) एकवचनम्, इकारान्तः (xv) एकवचनम्, आकारान्तः

अभ्यासः - 15

- | | | |
|-----------------------|---------------------|---------------------|
| 1. दधि, इकारान्तः | 2. अस्थि, इकारान्तः | 3. अक्षि, इकारान्तः |
| 4. सक्थि, इकारान्तः | 5. मधु, उकारान्तः | 6. वस्तु, उकारान्तः |
| 7. श्मश्रु, उकारान्तः | 8. अम्बु, उकारान्तः | 9. अश्रु, उकारान्तः |
| 10. जानु, उकारान्तः | | |

अभ्यासः - 16

- | | |
|----------------------------|----------------------------------|
| 1. दधि, दधिनी, दधीनि | 2. श्मश्रु, श्मश्रुणी, श्मश्रूणि |
| 3. अस्थि, अस्थिनी, अस्थीनि | 4. अक्षि, अक्षिणी, अक्षीणि |
| 5. अम्बु, अम्बुनी, अम्बूनि | 6. दारु, दारुणी, दारूणि |
| 7. मधु, मधुनी, मधूनि | 8. जानु, जानुनी, जानूनि |

अभ्यासः - 17

- | | | | |
|-----------------|---------------|---------------|--------------|
| 1. (i) पुष्पाणि | (ii) फलानि | (iii) पत्राणि | (iv) वारीणि |
| (v) दधीनि | (vi) अक्षीणि | (vii) दारूणि | (viii) मधूनि |
| (ix) वस्तूनि | (x) श्मश्रूणि | | |
-
- | | | | |
|------------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| 2. (i) द्विवचनम् | (ii) बहुवचनम् | (iii) द्विवचनम् | (iv) एकवचनम् |
| (v) बहुवचनम् | (vi) बहुवचनम् | (vii) द्विवचनम् | (viii) बहुवचनम् |
| (ix) द्विवचनम् | (x) बहुवचनम् | (xi) द्विवचनम् | (xii) बहुवचनम् |
| (xiii) द्विवचनम् | (xiv) द्विवचनम् | | |
-
- | | |
|---|--|
| 3. (i) पुष्पवृक्षेषु सुन्दराणि पुष्पाणि शोभन्ते । | (ii) तडागस्य वारि अतीव निर्मलं वर्तते । |
| (iii) मधुच्छत्रेषु प्रचुरं मधु वर्तते । | (iv) वृक्षेषु शुष्काणि दारूणि इन्धनयोग्यानि भवन्ति । |
| (v) छेदने सति वृक्षाः अश्रूणि न त्यजन्ति । | |

अभ्यासः - 18

- | | | |
|------------------------------|----------------------------|------------------------|
| 1. धीमान्, धीमन्तः | 2. धनवान्, धनवन्तौ | 3. महान्तौ, महान्तः |
| 4. भिषक्, भिषजः | 5. बुद्धिमान्, बुद्धिमन्तौ | 6. राजानौ, राजानः |
| 7. अधिकारी, अधिकारिणः | 8. सुहृदौ, सुहृदः | 9. सम्राट्, सम्राजौ |
| 10. विद्वान्, विद्वान्सः | 11. हनुमन्तौ, हनुमन्तः | 12. बली, बलिनौ |
| 13. भवान्, भवन्तः | 14. पुमान्, पुमांसौ | 15. गतिमन्तौ, गतिमन्तः |
| 16. विद्यार्थी, विद्यार्थिनः | 17. आत्मा, आत्मानौ | |

अभ्यासः - 19

- | | | | |
|----------------|---------------|---------------|-------------|
| 1. बुद्धिमान् | 2. विज्ञानिनौ | 3. वणिजौ | 4. पुमान् |
| 5. सुहृत् | 6. धनवन्तः | 7. सम्राट् | 8. विद्वान् |
| 9. बुद्धिमन्तौ | 10. हनुमान् | 11. मन्त्रिणौ | 12. धनिनः |
| 13. सम्राजः | 14. योगिनौ | 15. ऋत्विक् | 16. गुणिनः |
| 17. मतिमन्तौ | 18. धीमन्तः | 19. लोभी | |

अभ्यासः - 20

- | | | | |
|--------------|---------------|--------------|-----------------|
| 1. गुणी | 2. शक्तिमान् | 3. योगी | 4. आत्मा |
| 5. सम्राट् | 6. पुमान् | 7. मायावी | 8. ऋत्विजौ |
| 9. धीमन्तौ | 10. महात्मानौ | 11. सुहृदः | 12. अश्वारोहिणौ |
| 13. बलिनौ | 14. श्रीमन्तः | 15. भिषजः | 16. राजानः |
| 17. मतिमन्तः | 18. विवेकिनः | 19. शीलवन्तः | 20. आततायिनः |

अभ्यासः - 21

- | | |
|-----------------------------------|---------------------------------------|
| 1. ऋत्विजः, जकारः, ऋत्विज् | 2. सुहृदः, दकारः, सुहृद् |
| 3. स्वामिनः, नकारः, स्वामिन् | 4. बुद्धिमन्तः, तकारः, बुद्धिमत् |
| 5. भिषजः, जकारः, भिषज् | 6. विद्वांसः, सकारः, विद्वस् |
| 7. आत्मानः, नकारः, आत्मन् | 8. सम्राजः, जकारः, सम्राज् |
| 9. पुमांसः, सकारः, पुंस् | 10. शक्तिमन्तः, तकारः, शक्तिमत् |
| 11. मरुतः, तकारः, मरुत् | 12. विद्यार्थिनः, नकारः, विद्यार्थिन् |
| 13. महान्तः, तकारः, महत् | 14. तेजस्विनः, नकारः, तेजस्विन् |
| 15. विज्ञानिनः, नकारः, विज्ञानिन् | 16. हस्तिनः, नकारः, हस्तिन् |
| 17. गुणवन्तः, तकारः, गुणवत् | 18. भवन्तः, तकारः, भवत् |

अभ्यासः - 22

- | | | | |
|--------------|---------------|--------------|--------------|
| 1. चकारान्तः | 2. तकारान्तः | 3. तकारान्तः | 4. तकारान्तः |
| 5. तकारान्तः | 6. नकारान्तः | 7. तकारान्तः | 8. नकारान्तः |
| 9. षकारान्तः | 10. तकारान्तः | | |

अभ्यासः - 23

- | | | | |
|--------------------------------|--------------------------------------|----------------------------|------------------|
| 1. (i) राजा | (ii) सुहृत् | (iii) महान् | (iv) सुहृद् |
| (v) भावग्राही | | | |
| 2. (i) राजन् | (ii) विद्वस् | (iii) सुहृद् | (iv) भावग्राहिन् |
| (v) भवत् | (vi) भगवत् | | |
| 3. (i) भवान्, भवन्तौ, भवन्तः | (ii) गुणी, गुणिनौ, गुणिनः | (iii) राजा, राजानौ, राजानः | |
| (iv) सम्राट्, सम्राजौ, सम्राजः | (v) विद्वान्, विद्वान्सौ, विद्वान्सः | | |

अभ्यासः - 24

- | | | |
|--------------------|------------------------|--------------------|
| 1. वाचौ | 2. स्रक्, स्रजः | 3. त्वचः |
| 4. आपदौ | 5. विपत्, विपदः | 6. समिधौ, समिधः |
| 7. आंशीः, आशिषौ | 8. सम्पदौ, सम्पदः | 9. शरत्, शरदः |
| 10. परिषदौ, परिषदः | 11. प्रतिपत्, प्रतिपदः | 12. क्षुधौ, क्षुधः |
| 13. सरित्, सरितौ | 14. तडित्, तडितः | 15. योषित्, योषितौ |
| 16. दिशौ, दिशः | 17. विद्युत्, विद्युतः | |

अभ्यासः - 25

- | | |
|--------------------------------------|--|
| 1. सरितौ प्रवहतः । सरितः प्रवहन्ति । | 2. स्रक् अस्ति । स्रजः सन्ति । |
| 3. आपदौ आयातः । आपदः आयान्ति । | 4. सम्पद् वर्तते । सम्पदौ वर्तते । |
| 5. शरदौ राजतः । शरदः राजन्ते । | 6. परिषत् प्रचलति । परिषदः प्रचलन्ति । |
| 7. समित् ज्वलति । समिधौ ज्वलतः । | 8. विद्युतौ विलसतः । विद्युतः विलसन्ति । |
| 9. योषित् गायति । योषितः गायन्ति । | 10. दिक् भाति । दिशौ भातः । |

अभ्यासः - 26

- | | |
|------------------------------|-----------------------------------|
| 1. कण्ठे स्रक् शोभते । | 2. मुखात् संस्कृतवाक् स्फुरति । |
| 3. जीवने रमणीया शरद् आयाति । | 4. ग्रीष्मानन्तरं प्रावृट् भवति । |
| 5. गगने तडित् द्योतते । | 6. शिष्याय आशीः अस्तु । |

7. विद्युत् विद्योतते ।

8. गृहे सम्पद् अस्ति ।

अभ्यासः - 27

1. शिशूनां वाचः मधुराः ।

2. जीवने विपदः आगताः ।

3. अत्र परिषदः प्रचलन्ति ।

4. योषितः जलम् आनयन्ति ।

5. सरितः प्रवहन्ति ।

6. उपनिषदः ब्रह्मतत्त्वं बोधयन्ति ।

7. विद्युतः शीघ्रगामिन्यः वर्तन्ते ।

8. अप्सरसः तपोभङ्गं कुर्वन्ति ।

9. कानने समिधः वर्तन्ते ।

10. दृशः विशालाः सन्ति ।

अभ्यासः - 28

1. आपदः, दकारान्तः

2. समिधः, धकारान्तः

3. प्रावृषः, षकारान्तः

4. आशिषः, षकारान्तः

5. सरितः, तकारान्तः

6. उपानहः, हकारान्तः

7. दिशः, शकारान्तः

8. क्षुधः, धकारान्तः

9. संसदः, दकारान्तः

10. उपनिषदः, दकारान्तः

अभ्यासः - 29

1. दकारान्तः

2. दकारान्तः

3. तकारान्तः

4. दकारान्तः

5. तकारान्तः

6. तकारान्तः

7. दकारान्तः

8. दकारान्तः

9. चकारान्तः

10. चकारान्तः

अभ्यासः - 30

1. (i) योषितः

(ii) अप्सरसः

(iii) वाक्

(iv) आशिषः

(v) दिक्

2. (i) योषित्

(ii) अप्सरस्

(iii) वाच्

(iv) आशिष्

3. (i) रमन्ते तत्र देवताः ।

(ii) जगति धर्मस्य भवतु जयः ।

(iii) क्वचिदपि कुमाता न भवति ।

(iv) स्वर्गादपि गरीयसी ।

(v) च दुर्लभं वचः ।

अभ्यासः - 31

- | | | |
|-----------------------|---------------------|----------------------|
| 1. व्योमन्, नकारान्तः | 2. बृहत्, तकारान्तः | 3. कर्मन्, नकारान्तः |
| 4. वयस्, सकारान्तः | 5. मनस्, सकारान्तः | 6. तपस्, सकारान्तः |
| 7. नामन्, नकारान्तः | 8. सरस्, सकारान्तः | 9. अहन्, नकारान्तः |
| 10. सद्मन्, नकारान्तः | | |

अभ्यासः - 32

- | | | |
|----------------------|-------------------------|-----------------|
| 1. अहनी/अह्नी, अहानि | 2. पयसी, पयांसि | 3. यशसी, यशांसि |
| 4. कर्मणी, कर्माणि | 5. नामनी/नाम्नी, नामानि | 6. आयुषी, आयूषि |
| 7. वेश्मनी, वेश्मानि | 8. चक्षुषी, चक्षूषि | 9. हविषी, हवीषि |
| 10. धनुषी, धनूषि | | |

अभ्यासः - 33

- | | | | |
|-------------|--------------|-------------|------------|
| 1. धनुः | 2. चक्षुषी | 3. अहानि | 4. सद्मनी |
| 5. सरसी | 6. कर्माणि | 7. मनः | 8. पयः |
| 9. हवीषि | 10. वेश्मानि | 11. बृहन्ति | 12. नाम |
| 13. चक्षुषी | 14. चेतांसि | 15. धाम | 16. तपांसि |
| 17. धनुषी | 18. आयुः | 19. वचांसि | 20. व्योम |

अभ्यासः - 34

- | | | | |
|------------------------|-----------------------|-------------------|---------------|
| 1. (i) नरजन्म | (ii) तपसी | (iii) वचांसि | (iv) यशांसि |
| (v) चेतांसि | (vi) ब्रह्माणः | | |
| 2. (i) जन्मनी, जन्मानि | (ii) तपः, तपसी | (iii) मनः, मनांसि | |
| (iv) वचः, वचसी | (v) प्रेमणी, प्रेमाणि | | |
| 3. (i) तपस् | (ii) प्रेमन् | (iii) जन्मन् | (iv) ब्रह्मन् |
| (v) यशस् | (vi) चेतस् | (vii) कर्मन् | (viii) जगत् |
| (ix) मनस् | (x) वचस् | | |

अभ्यासः - 35

1. (i) महान् (ii) माता (iii) पिता (iv) गुरुः
(v) सहपाठी
2. (i) पाणिनिः दाक्षीपुत्रः आसीत् । (ii) क्रीस्तोः पूर्वं सप्तमशताब्द्यां पाणिनेः समयः आसीत् ।
(iii) शलातुरः अफगानिस्तानदेशे अस्ति । (iv) पाणिनिः तपः आचरितुं हिमालयं गतवान् ।
(v) महाभाष्यस्य रचयिता पतञ्जलिः आसीत् । (vi) पतञ्जलेः कालः द्वितीयशताब्दी आसीत् ।
(vii) पाणिनेः व्याकरणग्रन्थस्य नाम अष्टाध्यायी ।
3. (i) महत् (ii) सहपाठिन् (iii) मातृ (iv) तिथि
(v) निवासिन् (vi) वाच् (vii) तपस् (viii) गुरु
(ix) भगवत् (x) प्रेमन्
4. (i) मातरः (ii) भगवन्तः (iii) पितरः (iv) प्रेमाणि
(v) महान्तः (vi) प्रीतयः (vii) नामानि (viii) सुहृदः
(ix) विद्वांसः (x) वाचः (xi) गुरवः (xii) सरितः
(xiii) सहपाठिनः (xiv) सूक्तयः (xv) तपांसि (xvi) योद्धारः
(xvii) गावः (xviii) राजानः (xix) वध्वः (xx) कर्माणि
5. (ii) पुंलिङ्गम्, बहुवचनम्, सकारान्तः (iii) नपुंसकलिङ्गम्, एकवचनम्, नकारान्तः
(iv) स्त्रीलिङ्गम्, एकवचनम्, ऋकारान्तः (v) स्त्रीलिङ्गम्, एकवचनम्, इकारान्तः
(vi) नपुंसकलिङ्गम्, एकवचनम्, तकारान्तः (vii) नपुंसकलिङ्गम्, एकवचनम्, नकारान्तः
(viii) पुंलिङ्गम्, एकवचनम्, उकारान्तः (ix) पुंलिङ्गम्, एकवचनम्, नकारान्तः
(x) स्त्रीलिङ्गम्, एकवचनम्, इकारान्तः (xi) पुंलिङ्गम्, एकवचनम्, तकारान्तः
(xii) पुंलिङ्गम्, बहुवचनम्, तकारान्तः (xiii) पुंलिङ्गम्, एकवचनम्, तकारान्तः
(xiv) पुंलिङ्गम्, एकवचनम्, इकारान्तः (xv) पुंलिङ्गम्, बहुवचनम्, नकारान्तः
(xvi) स्त्रीलिङ्गम्, एकवचनम्, इकारान्तः (xvii) स्त्रीलिङ्गम्, बहुवचनम्, तकारान्तः
(xviii) स्त्रीलिङ्गम्, एकवचनम्, ईकारान्तः (xix) नपुंसकलिङ्गम्, बहुवचनम्, अकारान्तः
(xx) नपुंसकलिङ्गम्, एकवचनम्, सकारान्तः



द्वितीयः स्तवकः**अभ्यासः - 36**

- | | | |
|----------------------|-------------------------|--------------------|
| 1. रवयः, रवीन् | 2. कवयः, कवीन् | 3. शिशवः, शिशून् |
| 4. धातारः, धातृन् | 5. भ्रातरः, भ्रातृन् | 6. मतयः, मतीः |
| 7. श्रुतयः, श्रुतीः | 8. मूर्तयः, मूर्तीः | 9. कृतयः, कृतीः |
| 10. छदयः, छदीः | 11. नीतयः, नीतीः | 12. भक्तयः, भक्तीः |
| 13. रज्जवः, रज्जूः | 14. हनवः, हनूः | 15. धेनवः, धेनूः |
| 16. चञ्चवः, चञ्चूः | 17. श्वश्र्वः, श्वश्रूः | 18. भ्रुवः, भ्रूः |
| 19. मातरः, मातृः | 20. , स्वसारः, स्वसृः | 21. वारीणि, वारीणि |
| 22. अस्थीनि, अस्थीनि | 23. मधूनि, मधूनि | 24. जानूनि, जानूनि |
| 25. अश्रूणि, अश्रूणि | | |

अभ्यासः - 37

- | | |
|-----------------------------------|--------------------------------------|
| 1. वणिजम्, वणिजौ, वणिजः | 2. गोमन्तम्, गोमन्तौ, गोमतः |
| 3. भवन्तम्, भवन्तौ, भवतः | 4. धीमन्तम्, धीमन्तौ, धीमतः |
| 5. महान्तम्, महान्तौ, महतः | 6. मरुतम्, मरुतौ, मरुतः |
| 7. आत्मानम्, आत्मानौ, आत्मनः | 8. गुणिनम्, गुणिनौ, गुणिनः |
| 9. ज्ञानिनम्, ज्ञानिनौ, ज्ञानिनः | 10. मन्त्रिणम्, मन्त्रिणौ, मन्त्रिणः |
| 11. विद्वांसम्, विद्वांसौ, विदुषः | 12. पुमांसम्, पुमांसौ, पुंसः |
| 13. वेधसम्, वेधसौ, वेधसः | 14. बृहन्तम्, बृहन्तौ, बृहतः |
| 15. नाम, नामनी, नामानि | 16. धनुः, धनुषी, धनूषि |
| 17. वपुः, वपुषी, वपूषि | 18. चक्षुः, चक्षुषी, चक्षूषि |
| 19. हविः, हविषी, हवीषि | 20. मनः, मनसी, मनांसि |

अभ्यासः - 38

- | | |
|-----------------------------|------------------------------|
| 1. यतिं, ऋषिं, मुनिं | 2. गुरुं, भानुं, बन्धुं |
| 3. कलाकृतिं, मूर्तिं, धेनुं | 4. श्वश्रूः, मातरं, भ्रातृन् |

- | | |
|--------------------------------------|------------------------------|
| 5. मुनिं, मातरं, पितरं, धेनूः | 6. वारि, मधु, रज्जुं |
| 7. यतिं, मूर्तीः, बन्धून् | 8. कलाकृतीः, मूर्तीः, रज्जूः |
| 9. गुरून्, बन्धून्, भ्रातृन् | 10. मातरं, भ्रातृन्, स्वसृः |
| 11. धीमन्तं, बुद्धिमन्तं, शक्तिमन्तं | 12. वणिजं, ऋत्विजं, भिषजं |
| 13. अधिकारिणः, विज्ञानिनः, योगिनौ | 14. विद्यार्थिनं, सुहृदं |
| 15. धनवतः, बुद्धिमतः, शक्तिमतः | |

अभ्यासः - 39

- | | | |
|----------------------------|--------------------------------|--------------------------|
| 1. अधिकारिणः, अधिकारिणः | 2. कार्यकर्तारः, कार्यकर्तृन् | 3. कवयः, कवीन् |
| 4. भिषजः, भिषजः | 5. धीमन्तः, धीमतः | 6. मन्त्रिणः, मन्त्रिणः |
| 7. वणिजः, वणिजः | 8. भ्रातरः, भ्रातृन् | 9. स्वसारः, स्वसृः |
| 10. बन्धवः, बन्धून् | 11. योगिनः, योगिनः | 12. दुहितरः, दुहितृः |
| 13. वध्वः, वधूः | 14. वक्तारः, वक्तृन् | 15. अभिनेतारः, अभिनेतृन् |
| 16. सुहृदः, सुहृदः | 17. शिशवः, शिशून् | 18. ऋत्विजः, ऋत्विजः |
| 19. बुद्धिमन्तः, बुद्धिमतः | 20. विद्यार्थिनः, विद्यार्थिनः | |

अभ्यासः - 40

I.

1. मन्दिरम् उभयतः उद्यानानि सन्ति ।
2. नगरम् उभयतः वाय्वौ स्तः ।
3. सज्जनम् उभयतः दुर्जनाः सन्ति ।
4. पूजकम् उभयतः भक्ताः सन्ति ।
5. कृष्णम् उभयतः गोपाः सन्ति ।
6. गाम् उभयतः वत्साः सन्ति ।
7. भूमिम् उभयतः लोकाः सन्ति ।
8. नदीम् उभयतः तटे स्तः ।
9. गुरुम् उभयतः छात्राः सन्ति ।
10. गृहम् उभयतः वृक्षौ स्तः ।

II.

1. रामेश्वरं परितः सागरः अस्ति ।
2. क्षेत्रं परितः जलम् अस्ति ।
3. मां परितः मित्राणि सन्ति ।
4. देशं परितः सैनिकाः सन्ति ।
5. कथावाचकं परितः भक्ताः सन्ति ।
6. वधूं परितः स्त्रियः सन्ति ।
7. धेनुं परितः घासाः सन्ति ।
8. द्रौपदीं परितः शाटिका अस्ति ।
9. मातरं परितः पुत्राः सन्ति ।
10. विद्यालयं परितः प्राचीराणि सन्ति ।

अभ्यासः - 41

- | | |
|---|--|
| 1. वायुं विना प्राणी न जीवति । | 2. ज्ञानं विना मुक्तिः नास्ति । |
| 3. गृहिणीं विना गृहम् अपूर्णम् अस्ति । | 4. अभ्यासं विना पाठः कण्ठस्थः न भवति । |
| 5. व्याकरणं विना भाषायाः शुद्धं ज्ञानं न भवति । | 6. विद्यां विना जीवनं व्यर्थम् अस्ति । |
| 7. वृद्धं विना सभा न शोभते । | 8. सद्ब्यवहारं विना प्रीतिः न भवति । |
| 9. श्रमं विना सफलता नास्ति । | 10. शान्तिं विना सुखं नास्ति । |

अभ्यासः - 42

- | | | |
|------------------------|-----------------------|---------------------|
| 1. आरक्षकान् धिक् । | 2. ब्राह्मणान् धिक् । | 3. पुत्रान् धिक् । |
| 4. वैद्यान् धिक् । | 5. कर्मचारिणं धिक् । | 6. अध्येतृन् धिक् । |
| 7. विद्यार्थिनं धिक् । | 8. भार्याः धिक् । | 9. मातरं धिक् । |

अभ्यासः - 43

- | | |
|-----------------------------------|------------------------------------|
| 1. विष्णुः वैकुण्ठम् अधितिष्ठति । | 2. राजा सिंहासनम् अधितिष्ठति । |
| 3. मम भगिनी देहलीम् अधितिष्ठति । | 4. तस्याः पतिः गृहम् अधितिष्ठति । |
| 5. शकुन्तला आश्रमम् अधितिष्ठति । | 6. देवाः स्वर्गम् अधितिष्ठन्ति । |
| 7. ईश्वरः हृदयम् अधितिष्ठति । | 8. सिंहः अरण्यम् अधितिष्ठति । |
| 9. ग्राहः जलम् अधितिष्ठति । | 10. पक्षिणः वृक्षम् अधितिष्ठन्ति । |

अभ्यासः - 44

- | | |
|--|-----------------------------------|
| 1. ग्रामम् उभयतः नद्यौ वहतः । | 2. सभापतिः मञ्चम् अधितिष्ठति । |
| 3. भूमिम् उभयतः जलम् अस्ति । | 4. चोरं धिक् । |
| 5. अनुशासनं विना विद्यालयः न चलति । | 6. माम् उभयतः मित्राणि सन्ति । |
| 7. सरोवरं परितः बकाः सन्ति । | 8. भक्ष्यं परितः गृध्राः डयन्ते । |
| 9. रमेशस्य अर्धं वाक्यं मुखम् अधितिष्ठति । | 10. वेदनिन्दकं धिक् । |

अभ्यासः - 45

- | | |
|--------------------------|--------------------------------------|
| 1. गोपः गां पयः दोग्धि । | 2. बालकः गुरुं गृहकार्यम् अपृच्छत् । |
|--------------------------|--------------------------------------|

- | | |
|---------------------------------|---|
| 3. साधुः बालकं धर्मं वदति । | 4. वृद्धः जनान् कथां कथयति । |
| 5. याचकः धनिकं धनं याचति । | 6. यात्रापत्रनिरीक्षकः यात्रिणः यात्रापत्रं पृच्छति । |
| 7. गुरुः छात्रं पाठं बोधयति । | 8. रमेशः मित्रं यात्रावृत्तान्तं कथयति । |
| 9. गोपालः अविनीतं विनयं याचति । | 10. वाल्मीकिः लवकुशौ रामायणम् अकथयत् । |

अभ्यासः - 46

- | | |
|---------------------------------------|--|
| 1. बालकः वृद्धम् उद्यानं नयति । | 2. रामः हनुमन्तं मार्गम् अपृच्छत् । |
| 3. माता पुत्रीं कार्यं वदति । | 4. वाल्मीकिः नारदं हितम् उपादिशत् । |
| 5. श्रीकृष्णः अर्जुनः गीताम् अवोचत् । | 6. दशरथः कैकेयीं सङ्ग्रामम् अनयत् । |
| 7. दिलीपः नन्दिनीम् आश्रमम् अनयत् । | 8. ज्येष्ठः कनिष्ठं प्रश्नं पृच्छति । |
| 9. त्वं मित्रं वृत्तान्तं पृच्छ । | 10. त्वं पितरं व्यथां वद । |
| 11. गोपाः गाः पयः दुहन्तु । | 12. विश्वामित्रः हरिश्चन्द्रं राज्यम् अयाचत् । |
| 13. निर्धनाः कृपणं धनम् न याचन्तु । | 14. सः सभासदं प्रतिवेदनम् अकथयत् । |
| 15. पितामहः पौत्रं कथां कथयति । | 16. रामः सीतां वनम् अनयत् । |
| 17. छात्रः धनिकं वृत्तिम् अयाचत् । | 18. पत्नी पतिं वृत्तान्तं पृच्छति । |
| 19. दयानन्दः शिष्यं वेदान् अपाठयत् । | |

अभ्यासः - 47

1. (i) गतमासे बालकः नवदिल्लीं गतवान् ।
- (ii) शिक्षिका एकाम् अष्टाध्यायीं गङ्गावतरणचम्पू च क्रीतवती ।
- (iii) बालकः श्रीमद्भागवतं क्रेतुं मातरं प्रेरितवान् ।
- (iv) आपणौ परितः जनसम्मर्दः आसीत् ।
- (v) शिक्षिका संस्कृतं संस्कृतिं च निन्दतः धिक् इति उक्तवती ।
- (vi) बालकः रामचरितमानसं क्रेतुम् ऐच्छत् ।
- (vii) प्र. ते किं क्रीत्वा आङ्ग्ल-पुस्तकापणं गतवन्तः ?
उ. ते द्वौ उपन्यासौ क्रीत्वा आङ्ग्ल-पुस्तकापणं गतवन्तः ।
- (viii) माता भगिन्याः कृते त्रीणि आङ्ग्ल-पुस्तकानि क्रीतवती ।

- (ix) ते उभे अपि विपणी गत्वा विविधवस्तूनि क्रीतवन्तः ।
 (x) ते विविध-वस्तूनि च क्रीत्वा अतिथिगृहं प्रत्यागतवन्तः ।

2. (i) कार्यकर्तृन् (ii) पक्षिणः (iii) अध्येतृन् (iv) स्वसारं
 (v) सुहृदः (vi) शर्करां (vii) मन्दिरं (viii) भ्रष्टाधिकारिणः
 (ix) देशनिन्दकं (x) नासिकाम् (xi) भिषजम् (xii) स्वभवनम्
 (xiii) जलम् (xiv) महेश्वरं

3. (i) दुहितरम्, दुहितरौ, दुहितृः (ii) मन्त्रिणम्, मन्त्रिणौ, मन्त्रिणः
 (iii) योगिनम्, योगिनौ, योगिनः (iv) वधूम्, वध्वौ, वधूः
 (v) वक्तारम्, वक्तारौ, वक्तृन् (vi) शिशुम्, शिशू, शिशून्
 (vii) ऋत्विजम्, ऋत्विजौ, ऋत्विजः (viii) विद्यार्थिनम्, विद्यार्थिनौ, विद्यार्थिनः
 (ix) कविम्, कवी, कवीन् (x) जानु, जानुनी, जानूनि
 (xi) स्वसारम्, स्वसारौ, स्वसृः (xii) वणिजम्, वणिजौ, वणिजः
 (xiii) भ्रातरम्, भ्रातरौ, भ्रातृन् (xiv) बन्धुम्, बन्धू, बन्धून्
 (xv) अधिकारिणम्, अधिकारिणौ, अधिकारिणः

4. (i) इकारान्तः, एकवचनम् (ii) इकारान्तः/ईकारान्तः, बहुवचनम्
 (iii) नकारान्तः, द्विवचनम् (iv) इकारान्तः, एकवचनम्
 (v) इकारान्तः, बहुवचनम् (vi) ऋकारान्तः, बहुवचनम्
 (vii) उकारान्तः, एकवचनम् (viii) ऋकारान्तः, द्विवचनम्
 (ix) नकारान्तः, एकवचनम्

5. (i) सः दधि मथ्नाति । (ii) सः मधु लेढि । (iii) सः सूक्तीः चिनोति ।
 (iv) सः ग्रन्थिम् उद्घाटयति । (v) सः धनुः भञ्जयति । (vi) सः संन्यासिनः भोजयति ।
 (vii) सः भ्रमिं भ्रामयति । (viii) सः विद्यार्थिनौ बोधयति । (ix) सः स्वसारं पश्यति ।
 (x) सः विक्रेतृन् आह्वयति । (xi) सः वस्तुनी क्रीणाति । (xii) सः जानु कण्डूयते ।
 (xiii) सः अस्थि योजयति । (xiv) सः कशेरुं परीक्षते ।

अभ्यासः - 48

ii. पाणिभिः	iii. भ्रात्रा	iv. गवा	v. जगद्गुरुणा
vi. ऋषिभिः	vii. जामातृभ्यां	viii. शम्भुना	ix. दाशरथिना
x. अभियन्तृभिः	xi. विष्णुभ्यां	xii. दात्रा	xiii. छदिभिः
xiv. लताभ्यां	xv. धेनुना	xvi. देव्या	xvii. मातृभ्यां
xviii. वध्वा	xix. अङ्गुल्या	xx. वरिभ्यां	xxi. जानुभिः
xxii. अक्षणा	xxiii. अश्रुभ्यां	xxiv. अस्थिभ्यां	xxv. मधुभिः
xxvi. अधिवक्तृभ्यां	xxvii. श्मश्रुभिः	xxviii. दध्ना	xxix. दुहितृभिः
xxx. चञ्च्वा			

अभ्यासः - 49

1. वाच्, + आ, वाचा	2. त्वच्, + आ, त्वचा	3. स्रज्, + आ, स्रजा
4. दिश्, + आ, दिशा	5. प्रावृष्, + आ, प्रावृषा	6. सरित्, + आ, सरिता
7. तडित्, + आ, तडिता	8. विद्युत्, + आ, विद्युता	9. आपद्, + आ, आपदा
10. परिषद्, + आ, परिषदा	11. प्रतिपद्, + आ, प्रतिपदा	12. विपद्, + आ, विपदा
13. शरद्, + आ, शरदा	14. सम्पद्, + आ, सम्पदा	15. संसद्, + आ, संसदा
16. समिध्, + आ, समिधा	17. योषित्, + आ, योषिता	18. क्षुध्, + आ, क्षुधा
19. आशिष्, + आ, आशिषा		

अभ्यासः - 50

1. सरिता, सरिद्भ्याम्, सरिद्भिः गच्छता, गच्छद्भ्याम्, गच्छद्भिः श्रीमता, श्रीमद्भ्याम्, श्रीमद्भिः भगवता, भगवद्भ्याम्, भगवद्भिः जगता, जगद्भ्याम्, जगद्भिः	2. राज्ञा, राज्ञ्याम्, राज्ञिभिः करिणा, करिभ्याम्, करिभिः आत्मना, आत्मभ्याम्, आत्मभिः ब्रह्मणा, ब्रह्मभ्याम्, ब्रह्मभिः नाम्ना, नामभ्याम्, नामभिः
3. भिषजा, भिषग्भ्याम्, भिषग्भिः वणिजा, वणिग्भ्याम्, वणिग्भिः ऋत्विजा, ऋत्विग्भ्याम्, ऋत्विग्भिः	4. वेधसा, वेधोभ्याम्, वेधोभिः सरसा, सरोभ्याम्, सरोभिः पयसा, पयोभ्याम्, पयोभिः अप्सरसा, अप्सरोभ्याम्, अप्सरोभिः

5. धनुषा, धनुर्भ्याम्, धनुर्भिः
चक्षुषा, चक्षुर्भ्याम्, चक्षुर्भिः
आयुषा, आयुर्भ्याम्, आयुर्भिः
वपुषा, वपुर्भ्याम्, वपुर्भिः

अभ्यासः - 51

- | | | | |
|--------------|-------------|--------------|--------------|
| 1. पाणिभ्यां | 2. वारिणा | 3. अग्निना | 4. व्याधिना |
| 5. उपाधिना | 6. तरुणा | 7. चञ्च्वा | 8. भ्रुवा |
| 9. तन्वा | 10. कृतिभिः | 11. बुद्ध्या | 12. पयसा |
| 13. तपसा | 14. भक्त्या | 15. प्रीत्या | 16. युक्त्या |
| 17. योगिना | 18. अम्बुना | | |

अभ्यासः - 52

- | | | | |
|--------------|-----------------|--------------|-------------|
| 3. गिरिणा | 4. भ्रातृभ्याम् | 5. तरुणा | 6. मात्रा |
| 7. पुत्रैः | 8. कार्यकर्त्रा | 9. तपसा | 10. स्वप्ना |
| 11. दुहित्रा | 12. शष्कुल्या | 13. रात्र्या | |

अभ्यासः - 53

- | | | | |
|-----------------|-----------------|---------------------|---------------|
| 1. शकटेन | 2. वायुयानेन | 3. उष्ट्रशकटेन | 4. नौकया |
| 5. द्विचक्रिकया | 6. त्रिचक्रिकया | 7. वातानुकूलितयानेन | 8. व्योमयानेन |
| 9. रोगिवाहनेन | 10. लोकयानेन | | |

अभ्यासः - 54

- | | | | |
|-----------|--------------|-----------|-----------|
| 1. कर्णेन | 2. मनोजेन | 3. मणिना | 4. सर्पेण |
| 5. गजेन | 6. अभिनेत्रा | 7. गुरुणा | |

अभ्यासः - 55

- | | | | |
|--------------|-------------|--------------|-------------|
| 2. मुद्राभिः | 3. रूप्यकैः | 4. मुद्राभिः | 5. रूप्यकैः |
|--------------|-------------|--------------|-------------|

अभ्यासः - 56

1. (i) हिरण्यकशिपोः भगिन्याः होलिकायाः दहनेन होलिकोत्सवः सम्बद्धः अस्ति ।
(ii) प्रह्लादस्य भक्त्या प्रसन्नः नारायणः प्रह्लादं रक्षितवान् ।
(iii) होलिका-महोत्सवस्य नामश्रवणेन भारतीयानां चेतांसि प्रफुल्लितानि भवन्ति ।
(iv) होलिकोत्सवे होलिका-मेलनेन सर्वे प्रसन्नाः भवन्ति ।
(v) पित्रा सह होलीमेलनाय नीलमणेः महती इच्छा आसीत् ।
(vi) नीलमणिः स्वगृहनगरे मात्रा सह निवसति स्म ।
(vii) विमला पुत्रेण नीलमणिना सह सुखेन कालं यापयन्ती आसीत् ।
(viii) सुहृद्भिः सह रागजलैः रागचूर्णैः च खेलिष्यामि इति चिन्तयन् नीलमणिः उल्लसितः भवति स्म ।
(ix) विमला गृहं बहुभिः स्रग्भिः, द्वारं च रङ्गवल्या, तथा च भित्तिं चित्रफलकैः सज्जीकृतवती ।
(x) विमला पायसं मिष्टान्नं पयसा शर्कराभिः च निर्मितवती ।
(xi) रघुपतिः वायुयानेन स्वदेशं प्राप्तवान् ।
(xii) नीलमणिः जनन्या सह विमान-स्थानके आसीत् ।
(xiii) पुत्र-प्रेम्णा अभिभूतः पिता पुत्रम् आलिङ्गितवान् ।
(xiv) होलिका-दिने रघुपतिः प्रतिवेशिभिः बन्धुभिः सह चायं पिबन् आसीत् ।
(xv) अमेरिकातः आनीतैः वस्तुभिः रघुपतिः प्रतिवेशिनां सत्कारम् अकरोत् ।
2. (i) अम्बुना (ii) जटायुना (iii) इक्षुभिः (iv) अङ्गुलीभिः
(v) अनुपस्थित्या (vi) वालिना (vii) अतिथिना (viii) अनुष्ठात्रा
(ix) वायुना (x) सम्बन्धिभ्यां (xi) वपुषा (xii) बुद्ध्या
(xiii) तपसा (xiv) परमाणुभिः (xv) युक्त्या
3. (i) गिरिणा, गिरिभ्याम्, गिरिभिः (ii) वाचा, वाग्भ्याम्, वाग्भिः
(iii) अधिकारिणा, अधिकारिभ्याम्, अधिकारिभिः (iv) मणिना, मणिभ्याम्, मणिभिः
(v) गुरुणा, गुरुभ्याम्, गुरुभिः (vi) धात्रा, धातृभ्याम्, धातृभिः
(vii) रज्ज्वा, रज्जुभ्याम्, रज्जुभिः (viii) मनसा, मनोभ्याम्, मनोभिः
(ix) अभिमन्युना, अभिमन्युभ्याम्, अभिमन्युभिः (x) मात्रा, मातृभ्याम्, मातृभिः
(xi) तपसा, तपोभ्याम्, तपोभिः (xii) वपुषा, वपुर्भ्याम्, वपुर्भिः

(xiii) ब्रह्मणा, ब्रह्मभ्याम्, ब्रह्मभिः

(xiv) धनुषा, धनुर्भ्याम्, धनुर्भिः

4. (ख) इक्षुणा (i) गुरुणा (ग) मात्रा (iv) स्वप्ना (घ) पयसा (iii) वयसा
 (ङ) पिपासुना (viii) जटायुना (च) वर्मणा (x) चर्मणा (छ) हिमवता (vi) श्रीमता
 (ज) भूपतिना (ix) श्रीपतिना (झ) धनुषा (ii) वपुषा (ञ) भुवा, (v) भुवा
5. (i) उरः, उरसी, उरांसि, उरस् (ii) बन्धुः, बन्धू, बन्धवः, बन्धु
 (iii) सम्पत्, सम्पदौ, सम्पदः, सम्पद् (iv) विजयी, विजयिनौ, विजयिनः, विजयिन्
 (v) वचः, वचसी, वचांसि, वचस् (vi) जगत्, जगती, जगन्ति, जगत्
 (vii) शर्मा, शर्माणौ, शर्माणः, शर्मन् (viii) दिक्, दिशौ, दिशः, दिश्
 (ix) धनुः, धनुषी, धनूंषि, धनुष्

अभ्यासः - 57

- | | | | |
|-------------|--------------|-------------|--------------|
| 1. कवये | 2. तिथये | 3. ऋषये | 4. बुद्धये |
| 5. विरञ्चये | 6. विधये | 7. निधये | 8. गिरये |
| 9. अग्नये | 10. रुचये | 11. भानवे | 12. रिपवे |
| 13. विष्णवे | 14. शम्भवे | 15. शिशवे | 16. धेनवे |
| 17. रेणवे | 18. चञ्चवे | 19. वायवे | 20. विधवे |
| 21. वक्त्रे | 22. जामात्रे | 23. कर्त्रे | 24. धात्रे |
| 25. दात्रे | 26. पित्रे | 27. स्वप्ने | 28. दुहित्रे |
| 29. भर्त्रे | 30. भ्रात्रे | 31. जानुने | 32. वस्तुने |
| 33. तालुने | 34. वारिणे | 35. लघुने | 36. पटुने |
| 37. अम्बुने | 38. सानुने | | |

अभ्यासः - 58

- | | | |
|----------------------------|---------------------------------|-------------------------|
| 1. शम्भुभ्याम्, शम्भुभ्यः | 2. मातृभ्याम्, मातृभ्यः | 3. विधिभ्याम्, विधिभ्यः |
| 4. वधूभ्याम्, वधूभ्यः | 5. स्वयम्भूभ्याम्, स्वयम्भूभ्यः | 6. धेनुभ्याम्, धेनुभ्यः |
| 7. दधिभ्याम्, दधिभ्यः | 8. भ्रातृभ्याम्, भ्रातृभ्यः | 9. गोभ्याम्, गोभ्यः |
| 10. स्वसृभ्याम्, स्वसृभ्यः | | |

अभ्यासः - 59

- | | | | |
|----------|--------------|-------------|----------|
| 1. मरुते | 2. मन्त्रिणे | 3. ऋत्विजे | 4. मनसे |
| 5. स्रजे | 6. गच्छते | 7. प्रावृषे | 8. आशिषे |

अभ्यासः - 60

- | | | | |
|------------|-------------|-------------|----------------|
| 1. मधुने | 2. हरये | 3. भानवे | 4. मन्त्रिणे |
| 5. आशिषे | 6. सरिते | 7. मनसे | 8. नाम्ने |
| 9. वध्वै | 10. मात्रे | 11. स्वप्ने | 12. दध्ने |
| 13. वेधसे | 14. कवये | 15. भूपतये | 16. स्वयम्भुवे |
| 17. अतिथये | 18. वस्तुने | 19. धूलये | 20. क्षुधे |

अभ्यासः - 61

- | | |
|---|---|
| 1. जगत्, जगद्भ्याम्, जगद्भ्यः | 2. भगवत्, भगवद्भ्याम्, भगवद्भ्यः |
| 3. गच्छत्, गच्छद्भ्याम्, गच्छद्भ्यः | 4. श्रीमत्, श्रीमद्भ्याम्, श्रीमद्भ्यः |
| 5. करिभ्याम्, करिभ्यः | 6. ब्रह्मभ्याम्, ब्रह्मभ्यः |
| 7. नामन्, नामभ्याम्, नामभ्यः | 8. आत्मन्, आत्मभ्याम्, आत्मभ्यः |
| 9. राजन्, राजभ्याम्, राजभ्यः | 10. स्रग्भ्याम्, स्रग्भ्यः |
| 11. भिषज्, भिषग्भ्याम्, भिषग्भ्यः | 12. वणिज्, वणिग्भ्याम्, वणिग्भ्यः |
| 13. ऋत्विज्, ऋत्विग्भ्याम्, ऋत्विग्भ्यः | 14. वेधोभ्याम्, वेधोभ्यः |
| 15. पयस्, पयोभ्याम्, पयोभ्यः | 16. अप्सरस्, अप्सरोभ्याम्, अप्सरोभ्यः |
| 17. हविष्, हविर्भ्याम्, हविर्भ्यः | 18. चक्षुष्, चक्षुर्भ्याम्, चक्षुर्भ्यः |
| 19. वपुष्, वपुर्भ्याम्, वपुर्भ्यः | 20. धनुष्, धनुर्भ्याम्, धनुर्भ्यः |

अभ्यासः - 62

- | | | |
|-------------------------------------|------------------------------|------------------------|
| 1. कवये, गुरवे, भ्रात्रे | 2. मतये, कृतये, धेनवे, वध्वै | 3. दध्ने, मधुने |
| 4. मरुते, मन्त्रिणे, राज्ञे, आत्मने | 5. सरिते, प्रावृषे, आशिषे | 6. मनसे, वपुषे, नाम्ने |

अभ्यासः - 63

- | | | | |
|---------------|-------------------|-------------|---------------|
| 1. क्रीडापटवे | 2. प्रतिस्पर्धिने | 3. शिल्पिने | 4. विज्ञानिने |
| 5. भिषजे | | | |

अभ्यासः - 64

- | | |
|---|--|
| 1. हनुमते रावणः न रोचते ।
हनुमते रामः रोचते । | 2. शिशवे मधुरं रोचते ।
शिशवे तिक्तं न रोचते । |
| 3. गुरवे बुद्धिमन्तः रोचन्ते ।
गुरवे कोलाहलकर्तारः न रोचन्ते । | 4. रामाय दधिमधुनी रोचेते ।
रामाय पलाण्डुलशुने न रोचेते । |
| 5. मात्रे पठनं रोचते ।
मात्रे लेखनं न रोचते । | 6. मल्लाय दुग्ध-घृते रोचेते ।
मल्लाय पठन-पाठने न रोचेते । |
| 7. धेनवे फलं न रोचते ।
धेनवे तृणं रोचते । | 8. राज्ञे वीराः रोचन्ते ।
राज्ञे भीरवः न रोचन्ते । |

अभ्यासः - 65

- | | | | |
|--------------|-----------|----------|--------------|
| 1. सोमशर्मणे | 2. रोगिणे | 3. भिषजे | 4. अधिकारिणे |
| 5. भ्रात्रे | 6. बन्धवे | | |

अभ्यासः - 66

- | | |
|------------------------------------|---------------------------|
| 1. विरोधी प्रधानमन्त्रिणे असूयति । | 2. भिषक् भिषजे असूयति । |
| 3. अभियन्ता अभियन्त्रे असूयति । | 4. सा भवते असूयति । |
| 5. निर्धनः धनवते असूयति । | 6. मूर्खः विदुषे असूयति । |

अभ्यासः - 67

- | | | | |
|-------------|----------|-----------------|-------------|
| 1. गुणवते | 2. धनवते | 3. अधिवक्त्रे । | 4. भ्रात्रे |
| 5. देवगुरवे | | | |

अभ्यासः - 68

- | | |
|---------------------------------------|----------------------------------|
| 1. विपक्षः मुख्यमन्त्रिणे द्रुह्यति । | 2. शत्रुः राज्ञे द्रुह्यति । |
| 3. प्रतिवेशी भ्रात्रे द्रुह्यति । | 4. भृत्यः भूस्वामिने द्रुह्यति । |
| 5. चोरः धनवते द्रुह्यति । | |

अभ्यासः - 69

- | | | | |
|-------------|----------------|------------|-------------|
| 1. धेनुभ्यः | 2. विद्वद्भ्यः | 3. कविभ्यः | 4. साधुभ्यः |
| 5. सम्पदे | | | |

अभ्यासः - 70

- | | | |
|--------------------|---------------------|---------------------|
| 1. राज्ञे, राजभ्यः | 2. धीमते, धीमद्भ्यः | 3. सरिते, सरिद्भ्यः |
| 4. गुरवे, गुरुभ्यः | 5. पित्रे, पितृभ्यः | |

अभ्यासः - 71

- | | | |
|---------------------------|-------------------------|-----------------------------|
| 1. जन्तुभ्याम्, जन्तुभ्यः | 2. शिशुभ्याम्, शिशुभ्यः | 3. प्राणिभ्याम्, प्राणिभ्यः |
| 4. धीमद्भ्याम्, धीमद्भ्यः | 5. साधुभ्याम्, साधुभ्यः | |

अभ्यासः - 72

- | | | |
|---------------------------|--------------------------|---------------------------|
| उदा. (पशुः -बहु.) पशुभ्यः | 1. (श्रेयः -एक.) श्रेयसे | 2. (तृप्तिः -एक.) तृप्तये |
| 3. (कीर्तिः -एक.) कीर्तये | 4. (आशीः -एक.) आशिषे | 5. (शिशुः -बहु.) शिशुभ्यः |

अभ्यासः - 73

1. (i) राजा दशरथेन स्वपुत्राय रामाय वनवासः कल्पितः आसीत् ।
- (ii) श्रीरामः दुष्टप्रकृतिभ्यः रक्षोभ्यः दण्डं प्रदत्तवान् ।
- (iii) अयोध्यावासिनः सीतायै भ्रातृभ्यां रामलक्ष्मणाभ्यां च स्वागतं व्याहृतवन्तः ।
- (iv) दीपावल्याः अवसरे जनाः स्वमित्रेभ्यः, ज्ञातिभ्यः, बन्धुभ्यश्च उपहारं यच्छन्ति ।
- (v) शिशुभ्यः मधुरं रोचते ।

- (vi) जनाः लक्ष्म्यै नमः, गणपतये नमः इति उच्चार्य पूजनं कुर्वन्ति ।
 (vii) जनाः देवेभ्यः, ऋषिभ्यः, पितृभ्यः मनुषेभ्यः च तर्पणम् अर्पयन्ति ।
 (viii) देवाः पुष्पेभ्यः नैवेद्येभ्यः अर्घ्येभ्यः च स्पृहयन्ति ।
 (ix) यजमानाः पूजकेभ्यः दक्षिणां प्रददति ।
 (x) ग्रामीणाः मृद्दीपेभ्यः कुम्भकारस्य समीपं गच्छन्ति ।
 (xi) ते वर्णमयीभ्यः सिक्थवर्तिकाभ्यः विपणीं गच्छन्ति ।
 (xii) वर्णयुक्तेभ्यः विद्युद्दीपेभ्यः विद्युदापणे सम्मर्दः भवति ।
 (xiii) किशोराः विलक्षणेभ्यः, शब्दकारेभ्यः स्फोटनकेभ्यः विशेषेण स्पृहयन्ति ।
 (xiv) पितरः स्वसन्ततिभ्यः स्फोटनकानि ददति ।
 (xv) सर्वे सर्वेभ्यः सुखाय समृद्धये च शुभेच्छाः ज्ञापयन्ति ।

2. (i) दात्रे (ii) मात्रे (iii) भानवे (iv) गुरवे
 (v) युवतिभ्यः (vi) अग्रजः भ्रातृभ्यः स्पृहयति (vii) विष्णवे
 (viii) लोकेभ्यः (ix) सज्जनेभ्यः (x) सीतायै (xi) अभिमन्यवे
 (xii) अभिवृद्धये (xiii) नेतृभ्यः (xiv) कार्यकर्तृभ्यः (xv) मधुने

3. (i) भ्रात्रे, भ्रातृभ्यां, भ्रातृभ्यः (ii) एकाकिने, एकाकिभ्याम्, एकाकिभ्यः
 (iii) बन्धवे, बन्धुभ्यां, बन्धुभ्यः (iv) सुहृदे, सुहृद्भ्यां, सुहृद्भ्यः
 (v) शिशवे, शिशुभ्यां, शिशुभ्यः (vi) तस्मै, ताभ्यां, तेभ्यः
 (vii) सर्वस्मै, सर्वाभ्यां, सर्वेभ्यः (viii) दाशरथये, दाशरथिभ्यां, दाशरथिभ्यः
 (ix) रक्षसे, रक्षोभ्यां, रक्षोभ्यः (x) ज्ञातये, ज्ञातिभ्यां, ज्ञातिभ्यः
 (xi) लक्ष्म्यै, लक्ष्मीभ्यां, लक्ष्मीभ्यः (xii) कर्त्रे, कर्तृभ्यां, कर्तृभ्यः
 (xiii) स्वप्ने, स्वसृभ्यां, स्वसृभ्यः (xiv) दीपावलयै, दीपावलीभ्यां, दीपावलीभ्यः

4. (ii) अधिकारी उद्योगिने वेतनं ददाति । (iii) अध्यक्षः विजयिभ्यः पुरस्कारं ददाति ।
 (iv) राजा शत्रुभ्यः क्रुध्यति । (v) मोहनः सुहृद्भ्यः फलं वितरति ।
 (vi) पिता दुहन्त्रे वस्त्रं ददाति । (vii) भक्तः विशालाक्ष्यै नमः इति वदति ।
 (viii) काव्यं यशसे भवति । (ix) संन्यासी मुक्तये यतते ।
 (x) यागकर्ता अग्नये स्वाहा इति वदति ।

- | | | | |
|----------------------|--------------------|----------------------|-----------------|
| 5. (i) अनुयायिभ्याम् | (ii) वयोभ्यः | (iii) मनसे | (iv) सदसे |
| (v) वपुर्भ्यः | (vi) हनूमते | (vii) तत्त्वविद्भ्यः | (viii) दिग्भ्यः |
| (ix) पुण्यभाजे | (x) वाग्भ्यः | (xi) हस्तिभ्याम् | (xii) गन्त्रे |
| (xiii) जगद्भ्यः | (xiv) दुहितृभ्याम् | | |

अभ्यासः - 74

- | | |
|--|------------------------------------|
| 2. अग्नेः, अग्निभ्याम्, अग्निभ्यः | 3. नृपतेः, नृपतिभ्याम्, नृपतिभ्यः |
| 4. सेनापतेः, सेनापतिभ्याम्, सेनापतिभ्यः | 5. विधेः, विधिभ्याम्, विधिभ्यः |
| 6. गिरेः, गिरिभ्याम्, गिरिभ्यः | 7. असेः, असिभ्याम्, असिभ्यः |
| 8. मुनेः, मुनिभ्याम्, मुनिभ्यः | 9. अतिथेः, अतिथिभ्याम्, अतिथिभ्यः |
| 10. उदधेः, उदधिभ्याम्, उदधिभ्यः | 12. जातेः, जातिभ्याम्, जातिभ्यः |
| 13. पङ्क्तेः, पङ्क्तिभ्याम्, पङ्क्तिभ्यः | 14. भक्तेः, भक्तिभ्याम्, भक्तिभ्यः |
| 15. रात्रेः, रात्रिभ्याम्, रात्रिभ्यः | 16. धूलेः, धूलिभ्याम्, धूलिभ्यः |
| 17. बुद्धेः, बुद्धिभ्याम्, बुद्धिभ्यः | 18. रीतेः, रीतिभ्याम्, रीतिभ्यः |
| 19. भीतेः, भीतिभ्याम्, भीतिभ्यः | 20. गतेः, गतिभ्याम्, गतिभ्यः |

अभ्यासः - 75

- | | |
|--------------------------------------|---------------------------------|
| 3. विधोः, विधुभ्याम्, विधुभ्यः | 4. रिपोः, रिपुभ्याम्, रिपुभ्यः |
| 5. शत्रोः, शत्रुभ्याम्, शत्रुभ्यः | 6. शिशोः, शिशुभ्याम्, शिशुभ्यः |
| 7. वेणोः, वेणुभ्याम्, वेणुभ्यः | 8. वायोः, वायुभ्याम्, वायुभ्यः |
| 9. मृत्योः, मृत्युभ्याम्, मृत्युभ्यः | 10. बाहोः, बाहुभ्याम्, बाहुभ्यः |

अभ्यासः - 76

- | | |
|---------------------------------|---------------------------------|
| 2. मृदुनः, मृदुभ्याम्, मृदुभ्यः | 3. जानुनः, जानुभ्याम्, जानुभ्यः |
| 4. दारुणः, दारुभ्याम्, दारुभ्यः | 5. लघुनः, लघुभ्याम्, लघुभ्यः |
| 6. तालुनः, तालुभ्याम्, तालुभ्यः | 7. कटुनः, कटुभ्याम्, कटुभ्यः |

अभ्यासः - 77

1. अक्षि = अक्ष् + \boxtimes → अक्ष् + णः (नः) = अक्ष्णः
अक्षि + भ्याम् = अक्षिभ्याम्
अक्षि + भ्यः = अक्षिभ्यः
2. अस्थि = अस्थ् + \boxtimes → अस्थ् + नः = अस्थ्नः
अस्थि + भ्याम् = अस्थिभ्याम्
अस्थि + भ्यः = अस्थिभ्यः
3. सक्थि = सक्थ् + \boxtimes → सक्थ् + नः = संक्थ्नः
सक्थि + भ्याम् = अस्थिभ्याम्
सक्थि + भ्यः = सक्थिभ्यः

अभ्यासः - 78

- | | |
|--------------------------------------|--|
| 1. जामातुः, जामातृभ्याम्, जामातृभ्यः | 2. कर्तुः, कर्तृभ्याम्, कर्तृभ्यः |
| 3. दातुः, दातृभ्याम्, दातृभ्यः | 4. सवितुः, सवितृभ्याम्, सवितृभ्यः |
| 5. भर्तुः, भर्तृभ्याम्, भर्तृभ्यः | 6. श्रोतुः, श्रोतृभ्याम्, श्रोतृभ्यः |
| 7. नेतुः, नेतृभ्याम्, नेतृभ्यः | 8. वक्तुः, वक्तृभ्याम्, वक्तृभ्यः |
| 9. नप्तुः, नप्तृभ्याम्, नप्तृभ्यः | 10. मातुः, मातृभ्याम्, मातृभ्यः |
| 11. यातुः, यातृभ्याम्, यातृभ्यः | 12. दुहितुः, दुहितृभ्याम्, दुहितृभ्यः |
| 13. स्वसुः, स्वसृभ्याम्, स्वसृभ्यः | 14. ननान्दुः, ननान्दृभ्याम्, ननान्दृभ्यः |

अभ्यासः - 79

- | | |
|---------------------------------------|---|
| 2. मरुतः, मरुद्भ्याम्, मरुद्भ्यः | 3. धीमतः, धीमद्भ्याम्, धीमद्भ्यः |
| 4. बृहतः, बृहद्भ्याम्, बृहद्भ्यः | 6. करिणः, करिभ्याम्, करिभ्यः |
| 7. ब्रह्मणः, ब्रह्मभ्याम्, ब्रह्मभ्यः | 10. वणिजः, वणिग्भ्याम्, वणिग्भ्यः |
| 11. भिषजः, भिषग्भ्याम्, भिषग्भ्यः | 12. ऋत्विजः, ऋत्विग्भ्याम्, ऋत्विग्भ्यः |
| 14. धनुषः, धनुर्भ्याम्, धनुर्भ्यः | 15. चक्षुषः, चक्षुर्भ्याम्, चक्षुर्भ्यः |
| 16. वपुषः, वपुर्भ्याम्, वपुर्भ्यः | 18. पयसः, पयोभ्याम्, पयोभ्यः |
| 19. चेतसः, चेतोभ्याम्, चेतोभ्यः | 20. तपसः, तपोभ्याम्, तपोभ्यः |

अभ्यासः - 80

1. उदधेः	2. कपेः	3. अग्नेः	4. अरिभ्यः
5. गिरेः	6. रवेः	7. गिरेः	8. प्रजापतेः
9. पितुः	10. कविभ्यः	11. प्रजापतेः	12. गुरोः
13. भानोः	14. साधुभ्यः	15. शम्भोः	16. विधोः
17. मृत्योः	18. श्रोतृभ्यः	19. धातुः	20. भ्रातुः

अभ्यासः - 81

1. नीतेः	2. धूलेः	3. शक्तेः	4. शक्तेः
5. धेनोः	6. हनोः	7. भक्तेः	8. दुहितुः
9. मातुः	10. कटोः	11. दारुणः	12. लघुनः
13. प्रावृषः	14. चन्द्रमसः	15. धनुषः	16. भिषजः
17. सुहृदः	18. मघोनः	19. सरितः	20. नाम्नः

अभ्यासः - 82

1. उदधेः, जलम्	2. अग्नेः, शिखा	3. भानोः, किरणाः
4. वेणोः, ध्वनिः	5. दुहितुः, माता	6. स्मृतेः, श्रुतिः
7. शक्तेः, बुद्धिः	8. नृपतेः, चोरः	9. श्रोतुः, वक्ता
10. भूमेः, अङ्कुरः	11. वस्नेः, बालकः	12. सम्राजः, परिव्राजकः
13. उदधेः, अमृतम्	14. शुनः, अल्पनिद्रां	15. गच्छतः, धावकः
16. स्रजः, पुष्पाणि	17. मधुनः, माधुर्यं	18. मृत्योः, अमृतं
19. शम्भोः, शक्तिः		

अभ्यासः - 83

1. सरितः	2. कृशानोः	3. रवेः	4. दातुः
6. कपेः	7. भर्तुः	8. रिपोः	9. मन्त्रिणः
11. रिपोः	12. मरुतः	13. विपदः	

अभ्यासः - 84

1. (i) बालकः स्वपितुः गुरोः च सकाशात् समुद्रस्य विषये श्रुतवान् ।
 (ii) बालकः पाठ्यपुस्तकेभ्यः समुद्रस्य महत्त्वं ज्ञातवान् ।
 (iii) सः कौतूहलात् समुद्रदर्शनस्य इच्छां पित्रे निवेदितवान् ।
 (iv) पुर्याः अनतिदूरे कोणार्क-सूर्यमन्दिरम् अस्ति ।
 (v) ते उज्जयिन्याः पुरीं गतवन्तः ।
 (vi) जगन्नाथः हरेः अभिन्नः अस्ति ।
 (vii) ते सेवकेभ्यः मन्दिरस्य महत्त्वपूर्णाः सूचनाः प्राप्तवन्तः ।
 (viii) दूरात् समुद्रस्य गर्जनं श्रूयते स्म ।
 (ix) ते विपण्याः शुक्तिनिर्मितानि वस्तूनि क्रीतवन्तः ।
 (x) समुद्रतटे पतितेभ्यः मृत-मत्स्येभ्यः मृतकर्कटेभ्यः च दुर्गन्धः आगच्छति स्म ।
 (xi) समुद्रस्य वरिणः, वीचिभ्यः, गम्भीर-गर्जनध्वनेः च बालकस्य भीतिः अभवत् ।
 (xii) बालकः पित्रोः प्रेरणां प्राप्य समुद्रे स्नातवान् ।
 (xiii) ते चन्द्रभागानाम्नः समुद्रतटात् सूर्योदयस्य दर्शनं कृतवन्तः ।
 (xiv) ते कोणार्कमन्दिरस्य मूर्तिभ्यः बहुविधाः शिक्षाः प्राप्नुवन् ।
2. (i) अक्षिभ्याम् (ii) युवभ्यां (iii) द्रोण्याः (iv) गुरुभ्यः
 (v) स्वसुः (vi) दुर्वृत्तेः (vii) मूर्तिभ्यः (viii) कपिभ्यां
 (ix) इच्छाशक्तेः (x) पत्युः (xi) दुहितुः (xii) धीमद्भ्यां
 (xiii) मन्त्रिभ्यः (xiv) हनुमतः (xv) सरितः
3. (i) स्वसुः, स्वसृभ्याम्, स्वसृभ्यः (ii) मातुः, मातृभ्याम्, मातृभ्यः
 (iii) धेनोः, धेनुभ्याम्, धेनुभ्यः (iv) सरितः, सरिद्भ्याम्, सरिद्भ्यः
 (v) जगतः, जगद्भ्याम्, जगद्भ्यः (vi) श्रीमतः, श्रीमद्भ्याम्, श्रीमद्भ्यः
 (vii) महर्षेः, महर्षिभ्याम्, महर्षिभ्यः (viii) राज्ञः, राजभ्याम्, राजभ्यः
 (ix) धनुषः, धनुर्भ्याम्, धनुर्भ्यः (x) मनसः, मनोभ्याम्, मनोभ्यः
 (xi) शक्तेः, शक्तिभ्याम्, शक्तिभ्यः (xii) योगिनः, योगिभ्याम्, योगिभ्यः
 (xiii) वक्षसः, वक्षोभ्याम्, वक्षोभ्यः (xiv) कवेः, कविभ्याम्, कविभ्यः
 (xv) सुहृदः, सुहृद्भ्याम्, सुहृद्भ्यः

4. (ii) भूभृतः धनं प्राप्नोति ।
 (iv) धनुषः बाणः निस्सरति ।
 (vi) दातृभ्यः दानं स्वीकरोति ।
 (viii) लक्ष्म्याः वरं प्राप्नोति ।
 (x) वारिधेः शुक्तिं सङ्गृह्णाति ।

- (iii) दध्नः नवनीतं निष्कासयति ।
 (v) विपण्याः वस्त्रं आनयति ।
 (vii) तरोः पर्णं पतति ।
 (ix) जलमुचः जलबिन्दवः पतन्ति ।

5. I. (ख) शिरसः केशः पतति ।
 (घ) मुष्टेः शर्करा पतति ।

- (ग) गिरेः निर्झरिणी पतति ।
 (ङ) वपुषः स्वेदः पतति ।

- II. (क) नभसः धूमकेतुः निस्सरति ।
 (ग) दुन्दुभेः ध्वनिः निस्सरति ।

- (ख) चन्द्रमसः चन्द्रिका निस्सरति ।
 (घ) तालुनः अक्षरम् निस्सरति ।

अभ्यासः - 85

- | | |
|--------------------------------|-------------------------------------|
| 1. अग्नेः, अग्न्योः, अग्नीनाम् | 2. वायोः, वाय्वोः, वायूनाम् |
| 3. पितुः, पित्रोः, पितृणाम् | 4. गोः, गवोः, गवाम् |
| 5. लतायाः, लतयोः, लतानाम् | 6. मत्याः/मतेः, मत्योः, मतीनाम् |
| 7. गौर्याः, गौर्योः, गौरीणाम् | 8. धेन्वाः/धेनोः, धेन्वोः, धेनूनाम् |
| 9. वध्वाः, वध्वोः, वधूनाम् | 10. मातुः, मात्रोः, मातृणाम् |
| 11. दध्नः, दध्नोः, दध्नाम् | 12. अस्थ्नः, अस्थ्नोः, अस्थ्नाम् |

अभ्यासः - 86

- | | |
|---------------------------|------------------------------|
| 1. धीमतः, धीमतोः, धीमताम् | 2. आत्मनः, आत्मनोः, आत्मनाम् |
| 3. शरदः, शरदोः, शरदाम् | 4. आशिषः, आशिषोः, आशिषाम् |
| 5. मनसः, मनसोः, मनसाम् | 6. हविषः, हविषोः, हविषाम् |
| 7. वपुषः, वपुषोः, वपुषाम् | |

अभ्यासः - 87

- | | | |
|---------------------|---------------------|-----------------|
| 2. गुरूणां, छात्राः | 3. दातृणां, न्यूनता | 4. पितुः, वचनम् |
| 5. गवां, पयः | 6. मतेः, व्यायामः | 7. नदीनां, नीरं |

- | | | |
|-----------------------|--------------------|------------------------|
| 8. वधूनाम्, आगमनं | 9. मातुः, क्षीरम् | 10. सरिताम्, आधिक्यम् |
| 11. उपानहोः, मार्जनम् | 12. जगतः, नाशः | 13. राज्ञां, मन्त्रिणः |
| 14. अह्नः, भोजनं | 15. वपुषः, कान्तिः | |

अभ्यासः - 88

- | | | | |
|-------------|-----------------|----------------|--------------|
| 2. आच्छादनं | 3. प्रवेशं | 4. उपस्थापनं | 5. पिधानं |
| 6. अर्जनं | 7. प्रतिष्ठापनं | 8. अलङ्कारं | 9. परिहारं |
| 10. अनुसरणं | 11. उत्पत्तनं | 12. सम्मार्जनं | 13. मण्डनं |
| 14. आलोडनं | 15. सत्कारं | 16. उद्घाटनं | 17. निर्वहणं |
| 18. आह्वानं | 19. उपहासं | 20. परिशीलनं | |

अभ्यासः - 89

- | | | | |
|-------------|-----------------------|-------------------|--------------|
| 2. अतिथेः | 3. वस्तुप्रदर्शिन्याः | 4. धनस्य | 5. वस्त्रस्य |
| 6. मित्रस्य | 7. पत्रिकायाः | 8. श्लोकानां | 9. अतिथीनां |
| 10. कथायाः | 11. आत्मनः | 12. उत्तरपत्राणां | 13. चित्रस्य |
| 14. पाठस्य | 15. वस्त्राणां | 16. समस्यानां | 17. भवनस्य |

अभ्यासः - 90

- | | |
|---|------------------------------------|
| 1. गुरोः अनुकरणं करोति । | 2. ईश्वरस्य ध्यानं कुर्वन्ति । |
| 3. पाठस्य स्मरणं कुर्वन्ति । | 4. मूर्तेः दर्शनं कुर्वन्ति । |
| 5. चोराणां ताडनं करोति । | 6. पुत्रस्य लालनं करोति । |
| 7. तीर्थस्थानानां दर्शनं कुर्वन्ति । | 8. दुग्धस्य पानं करोति । |
| 9. शिशूनां हननं करोति । | 10. वस्त्राणां क्षालनं कुर्वन्ति । |
| 11. गृहस्य मार्जनं करोति । | 12. वनस्य गमनं करोति । |
| 13. वेदानां दर्शनम् अकुर्वन् । | 14. आज्ञायाः पालनम् अकरोत् । |
| 15. नगरस्य परिभ्रमणं कुर्वन्ति । | 16. विदेशस्य गमनम् अकरोत् । |
| 17. पाठस्य स्मरणं करोति । | 18. देवानां पूजनं करोति । |
| 19. क्रिकेट्-क्रीडायाः दर्शनं कुर्वन्ति । | |

अभ्यासः - 91

- | | | |
|-----------------------|----------------------|--------------------|
| 2. बालकस्य अनुकरणं | 3. वस्त्रस्य क्षालनं | 4. सर्वस्य परिचयं |
| 5. वनस्य गमनं | 6. दन्तानां मार्जनं | 7. उद्यानस्य सेचनं |
| 8. जलस्य पानं | 9. कन्यायाः वरणं | 10. रसस्य अनुभवं |
| 11. मार्गस्य अन्वेषणं | 12. मत्स्यस्य ग्रहणं | 13. गीतायाः पठनं |
| 14. हरेः भजनं | 15. भगिन्याः उपहासं | |

अभ्यासः - 92

1. (i) शकुन्तला अप्सरसः मेनकायाः पुत्री आसीत् ।
- (ii) तस्याः (शकुन्तलायाः) पितुः नाम विश्वामित्रः आसीत् ।
- (iii) शकुन्तला कण्वमुनेः आश्रमे वसति स्म ।
- (iv) शकुन्तलायाः विवाहस्य कृते कण्वस्य चिन्ता अभवत् ।
- (v) सः दुहितुः शकुन्तलायाः विघ्नविनाशाय सोमतीर्थं गतवान् ।
- (vi) कण्वस्य आश्रमे दुष्यन्तस्य प्रवेशः अभवत् ।
- (vii) शकुन्तलाया सह नृपतेः दुष्यन्तस्य साक्षात्कारः अभवत् ।
- (viii) शकुन्तला दुर्वाससः आह्वानं न श्रुतवती ।
- (ix) कण्वः शकुन्तलां चक्रवर्तिनः दुष्यन्तस्य राजभवनं प्रेषितवान् ।
- (x) मुद्रिका नद्याः जले अपतत् ।
- (xi) शकुन्तला मेनकायाः साहाय्येन महामुनेः मारीचस्य आश्रमं प्राप्तवती ।
- (xii) दुष्यन्तः देवासुरयोः सङ्ग्रामे मघवतः साहाय्यार्थम् इन्द्रलोकं गतवान् ।
- (xiii) ततः प्रत्यागमनकाले शिशोः भरतस्य साक्षात्कारः अभवत् ।
- (xiv) भरतः उद्दाम्नः कस्यचित् सिंहशावकस्य दन्तान् गणयति स्म ।
- (xv) भरतस्य मातुः शकुन्तलायाः प्रत्यभिज्ञानात् परं दुष्यन्तः क्षमां याचितवान् ।

- | | | | |
|----------------|-------------------|---------------|--------------|
| 2. (i) दशरथस्य | (ii) भारतस्य | (iii) विदुषां | (iv) वणिजः |
| (v) शुनां | (vi) यूनों | (vii) पयसः | (viii) वपुषः |
| (ix) वायोः | (x) पितॄणां | (xi) अस्थ्नां | (xii) गुरोः |
| (xiii) मघोनः | (xiv) कादम्बर्याः | (xv) दध्नः | |

3. (i) भगिन्याः, भगिन्योः, भगिनीनाम्
 (iii) भर्तुः, भर्त्रोः, भर्तृणाम्
 (v) राष्ट्रपतेः, राष्ट्रपत्योः, राष्ट्रपतीनाम्
 (vii) सुहृदः, सुहृदोः, सुहृदाम्
 (ix) जगतः, जगतोः, जगताम्
 (xi) पितुः, पित्रोः, पितृणाम्
 (xiii) धेन्वाः/धेनोः, धेन्वोः, धेनूनाम्
- (ii) गीतायाः, गीतयोः, गीतानाम्
 (iv) आत्मनः, आत्मनोः, आत्मनाम्
 (vi) मरुतः, मरुतोः, मरुताम्
 (viii) क्षुधः, क्षुधोः, क्षुधाम्
 (x) हविषः, हविषोः, हविषाम्
 (xii) वध्वाः, वध्वोः, वधूनाम्
 (xiv) स्वस्रुः, स्वस्रोः, स्वसृणाम्
4. (i) भवभूतेः (ii) शक्तेः (iii) सूच्याः (iv) विष्णोः
 (v) धेनोः (vi) अश्रूणां (vii) श्मश्रुणः (viii) जामातुः
 (ix) दुहितुः (x) अभिनेतुः (xi) संन्यासिनां (xii) पूर्वजन्मनः
 (xiii) यशसः
5. (ii) पितुः सेवां करोतु । (iii) स्वस्रुः साहाय्यं कुरुत ।
 (iv) हिमाद्रेः हिमालयः इति नामान्तरम् । (v) ब्रह्मणः चत्वारि मुखानि सन्ति ।
 (vi) दम्पत्योः परस्परं दृढः स्नेहः अस्ति । (vii) चन्द्रमसः षोडशकलाः सन्ति ।
 (viii) धनुषः प्रत्यञ्चा आन्त्रनिर्मिता अस्ति । (ix) हनुमतः रामभक्तिः प्रसिद्धा अस्ति ।
 (x) त्रिशूलिनः हस्ते त्रिशूलम् अस्ति ।

अभ्यासः - 93

- मुने, सम्बोधनम्-एक., मुनौ, एक.
- कवये, चतुर्थी-एक., कवौ, एक.
- शिशून्, द्वितीया-बहु., शिश्वोः, द्वि.
- भ्रात्रे, चतुर्थी-एक., भ्रातरि, एक.
- मतिभ्यः, चतुर्थी/पञ्चमी-बहु., मतिषु, बहु.
- श्रुतेः, पञ्चमी-षष्ठी-एक., श्रुतिषु, बहु.
- हन्वा, तृतीया-एक., हन्वाम्/हनौ, एक.
- भ्रुवा, तृतीया-एक., भ्रुवि, एक.
- श्वश्रूः, प्रथमा-एक., श्वश्र्वाम्, एक.
- स्त्रियः, प्रथमा-बहु./पञ्चमी/षष्ठी-एक., स्त्रियाम्, एक.
- मात्रे, चतुर्थी-एक., मातरि, एक.
- स्वसृणाम्, षष्ठी-बहु., स्वसृषु, बहु.
- श्रियम्, द्वितीया-एक., श्रीषु, बहु.
- ‘लक्ष्म्याः, लक्ष्म्योः, लक्ष्मीम्’ इति प्रश्नः । परम् अत्र प्रथमं ‘लक्ष्म्याः’ इति स्थाने ‘लक्ष्म्याम्’ इति भवेत् ।
- उ. लक्ष्मीम्, द्वितीया-एक., लक्ष्मीषु, बहु.
- वारिणः, पञ्चमी/षष्ठी-एक., वारिणि, एक.

- | | |
|---|--|
| 16. मधुभ्याम्, तृतीया/पञ्चमी-द्वि., मधुनोः, द्वि. | 17. जानुना, तृतीया-एक., जानुनोः, द्वि. |
| 18. अश्रूणा, तृतीया-एक., अश्रुषु, बहु. | 19. अस्थ्ना, तृतीया-एक., अस्थनि/अस्थिन्, एक. |

अभ्यासः - 94

- | | | | |
|-----------|------------------|-----------------|--------------|
| 1. मरुति | 2. धीमति | 3. राज्ञि/राजनि | 4. मन्त्रिणि |
| 5. महति | 6. आत्मनि | 7. गुणिनि | 8. दिशि |
| 9. दृशि | 10. आशिषि | 11. सरिति | 12. क्षुधि |
| 13. वपुषि | 14. नाम्नि/नामनि | 15. बृहति | 16. मनसि |

अभ्यासः - 95

- | | | | |
|------------|----------------|-------------|---------------|
| 1. स्रजोः | 2. त्वचोः | 3. आपदोः | 4. विपदोः |
| 5. सम्पदोः | 6. शरदोः | 7. संसदोः | 8. मरुतोः |
| 9. धीमतोः | 11. मन्त्रिणोः | 12. पथोः | 13. ब्रह्मणोः |
| 14. सरितोः | 15. नाम्नोः | 16. क्षुधोः | 17. वपुषोः |
| 18. बृहतोः | 19. मनसोः | | |

अभ्यासः - 96

- | | | | |
|------------------|--------------------|-------------|--------------|
| 1. राजसु | 2. मन्त्रिषु | 3. वाक्षु | 4. स्रक्षु |
| 5. मरुत्सु | 6. धीमत्सु | 7. सम्पत्सु | 8. त्वक्षु |
| 9. आपत्सु | 10. शरत्सु | 11. पथिषु | 12. क्षुत्सु |
| 13. मनस्सु/मनःसु | 14. धनुष्षु/धनुःषु | 15. महत्सु | 16. दण्डिषु |

अभ्यासः - 97

- | | |
|--------------------------------|-----------------------------|
| 1. मातरि प्रीतिः अस्ति । | 2. बालके वात्सल्यम् अस्ति । |
| 3. कार्यकर्तृषु आदरः अस्ति । | 4. भ्रातरि स्नेहः अस्ति । |
| 5. दरिद्रेषु कारुण्यम् अस्ति । | 6. पितरि श्रद्धा अस्ति । |
| 7. राजनि मैत्री अस्ति । | 8. मन्त्रिषु परिचयः अस्ति । |

- | | |
|-----------------------------|-------------------------------------|
| 9. वाचि स्पष्टता अस्ति । | 10. वैरिषु द्वेषः अस्ति । |
| 11. गुणिषु आदरः अस्ति । | 12. धेनुषु पूज्यभावः अस्ति । |
| 13. जानुनोः दृढता अस्ति । | 14. मूर्त्या/मूर्तौ श्रद्धा अस्ति । |
| 15. कार्येषु चतुरता अस्ति । | |

अभ्यासः - 98

- | | | | |
|----------------------|---------------------|--------------|---------------|
| 2. कविषु | 3. विज्ञानक्षेत्रे | 4. छात्रेषु | 5. गोषु |
| 6. नदीषु | 7. पर्वतेषु | 8. सखीषु | 9. स्त्रीषु |
| 10. विद्याक्षेत्रेषु | 11. न्यायशास्त्रे | 12. साहित्ये | 13. काव्येषु |
| 14. पक्षिषु | 15. पक्षिषु | 16. मुनिषु | 17. ग्रन्थेषु |
| 18. काव्येषु | 19. तीर्थक्षेत्रेषु | 20. वृक्षेषु | |

अभ्यासः - 99

1. (i) नदीनां तटवर्तिषु प्रदेशेषु बहवः आश्रमाः सन्ति ।
- (ii) भारद्वाजस्य आश्रमः प्रयागे वर्तते ।
- (iii) वनवासमये श्रीरामः बहुषु आश्रमेषु अतिथिः अभवत् ।
- (iv) वैदिक-साहित्ये, उपनिषत्सु, पुराणेषु, काव्येषु, महाकाव्येषु रूपकेषु च आश्रमाणाम् उल्लेखः प्राप्यते ।
- (v) मुनयः आश्रमेषु तपः आचरन्ति ।
- (vi) सर्वे मुनिषु श्रद्धाभावं धारयन्ति ।
- (vii) आश्रम-तरुषु पक्षिणः निवसन्ति ।
- (viii) आश्रमवासिनः पक्षिषु, जन्तुषु, गोषु च स्निह्यन्ति ।
- (ix) अन्तेवासिनः यज्ञकर्मसु भागं गृह्णन्ति ।
- (x) अध्येतृषु गुरुपत्नीनां वात्सल्यं वर्तते ।
- (xi) ऋषीणां भगवत्प्रीतिः कायेषु, वाक्षु, मनःसु विराजते ।
- (xii) सर्वे सद्गुणाः मुनिषु भवन्ति ।
- (xiii) ऋषयः प्राणिषु सद्भावनां राष्ट्रेषु शान्तिं राजसु च धर्मवृद्धिम् इच्छन्ति ।

(xiv) आश्रमेषु प्रचलितेषु कर्मसु जनकल्याणं निहितं भवति ।

(xv) आश्रमवासिनां न केवलमध्ययने अपितु बोधे, आचरणे, प्रचारणे च सर्वे भवन्तु सुखिनः इति विश्वबन्धुत्वपूर्णः विचारः प्रतिष्ठितः भवति ।

2. (i) गिरौ	(ii) स्वामिनि	(iii) पुर्याम्	(iv) तिरुपतौ
(v) संसदि	(vi) जानुनोः	(vii) गुरुषु	(viii) जन्तुषु
(ix) सज्जनेषु	(x) कर्मसु	(xi) अध्येतृषु	(xii) कविषु
(xiii) मन्त्रिषु	(xiv) मनःसु	(xv) सरिति	

3. (i) आत्मनि, आत्मनोः, आत्मसु	(ii) गुरौ, गुर्वोः, गुरुषु
(iii) गन्तरि, गन्त्रोः, गन्तृषु	(iv) मातरि, मात्रोः, मातृषु
(v) स्वसरि, स्वस्रोः, स्वसृषु	(vi) अस्थनि/अस्थिन्, अस्थोः, अस्थिषु
(vii) जानुनि, जानुनोः, जानुषु	(viii) मनसि, मनसोः, मनःसु
(ix) जगति, जगतोः, जगत्सु	(x) कृत्याम्/कृतौ, कृत्योः, कृतिषु
(xi) धेन्वाम्/धेनौ, धेन्वोः, धेनुषु	(xii) पक्षिणि, पक्षिणोः, पक्षिषु
(xiii) नामनि/नाम्नि, नाम्नोः, नामसु	(xiv) राजनि/राज्ञि, राज्ञोः, राजसु

4. (ii) जानुनि वेदना ।	(iii) शिशौ प्रीतिः ।	(iv) चर्मणि कण्डूतिः ।
(v) पङ्क्त्याम् अशुद्धिः ।	(vi) प्रेयसि प्रेम ।	(vii) पयसि माधुर्यम् ।
(viii) संन्यासिनि निःस्पृहता ।	(ix) दुर्वाससि कोपः ।	(x) सुहृदि विश्वासः ।

5. प्रातिपदिकम्	प्रथमान्तम्	सप्तम्यन्तम्
(ii) तालु*	(ii) सुहृत्	(ii) अवधौ
(iii) कपि	(iii) वपुः	(iii) जगति
(ii) राशि	(iv) शङ्खी	(iv) छन्दसि
(v) वाच्	(v) आयुः	(v) मन्त्रिणि
(vi) धनिन्	(vi) जलमुक्	(vi) हृदि
(vii) कर्मन्	(vii) श्रीः	(vii) नीत्याम्
(viii) धनुष्	(viii) सारथिः	(viii) दिशि

(ix) अन्नदातृ

(ix) सम्पातिः

(ix) जन्मनि

(x) तत्त्वविद्

(x) महान्

(x) भ्रातरि

* प्रथमायाः द्वितीयायाः च एकवचने अपि 'तालु' इति भवति ।

अभ्यासः - 100

- | | |
|--|---|
| 2. कपे, कपी, कपयः | 3. हरे, हरी, हरयः |
| 4. श्रीनिधे, श्रीनिधी, श्रीनिधयः | 5. ऋषे, ऋषी, ऋषयः |
| 6. रवे, रवी, रवयः | 7. मते, मती, मतयः |
| 9. विष्णो, विष्णू, विष्णवः | 10. गुरो, गुरू, गुरवः |
| 11. शम्भो, शम्भू, शम्भवः | 12. धेनो, धेनू, धेनवः |
| 13. बन्धो, बन्धू, बन्धवः | 14. शिशो, शिशू, शिशवः |
| 16. भ्रातः, भ्रातरौ, भ्रातरः | 17. नेतः, नेतारौ, नेतारः |
| 19. मातः, मातरौ, मातरः | 21. आत्मन्, आत्मानौ, आत्मानः |
| 22. गुणिन्, गुणिनौ, गुणिनः | 23. मन्त्रिन्, मन्त्रिणौ, मन्त्रिणः |
| 24. विज्ञानिन्, विज्ञानिनौ, विज्ञानिनः | 25. न्यायवादिन्, न्यायवादिनौ, न्यायवादिनः |
| 26. अधिकारिन्, अधिकारिणौ, अधिकारिणः | |

अभ्यासः - 101

- | | | | |
|--------------------|--------------|-------------|----------------|
| 1. मूर्ते | 2. चित्रभानो | 3. छात्राः | 4. मातरः |
| 5. भ्रातरौ | 6. राजन् | 7. सुभानू | 8. भारतमातः |
| 9. जगद्गुरो | 10. वैरिन् | 11. सेनापते | 12. शिशवः |
| 13. मुख्यमन्त्रिन् | 14. राजानः | 15. करिन् | 16. अधिकारिणि |
| 17. योगिनौ | 18. भगवन् | 19. धीमन्तः | 20. शक्तिमन्तौ |

अभ्यासः - 102

- | | | | |
|------------|---------|-----------|---------------|
| 1. रवे | 2. मातः | 3. भ्रातः | 4. शम्भो |
| 5. सरस्वति | 6. गुरो | 7. ऋषे | 8. विज्ञानिन् |

9. शिशो	10. मन्त्रिन्	11. वैरिन्	12. सुहृत्
13. मातः	14. भगवन्	15. मनो	16. पितः
17. बन्धो	18. सेनापते	19. साधो	20. राजन्

अभ्यासः - 103

2. मूर्ते	3. चित्रभानो	4. राजन्	5. भारतमातः
6. जगद्गुरो	7. वैरिन्	8. सेनापते	9. मुख्यमन्त्रिन्
10. करिन्	11. भगवन्	12. विद्वन्	

अभ्यासः - 104

1. रवि	2. मातृ	3. भ्रातृ	4. शम्भु
5. सरस्वती	6. गुरु	7. ऋषि	8. विज्ञानिन्
9. शिशु	10. मन्त्रिन्	11. वैरिन्	12. सुहृद्
13. हरि	14. भगवत्	15. मनु	16. पितृ
17. बन्धु	18. सेनापति	19. साधु	20. राजन्

अभ्यासः - 105

1. (i) गुरो, गुरू, गुरवः	(ii) मातः, मातरौ, मातरः		
(iii) पितः, पितरौ, पितरः	(iv) यशस्विन्, यशस्विनौ, यशस्विनः		
(v) गौरि, गौर्यौ, गौर्यः	(vi) श्रीपते, श्रीपती, श्रीपतयः		
(vii) शम्भो, शम्भू, शम्भवः	(viii) भगवन्, भगवन्तौ, भगवन्तः		
(ix) तेजस्विन्, तेजस्विनौ, तेजस्विनः	(x) कावेरि, कावेर्यौ, कावेर्यः		
(xi) सुहृत्, सुहृदौ, सुहृदः	(xii) अम्ब, अम्बे, अम्बाः		
(xiii) दातः, दातारौ, दातारः	(xiv) शास्त्रिन्, शास्त्रिणौ, शास्त्रिणः		
2. (ii) हरि	(iii) स्वामिन्	(iv) भगवत्	(v) राधा
(vi) भगिनी	(vii) भ्रातृ	(viii) पितृ	(ix) अन्नदातृ
(x) महर्षि	(xi) मित्र	(xii) सखी	(xiii) शिशु
(xiv) मान्या	(xv) श्रीमत्		



तृतीयः स्तवकः

अभ्यासः - 106

1. सः	2. तं	3. तेन	4. तस्मै
5. तस्मात्	6. तस्य	7. तस्मिन्	8. तौ
9. तौ	10. ताभ्यां	11. ताभ्यां	12. ताभ्यां
13. तयोः	14. तयोः	15. ते	16. तान्
17. तैः	18. तेभ्यः	19. तेभ्यः	20. तेषां
21. तेषु			

अभ्यासः - 107

(क) प्र. - एतौ, एते	द्विती. - एतौ, एतान्	तृ. - एताभ्याम्, एतैः
च. - एताभ्याम्, एतेभ्यः	प. - एताभ्याम्, एतेभ्यः	ष. - एतयोः, एतेषाम्
स. - एतयोः, एतेषु		
(ख) प्र. - सः, तौ	द्विती. - तम्, तौ	तृ. - तेन, ताभ्याम्
च. - तस्मै, ताभ्याम्	प. - तस्मात्, ताभ्याम्	ष. - तस्य, तयोः
स. - तस्मिन्, तयोः		

अभ्यासः - 108

1. कः	2. कौ	3. कस्य	4. कान्
5. कस्मात्	6. कस्मिन्	7. केषु	8. कैः
9. केभ्यः	10. कयोः		

अभ्यासः - 109

प्र. - कः, के	द्विती. - कम्, कान्	तृ. - केन, कैः	च. - कस्मै, केभ्यः
प. - कस्मात्, केभ्यः	ष. - कस्य, केषाम्	स. - कस्मिन्, केषु	

अभ्यासः - 110

- | | | | |
|------------|------------|------------|----------------|
| 1. अयं | 2. इमं/एनं | 3. एभिः | 4. अस्मै |
| 5. अस्मात् | 6. अस्य | 7. अस्मिन् | 8. अनयोः/एनयोः |
| 9. एषां | 10. एषु | | |

अभ्यासः - 111

- प्र. - इमौ, इमे द्विती. - इमौ, इमान् तृ. - आभ्याम्, एभिः च. - आभ्याम्, एभ्यः
प. - आभ्याम्, एभ्यः ष. - अनयोः, एषाम् स. - अनयोः, एषु

अभ्यासः - 112

- | | | | |
|--------------|-------------|-------------|---------------|
| 1. अन्यः | 2. अन्यान् | 3. अन्येन | 4. अन्याभ्यां |
| 5. अन्येभ्यः | 6. अन्यस्य | 7. अन्येषां | 8. अन्यस्मिन् |
| 9. अन्ययोः | 10. अन्येषु | | |

अभ्यासः - 113

- प्र. - अन्यौ, द्विती. - अन्यम्, अन्यान् तृ. - अन्याभ्याम् च. - अन्यस्मै, अन्येभ्यः
प. - अन्याभ्याम् ष. - अन्यस्य, अन्येषाम् स. - अन्ययोः

अभ्यासः - 114

- | | | | |
|-------------|-------------|-------------|-----------|
| 2. ताम् | 3. तया | 4. तस्यै | 5. तस्याः |
| 6. तस्याः | 7. तस्यां | 8. ते | 9. ते |
| 10. ताभ्यां | 11. ताभ्यां | 12. ताभ्यां | 13. तयोः |
| 14. तयोः | 15. ताः | 16. ताः | 17. ताभिः |
| 18. ताभ्यः | 19. ताभ्यः | 20. तासां | 21. तासु |

अभ्यासः - 115

- (क) प्र. - एषा, एताः द्विती. - एताम्, एताः तृ. - एतया, एताभिः

च. - एतस्यै, एताभ्यः	प. - एतस्याः, एताभ्यः	ष. - एतस्याः, एतासाम्
स. - एतस्याम्, एतासु		
(ख) प्र. - सा, ते	द्विती. - ताम्, ते	तृ. - तया, ताभ्याम्
च. - तस्यै, ताभ्याम्	प. - तस्याः, ताभ्याम्	ष. - तस्याः, तयोः
स. - तस्याम्, तयोः		

अभ्यासः - 116

- | | | | |
|-----------|-----------------------|-----------|-----------|
| 1. काम् | 2. कया | 3. कस्यै | 4. कस्याः |
| 5. कस्याः | 6. कस्याः/कयोः/कासाम् | 7. कस्यां | 8. कां |
| 9. कया | | | |

अभ्यासः - 117

- | | | | |
|-----------|----------|-----------|-----------|
| 1. काः | 2. काभिः | 3. काभ्यः | 4. काभ्यः |
| 5. कासाम् | 6. कासु | 7. काभ्यः | 8. काः |
| 9. कासां | | | |

अभ्यासः - 118

- | | | | |
|-----------------------|-------------------|-----------------------|----------------------|
| प्र. - के, काः | द्वि. - के, काः | तृ. - काभ्याम्, काभिः | च. - काभ्याम् काभ्यः |
| प. - काभ्याम्, काभ्यः | ष. - कयोः, कासाम् | स. - कयोः, कासु | |

अभ्यास - 119

- | | | | |
|-----------|--------------|--------------|-----------|
| 1. इयं | 2. इमाः/एनाः | 3. अनया/एनया | 4. आभ्यः |
| 5. अस्याः | 6. आभ्यः | 7. अनयोः | 8. अस्यां |
| 9. अनयोः | 10. आसु | | |

अभ्यासः - 120

- | | | | |
|-----------------------|----------------------|----------------------|---------------------|
| प्र. - इयम्, इमे | द्विती. - इमाम्, इमे | तृ. - अनया, आभ्याम् | च. - अस्यै, आभ्याम् |
| पं. - अस्याः, आभ्याम् | ष. - अस्याः, अनयोः | स. - अस्याम्, आभ्योः | |

अभ्यासः - 121

- | | | | |
|--------------|--------------|--------------|-------------|
| 1. सर्वाः | 2. सर्वाभिः | 3. सर्वया | 4. सर्वस्यै |
| 5. सर्वाभ्यः | 6. सर्वाभ्यः | 7. सर्वासां | 8. सर्वासु |
| 9. सर्वाभ्यः | 10. सर्वाभिः | 11. सर्वासां | 12. सर्वासु |
| 13. सर्वाः | 14. सर्वाभिः | 15. सर्वासु | |

अभ्यासः - 122

- प्र. - सर्वे, सर्वाः द्विती.- सर्वाम्, सर्वे तृ. - सर्वाभिः च. - सर्वस्यै, सर्वाभ्याम्
प. - सर्वाभ्याम्, सर्वाभ्यः ष. - सर्वस्याः, सर्वयोः स. - सर्वस्याम्, सर्वासु

अभ्यासः - 123

- | | | | |
|-------------|----------|-------------|-----------|
| 1. एतद् | 2. एतद् | 3. एतेन | 4. एतस्मै |
| 5. एतस्मात् | 6. एतस्य | 7. एतस्मिन् | |

अभ्यासः - 124

- प्र. - के द्विती. - किम् तृ. - कैः च. - कस्मै
प. - काभ्याम् ष. - कस्य स. - केषु

अभ्यासः - 125

- | | | | |
|----------------|----------|-------------|-----------|
| 1. इदं | 2. इमानि | 3. इमानि | 4. इमे |
| 5. अस्मिन्/इमे | 6. एषु | 7. इमे | 8. इदं |
| 9. इदं | 10. एषां | 11. इमानि | 12. अनयोः |
| 13. अस्य | 14. इमे | 15. अस्मात् | 16. एषु |
| 17. अस्मात् | 18. अनेन | | |

अभ्यासः - 126

- | | | | |
|---------|---------|------------|----------------|
| 1. इमौ | 2. इमे | 3. इमौ/एनौ | 4. इमान्/एनान् |
| 5. अनेन | 6. आभिः | 7. अस्याः | 8. अस्यां |

- | | | | |
|-----------|-----------|----------|------------|
| 9. अनयोः | 10. आसु | 11. अस्य | 12. आभ्यां |
| 13. अस्मै | 14. एभ्यः | 15. आसां | 16. एषां |
| 17. एभ्यः | 18. एषां | 19. आसु | |

अभ्यासः - 127

- | | | | |
|-----------|------------|-----------|-----------|
| 1. भवान् | 2. भवन्तौ | 3. भवन्तः | 4. भवान् |
| 5. भवता | 6. भवतः | 7. भवतोः | 8. भवत्सु |
| 9. भवत्सु | 10. भवत्सु | | |

अभ्यासः - 128

- | | | |
|---------------------------|---------------------------|---------------------------|
| प्र. - भवन्तौ, भवन्तः | द्विती. - भवन्तौ, भवतः | तृ. - भवद्भ्याम्, भवद्भिः |
| च. - भवद्भ्याम्, भवद्भ्यः | प. - भवद्भ्याम्, भवद्भ्यः | ष. - भवतोः, भवताम् |
| स. - भवतोः, भवत्सु | | |

अभ्यासः - 129

- | | | | |
|-------------|-------------|------------|-------------|
| 1. भवती | 2. भवत्यौ | 3. भवत्यः | 4. भवत्योः |
| 5. भवतीभ्यः | 6. भवती | 7. भवत्याः | 8. भवतीनाम् |
| 9. भवत्योः | 10. भवतीनां | | |

अभ्यासः - 130

- | | | |
|-----------------------|-------------------------|------------------------|
| प्र. - भवती, भवत्यः | द्विती. - भवतीम्, भवतीः | तृ. - भवत्या, भवतीभिः |
| च. - भवत्यै, भवतीभ्यः | प. - भवत्याः, भवतीभ्यः | ष. - भवत्याः, भवतीनाम् |
| स. - भवत्याम्, भवतीषु | | |

अभ्यासः - 131

- | | | | |
|--------|--------|----------|------------|
| 1. अहं | 2. मां | 3. मया | 4. मह्यम् |
| 5. मत् | 6. मम | 7. आवयोः | 8. अस्मासु |

अभ्यासः - 132

प्र. - आवाम्, वयम्	द्विती. - आवाम्/नौ, अस्मान्/नः
तृ. - आवाभ्याम्, अस्माभिः	च. - आवाभ्याम्/नौ, अस्मभ्यम्/नः
प. - आवाभ्याम्, अस्मत्	ष. - आवायोः/नौ, अस्माकम्/नः
स. - आवायोः, अस्मासु	

अभ्यासः - 133

1. युष्मान्	2. युवां	3. तव	4. युवाभ्यां
5. युष्मत्	6. युवयोः	7. त्वयि	8. युवाभ्यां
9. युष्मासु	10. युष्मान्	11. तुभ्यं	12. त्वत्/तव
13. युवयोः	14. युष्माकं	15. युष्माभिः	16. युवां
17. त्वं	18. त्वां	19. युष्मासु	

अभ्यासः - 134

प्र. - त्वम्, यूयम्	द्विती. - त्वाम्/त्वा, युष्मान्/वः	तृ. - त्वया, युष्माभिः
च. - तुभ्यम्/ते, युष्मभ्यम्/वः	प. - त्वत्, युष्मत्	ष. - तव/ते, युष्माकम्/वः
स. - त्वयि, युष्मासु		

अभ्यासः - 135

1. सर्वे	2. सर्वान्	3. सर्वैः	4. सर्वैः
5. सर्वस्मै	6. सर्वेभ्यः	7. सर्वस्मात्	8. सर्वेभ्यः
9. सर्वेषां	10. सर्वेषु		

अभ्यासः - 136

प्र. - सर्वः, सर्वे	द्विती. - सर्वम्, सर्वान्	तृ. - सर्वेण, सर्वैः	च. - सर्वस्मै, सर्वेभ्यः
प. - सर्वस्मात्, सर्वेभ्यः	ष. - सर्वस्य, सर्वेषाम्	स. - सर्वस्मिन्, सर्वेषु	

अभ्यासः - 137

1. अन्ये	2. अन्यानि	3. अन्ये	4. अन्यानि
5. अन्येन	6. अन्येभ्यः	7. अन्येभ्यः	8. अन्ययोः
9. अन्येषु	10. अन्यानि	11. अन्यत्	12. अन्यत्
13. अन्यानि	14. अन्ये		

अभ्यासः - 138

1. (i) तौ, ते	(ii) अनयोः, एषाम्	(iii) तयोः, तासाम्
(iv) तौ, तान्	(v) सर्वम्, सर्वौ	(vi) तस्मै, ताभ्याम्
(vii) सर्वस्मै/सर्वस्मात्, सर्वाभ्याम्	(viii) तयोः, तेषाम्	(ix) आवाम्, वयम्
(x) अन्यः, अन्यौ	(xi) ते, तानि	(xii) इमे, इमानि
(xiii) आवयोः, अस्माकम्	(xiv) आभ्याम्, एभिः	(xv) युवयोः, युष्माकम्
(xvi) यः, यौ	(xvii) तेन, ताभ्याम्	(xviii) अनयोः, एषु
(xix) ते, ताः	(xx) के, कानि	(xxi) अमू, अमून्
(xxii) अन्ये, अन्याः	(xxiii) युवाम्, यूयम्	(xxiv) तस्य, तेषाम् / तस्मिन्, तेषु

2. (i) इदम्	(ii) तद्	(iii) सर्व	(iv) अस्मद्
(v) युष्मद्	(vi) अन्य	(vii) अदस्	(viii) किम्
(ix) यद्	(x) इदम्		

3. (ii) इदम्	पुं./नपुं.	षष्ठी	एक.
(iii) तद्	स्त्री.	सप्तमी	एक.
(iv) तद्	पुं.	द्वितीया	एक.
(v) सर्व	पुं.	द्वितीया	बहु.
(vi) तद्	पुं./नपुं.	चतुर्थी/पञ्चमी	बहु.
(vii) सर्व	पुं./नपुं.	चतुर्थी/पञ्चमी	बहु.
(viii) अस्मद्	पुं./नपुं./स्त्री.	प्रथमा	एक.

(ix)	युष्मद्	पुं./नपुं./स्त्री.	प्रथमा	एक.
(x)	तद्	नपुं.	प्रथमा/द्वितीया	एक.
(xi)	अन्य	पुं	प्रथमा	बहु.
(xii)	भवत्	पुं.	द्वितीया	बहु.
			षष्ठी/पञ्चमी	एक.
(xiii)	इदम्	नपुं.	प्रथमा/द्वितीया	एक.
(xiv)	युष्मद्	स्त्री./पुं./नपुं.	द्वितीया	एक.
(xv)	इदम्	पुं./नपुं.	सप्तमी	एक.
(xvi)	अन्य	पुं.	प्रथमा	बहु.
(xvii)	अस्मद्	पुं./नपुं./स्त्री.	षष्ठी	बहु.
(xviii)	अदस्	पुं.	द्वितीया	एक.
(xix)	अस्मद्	पुं./स्त्री./नपुं.	षष्ठी/सप्तमी	द्वि.
(xx)	तद्	पुं./नपुं.	तृतीया	बहु.
(xxi)	सर्व	स्त्री.	सप्तमी	बहु.
4.	(i) सर्वे	(ii) एते	(iii) ते	(iv) अन्ये
	(v) के	(vi) इमे	(vii) वयम्	(viii) यूयम्
	(ix) भवन्तः	(x) भवत्यः		
5.	(i) भवती	(ii) सर्वा	(iii) का	(iv) इयम्
	(v) एषा	(vi) सा	(vii) अन्या	

अभ्यासः - 139

- कंसः उग्रसेनस्य पुत्रः आसीत् ।
 - देवक्याः भ्राता कंसः आसीत् ।
 - कंसः वसुदेवं देवकीं च कारागारे न्यक्षिपत् ।
 - कृष्णस्य जन्म कारागारे नक्तम् एव च अभवत् ।
 - वसुदेवः नन्दस्य पुत्रीम् आदाय मथुरां प्रत्यागच्छत् ।
- आकाशवाणी कंसम् अवदत् ।
 - नन्दस्य पुत्री कंसम् अवदत् ।

3. (ii) यदा (iii) तदा (iv) सर्वदा (v) अन्यत्र

4. इदम्, एतस्य, मदीयः

5. (i) (ङ) (ii) (घ) (iii) (क) (iv) (ख)
(v) (ग)

6. (ii) अत्रत्यम् (iii) यत्रत्यम् (iv) तत्रत्यम्

7. (i) सर्वासु च विभक्तिषु । वचनेषु च सर्वेषु ॥

8. (ii) (x) (iii) (✓) (iv) (x) (v) (x)
(vi) (✓)

	सामान्याव्ययानि	क्त्वान्त/ल्यबन्ताव्ययानि	तुमुन्नन्ताव्ययानि
9. (i)	झटिति	आदाय	रोदितुम्
(ii)	स्वयम्	निधाय	भवितुम्
(iii)	नक्तम्	श्रुत्वा	स्थापायितुम्
(iv)	उच्चैः	स्थापयित्वा
(v)	त्वरितम्	

10. (i) अतिकथनेन अलम् (ii) दूरगमनेन अलम् (iii) परिवेषणेन अलम्
(iv) इतोऽप्यधिकलेखनेन अलम् (v) विस्तरेण अलम्

अभ्यासः - 140

1. (i) भूतानि (ii) कुर्वीत (iii) प्राणदा कृषिः
(iv) लक्ष्मीः तदर्धं कृषिकर्मणि (v) पुत्रोऽहं पृथिव्याः (vi) रयीणाम्
2. (ii) माता -स्त्री. (iii) शिशुः -पुं. (iv) दाता -पुं. (v) हरि -पुं. (vi) वारि-नपुं.
(vii) नारी -स्त्री. (viii) स्वसृ -स्त्री. (ix) मतिः -स्त्री. (x) जानु -नपुं.
3. (i) कवि (ii) दधि (iii) राजन् (iv) सरित् (v) धनुष
(vi) शिशु (vii) मातृ (viii) वर्मन् (ix) पयस्

4. (i) शकारान्तः (ii) नकारान्तः (iii) सकारान्तः (iv) षकारान्तः
 (v) ऋकारान्तः (vi) नकारान्तः (vii) इकारान्तः (viii) षकारान्तः
 (ix) नकारान्तः
5. (i) द्विवचनम् (ii) बहुवचनम् (iii) द्विवचनम् (iv) बहुवचनम्
 (v) बहुवचनम् (vi) बहुवचनम् (vii) द्विवचनम् (viii) बहुवचनम्
 (ix) बहुवचनम् (x) द्विवचनम्
6. (ii) अजन्तरूपम् (iii) अजन्तरूपम् (iv) हलन्तरूपम् (v) हलन्तरूपम्
 (vi) अजन्तरूपम् (vii) हलन्तरूपम् (viii) हलन्तरूपम् (ix) अजन्तरूपम्
 (x) हलन्तरूपम् (xi) अजन्तरूपम् (xii) हलन्तरूपम् (xiii) अजन्तरूपम्
 (xiv) अजन्तरूपम् (xv) हलन्तरूपम् (xvi) अजन्तरूपम् (xvii) हलन्तरूपम्
 (xviii) हलन्तरूपम् (xix) अजन्तरूपम्
7. (ii) तृतीया, एकवचनम् (iii) सप्तमी, एकवचनम् (iv) पञ्चमी/षष्ठी, एकवचनम्
 (v) प्रथमा, बहुवचनम् (vi) षष्ठी, बहुवचनम् (vii) सप्तमी, एकवचनम्
 (viii) षष्ठी, बहुवचनम् (ix) तृतीया, एकवचनम् (x) सप्तमी, एकवचनम्
 (xi) चतुर्थी, एकवचनम् (xii) सप्तमी, एकवचनम् (xiii) पञ्चमी/षष्ठी, एकवचनम्
 (xiv) प्रथमा बहुवचनम् (xv) तृतीया, एकवचनम् (xvi) पञ्चमी/षष्ठी, एकवचनम्
 (xvii) षष्ठी, बहुवचनम् (xviii) द्वितीया, बहुवचनम् (xix) तृतीया, बहुवचनम्
 (xx) सप्तमी, एकवचनम् (xxi) पञ्चमी/षष्ठी, एकवचनम् (xxii) तृतीया, एकवचनम्
 (xxiii) द्वितीया, एकवचनम् (xxiv) पञ्चमी/षष्ठी, एकवचनम् (xxv) तृतीया, एकवचनम्
8. (ii) स्त्री., तृतीया, एकवचनम् (iii) पुं., द्वितीया, एकवचनम्
 (iv) पुं., प्रथमा, एकवचनम् (v) नपुं., प्रथमा/द्वितीया, एकवचनम्
 (vi) स्त्री., तृतीया, बहुवचनम् (vii) पुं./नपुं., तृतीया, एकवचनम्
 (viii) स्त्री., तृतीया, एकवचनम् (ix) स्त्री., तृतीया, एकवचनम्
 (x) पुं./नपुं., षष्ठी, एकवचनम् (xi) स्त्री., षष्ठी, बहुवचनम्
 (xii) पुं./नपुं., तृतीया, एकवचनम् (xiii) स्त्री., पञ्चमी/षष्ठी, एकवचनम्

- | | |
|------------------------------------|--|
| (xiv) पुं./नपुं., तृतीया, बहुवचनम् | (xv) पुं./नपुं., सप्तमी, बहुवचनम् |
| (xvi) पुं./नपुं., षष्ठी, एकवचनम् | (xvii) स्त्री., चतुर्थी/पञ्चमी, बहुवचनम् |
| (xviii) पुं., तृतीया, एकवचनम् | (xix) स्त्री., प्रथमा, एकवचनम् |
| (xx) स्त्री., प्रथमा, बहुवचनम् | |
-
- | | | | |
|----------------|--------------------|--------------|----------------|
| 9. (i) चन्द्रं | (ii) वैकुण्ठम् | (iii) पित्रा | (iv) भिक्षुकाय |
| (v) पुष्पेभ्यः | (vi) लेखन्या | (vii) कपेः | (viii) अरिभ्यः |
| (ix) शिशौ | (x) कर्मणः /कर्मणा | | |



द्वितीयः भागः

चतुर्थः स्तवकः

अभ्यासः - 141

1. जायेते, जायन्ते	जायसे, जायेथे, जायध्वे	जाये, जायावहे, जायामहे
2. मोदेते, मोदन्ते	मोदसे, मोदेथे, मोदध्वे	मोदे, मोदावहे, मोदामहे
3. भाषेते, भाषन्ते	भाषसे, भाषेथे, भाषध्वे	भाषे, भाषावहे, भाषामहे
4. मन्येते, मन्यन्ते	मन्यसे, मन्येथे, मन्यध्वे	मन्ये, मन्यावहे, मन्यामहे
5. शोभेते, शोभन्ते	शोभसे, शोभेथे, शोभध्वे	शोभे, शोभावहे, शोभामहे
6. वन्देते, वन्दन्ते	वन्दसे, वन्देथे, वन्दध्वे	वन्दे, वन्दावहे, वन्दामहे
7. ईक्षेते, ईक्षन्ते	ईक्षसे, ईक्षेथे, ईक्षध्वे	ईक्षे, ईक्षावहे, ईक्षामहे
8. रमेते, रमन्ते	रमसे, रमेथे, रमध्वे	रमे, रमावहे, रमामहे
9. याचेते, याचन्ते	याचसे, याचेथे, याचध्वे	याचे, याचावहे, याचामहे
10. शङ्केते, शङ्कन्ते	शङ्कसे, शङ्केथे, शङ्कध्वे	शङ्के, शङ्कावहे, शङ्कामहे
11. लभेते, लभन्ते	लभसे, लभेथे, लभध्वे	लभे, लभावहे, लभामहे
12. सेवेते, सेवन्ते	सेवसे, सेवेथे, सेवध्वे	सेवे, सेवावहे, सेवामहे

अभ्यासः - 142

1. स्पर्धते, स्पर्धन्ते	2. प्रियसे, प्रियध्वे	3. वन्देथे, वन्दध्वे
4. वीक्षे, वीक्षामहे	5. सहे, सहामहे	6. डयेथे, डयध्वे
7. प्रकाशते, प्रकाशन्ते	8. लभसे, लभेथे	9. जायते, जायन्ते
10. स्पान्दावहे, स्पन्दामहे	11. वर्धेथे, वर्धध्वे	12. आलोकते, आलोकते
13. स्पर्धसे, स्पर्धध्वे	14. वर्धावहे, वर्धामहे	15. लभेते, लभन्ते
16. मन्यते, मन्येते	17. वर्तसे, वर्तध्वे	18. मन्यावहे, मन्यामहे
19. लज्जेते, लज्जन्ते	20. ईक्षसे, ईक्षेथे	

अभ्यासः - 143

- | | | |
|----------------------------|----------------------------|---------------------------|
| 1. प्रथमपुरुषः, बहुवचनम् | 2. प्रथमपुरुषः, द्विवचनम् | 3. प्रथमपुरुषः, एकवचनम् |
| 4. मध्यमपुरुषः, बहुवचनम् | 5. मध्यमपुरुषः, द्विवचनम् | 6. उत्तमपुरुषः, एकवचनम् |
| 7. उत्तमपुरुषः, बहुवचनम् | 8. प्रथमपुरुषः, द्विवचनम् | 9. मध्यमपुरुषः, बहुवचनम् |
| 10. मध्यमपुरुषः, एकवचनम् | 11. उत्तमपुरुषः, बहुवचनम् | 12. मध्यमपुरुषः, एकवचनम् |
| 13. प्रथमपुरुषः, एकवचनम् | 14. उत्तमपुरुषः, द्विवचनम् | 15. उत्तमपुरुषः, एकवचनम् |
| 16. प्रथमपुरुषः, बहुवचनम् | 17. उत्तमपुरुषः, एकवचनम् | 18. उत्तमपुरुषः, बहुवचनम् |
| 19. प्रथमपुरुषः, द्विवचनम् | 20. उत्तमपुरुषः, एकवचनम् | |

अभ्यासः - 144

- | | | |
|-----------------------|---------------------------|------------------------------|
| 1. लिखतः, लिखन्ति | लिखसि, लिखथः, लिखथ | लिखामि, लिखावः, लिखामः |
| 2. मोदेते, मोदन्ते | मोदसे, मोदेथे, मोदध्वे | मोदे, मोदावहे, मोदामहे |
| 3. क्रीडतः, क्रीडन्ति | क्रीडसि, क्रीडथः, क्रीडथ | क्रीडामि, क्रीडावः, क्रीडामः |
| 4. सहेते, सहन्ते | सहसे, सहेथे, सहध्वे | सहे, सहावहे, सहामहे |
| 5. वर्धेते, वर्धन्ते | वर्धसे, वर्धेथे, वर्धध्वे | वर्धे, वर्धावहे, वर्धामहे |
| 6. खादतः, खादन्ति | खादसि, खादथः, खादथ | खादामि, खादावः, खादामः |
| 7. जायेते, जायन्ते | जायसे, जायेथे, जायध्वे | जाये, जायावहे, जायामहे |
| 8. मिलतः, मिलन्ति | मिलसि, मिलथः, मिलथ | मिलामि, मिलावः, मिलामः |
| 9. हसतः, हसन्ति | हससि, हसथः, हसथ | हसामि, हसावः, हसामः |
| 10. लज्जेते, लज्जन्ते | लज्जसे, लज्जेथे, लज्जध्वे | लज्जे, लज्जावहे, लज्जामहे |

अभ्यासः - 145

- | | | | |
|---------------|------------|-----------|-------------------------------|
| 1. कामयन्ते | 2. विराजते | 3. आलोकते | 4. कम्पेते |
| 5. सहन्ते | 6. डयते | 7. राजेते | 8. (ते.स्त्री.द्वि.) भाषेते / |
| 9. स्पर्धन्ते | | | (ते.पु.बहु.) भाषन्ते |

अभ्यासः - 146

- | | | | |
|---------------|--------------|-----------|--------------|
| 1. भाषसे | 2. पलायेथे | 3. सहध्वे | 4. वीक्षध्वे |
| 5. लज्जेथे | 6. वर्धसे | 7. वन्दसे | 8. कामयध्वे |
| 9. अपेक्षध्वे | 10. कम्पध्वे | | |

अभ्यासः - 147

- | | | | |
|-------------|----------|-------------|------------|
| 1. लज्जामहे | 2. ऊहे | 3. कामयावहे | 4. अपेक्षे |
| 5. लभामहे | 6. वन्दे | 7. पलायावहे | 8. मोदामहे |
| 9. भाषावहे | | | |

अभ्यासः - 148

- | | | | |
|----------------|----------------|-------------|--------------|
| 2. लज्जावहे | 3. जायते | 4. विद्येते | 5. शोभसे |
| 6. विद्यन्ते | 7. मोदामहे | 8. डयन्ते | 9. वीक्षध्वे |
| 10. लभते | 12. कामयते | 13. मन्येथे | 14. खिद्ये |
| 15. भाषे | 16. प्रकाशन्ते | 17. सहे | 18. वर्तामहे |
| 19. सहते | 20. वर्तन्ते | 22. कम्पते | 23. सेवन्ते |
| 24. वर्धन्ते | 25. लभामहे | 26. मोदन्ते | 27. लज्जे |
| 28. स्पर्धन्ते | 29. ऊहे | 30. वन्दे | |

अभ्यासः - 149

- | | | | |
|----------------|--------------|----------------|----------------|
| 1. (i) रोचते | (ii) दत्ते | (iii) सहते | (iv) सेवते |
| (v) लज्जते | | | |
| 2. (i) जायन्ते | (ii) सहन्ते | (iii) वर्धन्ते | (iv) शोभन्ते |
| (v) रमन्ते | (vi) सेवन्ते | (vii) यतन्ते | (viii) भाषन्ते |
| (ix) लभन्ते | (x) वर्तन्ते | | |

- | | | |
|------------------|---------------------|---------------------|
| 3. लभेते, लभन्ते | लभसे, लभेथे, लभध्वे | लभे, लभावहे, लभामहे |
|------------------|---------------------|---------------------|

अभ्यासः - 150

1. वसतः, वसन्ति	वससि, वसथः, वसथ	वसामि, वसावः, वसामः
2. रोचेते, रोचन्ते	रोचसे, रोचेथे, रोचध्वे	रोचे, रोचावहे, रोचामहे
3. कर्षतः, कर्षन्ति	कर्षसि, कर्षथः, कर्षथ	कर्षामि, कर्षावः, कर्षामः
4. वर्तेते, वर्तन्ते	वर्तसे, वर्तेथे, वर्तध्वे	वर्ते, वर्तावहे, वर्तामहे
5. शंसतः, शंसन्ति	शंससि, शंसथः, शंसथ	शंसामि, शंसावः, शंसामः
6. द्योतेते, द्योतन्ते	द्योतसे, द्योतथे, द्योतध्वे	द्योते, द्योतावहे, द्योतामहे
7. वर्षतः, वर्षन्ति	वर्षसि, वर्षथः, वर्षथ	वर्षामि, वर्षावः, वर्षामः
8. वीक्षेते, वीक्षन्ते	वीक्षसे, वीक्षेथे, वीक्षध्वे	वीक्षे, वीक्षावहे, वीक्षामहे
9. फलतः, फलन्ति	फलसि, फलथः, फलथ	फलामि, फलावः, फलामः
10. एधेते, एधेन्ते	एधसे, एधेथे, एधध्वे	एधे, एधावहे, एधामहे

अभ्यासः - 151

1. आत्मनेपदरूपम्	2. परस्मैपदरूपम्	3. परस्मैपदरूपम्	4. आत्मनेपदरूपम्
5. आत्मनेपदरूपम्	6. आत्मनेपदरूपम्	7. परस्मैपदरूपम्	8. परस्मैपदरूपम्
9. आत्मनेपदरूपम्	10. परस्मैपदरूपम्	11. आत्मनेपदरूपम्	12. परस्मैपदरूपम्
13. परस्मैपदरूपम्	14. आत्मनेपदरूपम्	15. परस्मैपदरूपम्	16. आत्मनेपदरूपम्
17. आत्मनेपदरूपम्	18. परस्मैपदरूपम्	19. परस्मैपदरूपम्	20. आत्मनेपदरूपम्

अभ्यासः - 152

- (क) भवति, प्राप्नोति, चिन्तयति, कुरु, भव, नश्यसि, अभवत्
- (ख) कामयते, मोदते, वर्धते, लभे, शोभे, शेते, लभते, ईक्षते, भाषन्ते, लज्जसे, कामयसे, प्रियसे, एधसे, लभसे, अजायत

अभ्यासः - 153

1. मोदेताम्, मोदन्ताम्	मोदस्व, मोदथाम्, मोदध्वम्	मोदै, मोदावहै, मोदामहै
2. वर्धेताम्, वर्धन्ताम्	वर्धवस्व, वर्धेथाम्, वर्धध्वम्	वर्धे, वर्धावहै, वर्धामहै
3. खिद्येताम्, खिद्यन्ताम्	खिद्यस्व, खिद्येथाम्, खिद्यध्वम्	खिद्यै, खिद्यावहै, खिद्यामहै

- | | | |
|------------------------------------|-------------------------------|------------------------|
| 4. सेवताम्, सेवेताम्, सेवेन्ताम् | सेवेथाम्, सेवेध्वम् | सेवै, सेवावहै, सेवामहै |
| 5. मन्यताम्, मन्येताम्, मन्यन्ताम् | मन्यस्व, मन्येथाम्, मन्यध्वम् | मन्यावहै, मन्यामहै |

अभ्यासः - 154

- | | | |
|-------------------------|--------------------|---------------------|
| 2. भाषस्व, भाषेथाम् | 3. कम्पै, कम्पामहै | 4. एधेथाम्, एधध्वम् |
| 5. खिद्यस्व, खिद्यध्वम् | | |

अभ्यासः - 155

- | | | | |
|--------------|------------|---------------|-------------|
| 1. सहस्व | 2. मोदताम् | 3. लभध्वम् | 4. कामयामहै |
| 5. ऊहन्ताम् | 6. सेवताम् | 7. खिद्येथाम् | 8. वर्धे |
| 9. सेवन्ताम् | 10. एधामहै | | |

अभ्यासः - 156

- | | | |
|---------------------|-------------------------|----------------------|
| 1. त्वं मोदस्व । | 2. बालिकाः लज्जन्ताम् । | 3. त्वं शोभस्व । |
| 4. अहम् एधै । | 5. वयं मोदामहै । | 6. चन्द्रः शोभताम् । |
| 7. जनाः सेवन्ताम् । | 8. भीतः वैरी पलायताम् । | 9. युवाम् ऊहेथाम् । |
| 10. अहम् ईक्षै । | 11. त्वं भाषस्व । | 12. वेदना जायताम् । |
| 13. आवां कम्पावहै । | 14. ताः आलोकन्ताम् । | 15. ते सूयन्ताम् । |

अभ्यासः - 157

- | | | | |
|-------------------------------------|---------------------------------|-----------------------------|-----------------|
| 1. (i) प्रकाशताम् | (ii) क्षीयन्ताम् | (iii) लभन्ताम् | (iv) वर्धन्ताम् |
| (v) यतन्ताम् | | | |
| 2. (i) सेवेताम्, सेवन्ताम् | (ii) जायेताम्, जायन्ताम् | (iii) वर्धेताम्, वर्धन्ताम् | |
| (iv) प्रकाशेताम्, प्रकाशन्ताम् | (v) क्षीयेताम्, क्षीयन्ताम् | | |
| 3. (i) सेवेथाम्, सेवध्वम् | (ii) लभस्व, लभेथाम्, लभध्वम् | | |
| (iii) वर्धस्व, वर्धेथाम्, वर्धध्वम् | (iv) जायस्व, जायेथाम्, जायध्वम् | | |
| (v) वन्दस्व वन्देथाम् वन्दध्वम् | | | |

अभ्यासः - 150

1. वसतः, वसन्ति	वससि, वसथः, वसथ	वसामि, वसावः, वसामः
2. रोचेते, रोचन्ते	रोचसे, रोचेथे, रोचध्वे	रोचे, रोचावहे, रोचामहे
3. कर्षतः, कर्षन्ति	कर्षसि, कर्षथः, कर्षथ	कर्षामि, कर्षावः, कर्षामः
4. वर्तते, वर्तन्ते	वर्तसे, वर्तेथे, वर्तध्वे	वर्ते, वर्तावहे, वर्तामहे
5. शंसतः, शंसन्ति	शंससि, शंसथः, शंसथ	शंसामि, शंसावः, शंसामः
6. द्योतेते, द्योतन्ते	द्योतसे, द्योतथे, द्योतध्वे	द्योते, द्योतावहे, द्योतामहे
7. वर्षतः, वर्षन्ति	वर्षसि, वर्षथः, वर्षथ	वर्षामि, वर्षावः, वर्षामः
8. वीक्षेते, वीक्षन्ते	वीक्षसे, वीक्षेथे, वीक्षध्वे	वीक्षे, वीक्षावहे, वीक्षामहे
9. फलतः, फलन्ति	फलसि, फलथः, फलथ	फलामि, फलावः, फलामः
10. एधेते, एधेन्ते	एधसे, एधेथे, एधध्वे	एधे, एधावहे, एधामहे

अभ्यासः - 151

1. आत्मनेपदरूपम्	2. परस्मैपदरूपम्	3. परस्मैपदरूपम्	4. आत्मनेपदरूपम्
5. आत्मनेपदरूपम्	6. आत्मनेपदरूपम्	7. परस्मैपदरूपम्	8. परस्मैपदरूपम्
9. आत्मनेपदरूपम्	10. परस्मैपदरूपम्	11. आत्मनेपदरूपम्	12. परस्मैपदरूपम्
13. परस्मैपदरूपम्	14. आत्मनेपदरूपम्	15. परस्मैपदरूपम्	16. आत्मनेपदरूपम्
17. आत्मनेपदरूपम्	18. परस्मैपदरूपम्	19. परस्मैपदरूपम्	20. आत्मनेपदरूपम्

अभ्यासः - 152

- (क) भवति, प्राप्नोति, चिन्तयति, कुरु, भव, नश्यसि, अभवत्
 (ख) कामयते, मोदते, वर्धते, लभे, शोभे, शेते, लभते, ईक्षते, भाषन्ते, लज्जसे, कामयसे, प्रियसे, एधसे, लभसे, अजायत

अभ्यासः - 153

1. मोदेताम्, मोदन्ताम्	मोदस्व, मोदथाम्, मोदध्वम्	मोदै, मोदावहै, मोदामहै
2. वर्धेताम्, वर्धन्ताम्	वर्धस्व, वर्धेथाम्, वर्धध्वम्	वर्धे, वर्धावहै, वर्धामहै
3. खिद्येताम्, खिद्यन्ताम्	खिद्यस्व, खिद्येथाम्, खिद्यध्वम्	खिद्ये, खिद्यावहै, खिद्यामहै

- | | | |
|------------------------------------|-------------------------------|------------------------|
| 4. सेवताम्, सेवेताम्, सेवेन्ताम् | सेवेथाम्, सेवेध्वम् | सेवै, सेवावहै, सेवामहै |
| 5. मन्यताम्, मन्येताम्, मन्यन्ताम् | मन्यस्व, मन्येथाम्, मन्यध्वम् | मन्यावहै, मन्यामहै |

अभ्यासः - 154

- | | | |
|-------------------------|--------------------|---------------------|
| 2. भाषस्व, भाषेथाम् | 3. कम्पै, कम्पामहै | 4. एधेथाम्, एधध्वम् |
| 5. खिद्यस्व, खिद्यध्वम् | | |

अभ्यासः - 155

- | | | | |
|--------------|------------|---------------|-------------|
| 1. सहस्व | 2. मोदताम् | 3. लभध्वम् | 4. कामयामहै |
| 5. ऊहन्ताम् | 6. सेवताम् | 7. खिद्येथाम् | 8. वर्धे |
| 9. सेवन्ताम् | 10. एधामहै | | |

अभ्यासः - 156

- | | | |
|---------------------|-------------------------|----------------------|
| 1. त्वं मोदस्व । | 2. बालिकाः लज्जन्ताम् । | 3. त्वं शोभस्व । |
| 4. अहम् एधै । | 5. वयं मोदामहै । | 6. चन्द्रः शोभताम् । |
| 7. जनाः सेवन्ताम् । | 8. भीतः वैरी पलायताम् । | 9. युवाम् ऊहेथाम् । |
| 10. अहम् ईक्षै । | 11. त्वं भाषस्व । | 12. वेदना जायताम् । |
| 13. आवां कम्पावहै । | 14. ताः आलोकन्ताम् । | 15. ते सूयन्ताम् । |

अभ्यासः - 157

- | | | | |
|-------------------------------------|---------------------------------|-----------------------------|-----------------|
| 1. (i) प्रकाशताम् | (ii) क्षीयन्ताम् | (iii) लभन्ताम् | (iv) वर्धन्ताम् |
| (v) यतन्ताम् | | | |
| 2. (i) सेवेताम्, सेवन्ताम् | (ii) जायेताम्, जायन्ताम् | (iii) वर्धेताम्, वर्धन्ताम् | |
| (iv) प्रकाशेताम्, प्रकाशन्ताम् | (v) क्षीयेताम्, क्षीयन्ताम् | | |
| 3. (i) सेवेथाम्, सेवध्वम् | (ii) लभस्व, लभेथाम्, लभध्वम् | | |
| (iii) वर्धस्व, वर्धेथाम्, वर्धध्वम् | (iv) जायस्व, जायेथाम्, जायध्वम् | | |
| (v) वन्दस्व वन्देथाम् वन्दध्वम् | | | |

अभ्यासः - 158

- | | | | |
|-----------------|------------------|---------------|-----------------|
| 1. वर्तिष्यते | 2. स्पर्धिष्येते | 3. वन्दिष्ये | 4. शोभिष्यसे |
| 5. लज्जिष्यन्ते | 6. भाषिष्यावहे | 7. मोदिष्येथे | 8. शङ्किष्यध्वे |
| 9. भाषिष्येथे | 10. सहिष्ये | | |

अभ्यासः - 159

- | | | |
|----------------------------------|---|---|
| 1. वर्तिष्येते, वर्तिष्यन्ते | वर्तिष्येथे, वर्तिष्यध्वे | वर्तिष्यावहे, वर्तिष्यामहे |
| 2. भाषिष्ये | भाषिष्यसे, भाषिष्यध्वे | भाषिष्ये, भाषिष्यावहे |
| 3. स्पर्धिष्येते, स्पर्धिष्यन्ते | स्पर्धिष्यसे, स्पर्धिष्येथे, स्पर्धिष्यध्वे | स्पर्धिष्ये, स्पर्धिष्यावहे, स्पर्धिष्यामहे |
| 4. मोदिष्येते, मोदिष्यन्ते | मोदिष्यसे, मोदिष्येथे, मोदिष्यध्वे | मोदिष्ये, मोदिष्यावहे, मोदिष्यामहे |
| 5. बोधिष्येते, बोधिष्यन्ते | बोधिष्यसे, बोधिष्येथे, बोधिष्यध्वे | बोधिष्ये, बोधिष्यावहे, बोधिष्यामहे |

अभ्यासः - 160

- | | |
|-----------------------------------|------------------------------------|
| 1. मम संशयः जनिष्यते । | 2. पक्षिणः वेगेन डयिष्यन्ते । |
| 3. त्वं कीर्तिं कामयिष्यसे । | 4. अहं भयेन कम्पिष्ये । |
| 5. वनिताः त्रपिष्यन्ते । | 6. वने वृक्षाः वर्धिष्यन्ते । |
| 7. एते सम्यक् भाषिष्यन्ते । | 8. शिशुः मधुरं प्राप्य मोदिष्यते । |
| 9. युवां किमर्थं शङ्किष्येथे । | 10. वयम् अपमानं न सहिष्यामहे । |
| 11. दरिद्रः धनं कामयिष्यते । | 12. आवां सर्वमपि ईक्षिष्यामहे । |
| 13. मनसि उद्वेगः जनिष्यते । | 14. रणे वैरिणः मरिष्यन्ति । |
| 15. त्वं कुतः खेत्स्यते । | 16. न वयं पलायिष्यामहे । |
| 17. यूयं भाषिष्यध्वे । | 18. रात्रौ चन्द्रः प्रकाशिष्यते । |
| 19. सः कष्टात् उद्विजिष्यते । | 20. वयं सुखेन वर्तिष्यामहे । |
| 21. सज्जनः पापात् जुगुप्सिष्यते । | |

अभ्यासः - 161

- | | | | |
|-------------------|-----------------|--------------------|------------------|
| 1. (i) धरिष्यन्ते | (ii) हरिष्यन्ते | (iii) कामयिष्यन्ते | (iv) सेविष्यन्ते |
| (v) वर्तिष्यते | | | |

- | | | | |
|-----------------------------|----------------|--------------------------|----------------|
| 2. (ii) धरिष्ये | (iii) सेविष्ये | (iv) हरिष्ये | (v) प्रयतिष्ये |
| 3. (ii) बालकाः धरिष्यन्ते । | | (iii) ताः जनिष्यन्ते । | |
| (iv) देवाः वर्तिष्यन्ते । | | (v) सर्वे समेधिष्यन्ते । | |

अभ्यासः - 162

- | | |
|---|---|
| 1. अलभेताम्, अलभन्त
अलभथाः, अलभेथाम्, अलभध्वम्
अलभे, अलभावहि, अलभामहि | 2. अग्नियत, अग्नियेताम्
अग्नियथाः, अग्नियेथाम्, अग्नियध्वम्
अग्निये, अग्नियावहि, अग्नियामहि |
| 3. पलायत, पलायन्त
पलायथाः, पलायेथाम्, पलायध्वम्
पलाये, पलायावहि, पलायामहि | 4. अकामयत, आकामयेताम्, अकामयन्त
अकामयेथाः, अकामयेथाम्, अकामयध्वम्
अकामयावहि, अकामयामहि |
| 5. अमोदत, अमोदेताम्, अमोदन्त
अमोदथाः, अमोदेथाम्
अमोदे, अमोदावहि, अमोदामहि | 6. अजायेताम्, अजायन्त
अजायथाः, आजायेताम्, अजायध्वम्
अजाये, अजायावहि, आजायामहि |

अभ्यासः - 163

- | | |
|-------------------------------------|-----------------------------|
| 1. अहं यशः अलभे । | 2. त्वम् अकारणम् अलज्जथाः । |
| 3. ताः स्वकार्यम् अमन्यन्त । | 4. वयम् अखिद्यामहि । |
| 5. यूयं दुःखम् असहध्वम् । | 6. शिशवः मधुरम् अभाषन्त । |
| 7. धीरौ देशरक्षार्थम् अग्नियेताम् । | 8. वयं वेदनाम् असहामहि । |
| 9. युवां किमर्थं पलायेथाम् । | 10. आवाम् एतेन अमोदावहि । |

अभ्यासः - 164

- | | |
|---|-----------------------------------|
| 2. अतः सः कुलगुरुणा वसिष्ठेन सह अमन्त्रयत । | 3. ततः पुत्रकामेष्टिम् आरभत । |
| 4. यज्ञसमाप्तौ अग्निः विशेषेण अशोभत । | 5. तत्र कश्चन दिव्य पुरुष अराजत । |
| 6. सः दशरथाय पायसपूर्णं पात्रम् अदत्त । | 7. दशरथः तत् प्राप्य अमोदत । |

8. सः आत्मानं धन्यम् अमन्यत । 9. तस्य पत्न्यः अपि सन्तुष्टाः अजायन्त ।
 10. दशरथः ताभ्यः पायसम् अदत्त । 11. ताः पायसम् अस्वदन्त ।
 12. कालक्रमेण राज्ञ्यः गर्भवत्यः अजायन्त । 13. दशरथः ताः अवीक्षत । तस्य आनन्दः अवर्धत ।
 14. नवमासानन्तरं रामलक्ष्मणभरतशत्रुघ्नाः उदपद्यन्त ।

अभ्यासः - 165

1. (i) अलभत (ii) अवर्तत (iii) अरोचत (iv) अविद्यत
 (v) अमोदत
 2. (i) अलभेताम्, अलभन्त अलभथाः, अलभेथाम्, अलभध्वम् अलभे, अलभावहि, अलभामहि
 (ii) अजायेताम्, अजायन्त अजायथाः, अजायेथाम्, अजायध्वम् अजाये, अजायावहि, अजायामहि
 3. (ii) लभसे (iii) याचसे (iv) रोचसे (v) विद्यसे
 (vi) जायसे (vii) भाषसे (viii) वर्धसे (ix) मन्यसे
 (x) सेवसे

अभ्यासः - 166

1. (i) अरण्यं वन्यपशवः पक्षिणश्च सेवन्ते । (ii) शासनं वनानि वन्यपशून् च रक्षितुं प्रयतते ।
 (iii) नभसि नक्षत्राणि व्यराजन्त । (iv) वने कपयः कूर्दन्ते, पक्षिणः च डयन्ते ।
 (v) अत्रत्यां शान्तिं भङ्ग्युम् अस्माकम् अधिकारः न विद्यते ।
 2. (i) शोभते (ii) वर्तते (iii) कम्पते (iv) प्रयतते (v) सेवते
 (vi) विराजते (vii) कूर्दते (viii) द्योतते (ix) डयते (x) रमते
 3. (i) राजते (ii) विद्यते (iii) ईक्षते (iv) उत्पद्यते (v) वर्धते
 4. (i) कम्पताम्, कम्पिष्यते (ii) वर्धताम्, वर्धिष्यते (iii) राजताम्, राजिष्यते
 (iv) कुरुताम्, करिष्यते (v) निवर्तताम्, निवर्तिष्यते (vi) चिन्तयताम्, चिन्तयिष्यते
 (vii) धरताम्, धरिष्यते (viii) कूर्दताम्, कूर्दिष्यते (ix) सेवताम्, सेविष्यते
 (x) प्रयतताम्, प्रयतिष्यते

5. (i) डयन्ते (ii) द्योतन्ते (iii) कूर्दन्ते (iv) वर्धन्ते (v) विराजन्ते
6. (i) लप्स्यामहे (ii) कूर्दिष्यामहे (iii) करिष्यामहे (iv) प्रयतिष्यामहे (v) निवर्तिष्यामहे
7. (i) कूर्दध्वम् (ii) सेवध्वम् (iii) रमध्वम् (iv) ईक्षध्वम् (v) गाहध्वम्
(vi) कम्पध्वम् (vii) विहरध्वम् (viii) निवर्तध्वम् (ix) प्रयतध्वम् (x) अवलोकध्वम्
8. (i) कूर्दते (ii) सेवते (iii) शेते (iv) चिन्तयते (v) ईक्षते
(vi) विहरते (vii) डयते (viii) अवलोकते (ix) स्वदते (x) गाहते
9. (i) असेवत, असेवन्त (ii) अधरत, अधरन्त (iii) अराजत, अराजन्त
(iv) अकम्पत, अकम्पन्त (v) अविद्यत, अविद्यन्त (vi) अकूर्दत, अकूर्दन्त
(vii) अगाहत, अगाहन्त (viii) अद्योतत, अद्योतन्त (ix) अरोचत, अरोचन्त
(x) अवर्धत, अवर्धन्त
10. (i) लभताम्, लप्स्यते, अलभत (ii) सेवताम्, सेविष्यते, असेवत
(iii) जायताम्, जनिष्यते, अजायत (iv) वर्तताम्, वर्तिष्यते, अवर्तत
(v) कुरुताम्, करिष्यते, अकुरुत

अभ्यासः - 167

- | | | | |
|-------------|--------------|-------------|-----------|
| 1. आस्से | 2. विक्रीणे | 3. मन्यन्ते | 4. मन्यसे |
| 5. भुञ्जाथे | 6. उपयुज्महे | 7. अधीमहे | 8. मन्वते |
| 9. शये | | | |

अभ्यासः - 168

- | | | | |
|---------|----------|---------|---------|
| 1. लृट् | 2. लृट् | 3. लोट् | 4. लट् |
| 5. लङ् | 6. लट् | 7. लट् | 8. लङ् |
| 9. लृट् | 10. लोट् | 11. लङ् | 12. लट् |
| 13. लट् | 14. लट् | 15. लट् | 16. लट् |

अभ्यासः - 169

- | | | | |
|----------------|----------------|----------------|---------------|
| 1. प्रतिगच्छति | 2. परिपृच्छति | 3. अनुगृह्णाति | 4. अधितिष्ठति |
| 5. संसूचयति | 6. उपविशति | 7. आह्वयति | 8. निवेदयति |
| 9. आनयति | 10. निर्गच्छति | 11. अवगच्छति | 12. परिपालयति |
| 13. अपसरति | 14. उन्नयति | 15. अनुवदति | |

अभ्यासः - 170

- | | | | |
|-------------|-----------------|----------------|-----------------|
| 1. उपकरोति | 2. आह्वयति | 3. सङ्गृह्णाति | 4. निर्गच्छति |
| 5. विहरति | 6. प्राप्नोति | 7. निस्सरति | 8. प्रभवति |
| 9. प्रवहति | 10. प्रणमति | 11. निक्षिपति | 12. प्रक्षालयति |
| 13. उन्नयति | 14. अनुगृह्णाति | 15. परिपृच्छति | 16. अनुवदति |
| 17. अधिवसति | 18. आरोहति | 19. पिदधाति | 20. विकिरति |

अभ्यासः - 171

- | | | | |
|----------------|------------------|----------------|----------------|
| 1. आनयत् | 2. आहरत् | 3. आरोहत् | 5. उदगच्छत् |
| 6. उदतिष्ठत् | 8. अन्वसरत् | 9. अन्वकरोत् | 10. अन्वधावत् |
| 12. प्राहरत् | 13. प्राक्षालयत् | 15. व्यहरत् | 16. व्यस्मरत् |
| 18. पर्यत्यजत् | 19. पर्यणयत् | 20. पर्यपीडयत् | 22. न्यक्षिपत् |
| 24. अवाकरोत् | 25. अवागच्छत् | | |

अभ्यासः - 172

- | | |
|---------------------|---------------------|
| 1. (i) परि + पालयति | 2. (i) परि + शीलयति |
| (ii) परि + अपालयत् | (ii) परि + अशीलयत् |
| (iii) इ + अ = य | (iii) इ + अ = य |
| (iv) पर्यपालयत् | (iv) पर्यशीलयत् |
| 3. (i) अधि + गच्छति | 4. (i) प्र + विशति |
| (ii) अधि + अगच्छत् | (ii) प्र + अविशत् |

- | | |
|---------------------|-----------------------|
| (iii) इ + अ = य | (iii) अ + अ = आ |
| (iv) अध्यगच्छत् | (iv) प्राविशत् |
| 5. (i) प्र + काशयति | 6. (i) अङ्गी + करोति |
| (ii) प्र + अकाशयत् | (ii) अङ्गी + अकरोत् |
| (iii) अ + अ = आ | (iii) ई + अ = य |
| (iv) प्राकाशयत् | (iv) अङ्ग्यकरोत् |
| 7. (i) अप + हरति | 8. (i) अनु + करोति |
| (ii) अप + अहरत् | (ii) अनु + अकरोत् |
| (iii) अ + अ = आ | (iii) उ + अ = द |
| (iv) अपाहरत् | (iv) अन्वकरोत् |
| 9. (i) उप + करोति | 10. (i) उत् + तिष्ठति |
| (ii) उप + अकरोत् | (ii) उद् + अतिष्ठत् |
| (iii) अ + अ = आ | (iii) त् + अ = द |
| (iv) उपाकरोत् | (iv) उदतिष्ठत् |

अभ्यासः - 173

- | | | | |
|------------------|---------------|---------------|---------------|
| 1. प्रत्यवदत् | 2. पर्यपालयत् | 3. प्राव्रजत् | 4. उदतिष्ठत् |
| 5. प्रत्यागच्छत् | 6. पर्यभूषयत् | 7. प्राणमत् | 8. उपाविशत् |
| 9. निरदिशत् | 10. प्राहसत् | 11. अपासरत् | 12. अन्वधावत् |
| 13. अन्वगच्छत् | | | |

अभ्यासः - 174

- | | | | |
|------------------|----------------|---------------|---------------|
| 1. प्रत्यवदत् | 2. प्राव्रजत् | 3. प्राविशत् | 4. उदतिष्ठत् |
| 5. प्रत्यागच्छत् | 6. प्राणमत् | 7. प्राहरत् | 8. व्याहरत् |
| 9. अवाचिनोत् | 10. आरोहत् | 11. उदभवत् | 12. प्राविशत् |
| 13. प्राहसत् | 14. पर्यपालयत् | 15. समाराधयत् | |

अभ्यासः - 175

- | | | | |
|----------------|--------------|-------------|---------------|
| 1. प्रत्यागत्य | 2. परिपाल्य | 3. प्रहृत्य | 4. परित्यज्य |
| 5. संशोध्य | 6. अभिवन्द्य | 7. उद्घाट्य | 8. प्रक्षाल्य |
| 9. संसूच्य | 10. अनुसृत्य | | |

अभ्यासः - 176

उत्थाय, प्रक्षाल्य, उपविश्य, समाप्य, स्वीकृत्य, आरुह्य, आहूय, संसूच्य, समाप्य, सङ्गृह्य, आगत्य

अभ्यासः - 177

- | | | | |
|------------|-------------|--------------|-------------|
| 1. समाप्य | 2. आगत्य | 3. विलिख्य | 4. प्रविश्य |
| 5. उपविश्य | 6. सङ्गृह्य | 7. आहूय | 8. निर्गत्य |
| 9. आनीय | 10. समाप्य | 11. सन्दृश्य | |

अभ्यासः - 178

- | | |
|---------------------|----------------------|
| 1. (i) परि + पालयते | 2. (i) नि + युध्यते |
| (ii) परि + अपालयत | (ii) नि + अयुध्यत |
| (iii) इ + अ = य | (iii) इ + अ = य |
| (iv) पर्यपालयत | (iv) न्ययुध्यत |
| 3. (i) सु + शोभते | 4. (i) परि + त्रायते |
| (i) सु + अशोभत | (ii) परि + अत्रायत |
| (i) उ + अ = व | (iii) इ + अ = य |
| (i) स्वशोभत | (iv) पर्यत्रायत |
| 5. (i) प्र + भाषते | 6. (i) परि + क्षमते |
| (ii) प्र + अभषत | (ii) परि + अक्षमत |
| (iii) अ + अ = आ | (iii) इ + अ = य |
| (iv) प्राभाषत | (iv) पर्यक्षमत |

7. (i) प्र + तिष्ठते
(ii) प्र + अतिष्ठत
(iii) अ + अ = आ
(iv) प्रातिष्ठत

9. (i) आ + रभते
(ii) आ + अरभत
(iii) आ + अ = आ
(iv) आरभत

8. (i) उत् + प्लवते
(ii) उत् + अप्लवत
(iii) त् + अ = द
(iv) उदप्लवत

10. (i) प्रति + नि + वर्तते
(ii) प्रति + नि + अवर्तत
(iii) इ + अ = य
(iv) प्रतिन्यवर्तत

अभ्यासः - 179

- | | | | |
|---------------|-------------|--------------|--------------|
| 1. प्रायतत | 2. पर्यसेवत | 3. पर्यपालयत | 4. पर्यक्षमत |
| 5. पर्यत्रायत | 6. न्यवर्तत | 7. अन्ववर्तत | 8. अन्वकम्पत |
| 9. अन्वयाचत | 10. उदलङ्घत | | |

अभ्यासः - 180

- | | | |
|--------------------------|---------------------------|-------------------------|
| 1. अस्थापयत्, समस्थापयत् | 2. अलोभयत्, प्रालोभयत् | 3. अनयत्, अन्वनयत् |
| 4. अकरोत्, निराकरोत् | 5. अपीडयत्, पर्यपीडयत् | 6. अभाषत, प्राभाषत |
| 7. अवारयत्, न्यवारयत् | 8. अपूजयत्, समपूजयत | 9. अवेदयत्, न्यवेदयत |
| 10. अतिष्ठत, प्रातिष्ठत | 11. अप्लवत, उदप्लवत | 12. असादयत्, आसादयत् |
| 13. अचरत्, समचरत् | 14. अचरत्, आचरत् | 15. अरभत, आरभत |
| 16. अतुष्यत्, समतुष्यत् | 17. अरभत्, प्रारभत | 18. अरक्षत्, पर्यरक्षत् |
| 19. अलभत, पर्यलभत | 20. अवर्तत, प्रतिन्यवर्तत | |

अभ्यासः - 181

1. (i) प्रत्यागच्छत् (ii) प्राशंसत् (iii) समाहूतवान् (iv) प्रेषितवान्
(v) समुत्थापितवान्

- | | | |
|--------------------------|---------------------|------------------------|
| 2. (ii) प्रति + अवदत् | (iii) प्र + शंसति | (iv) सम् + आ + हूतवान् |
| (v) वि + नाशयति | (vi) परि + अपृच्छत् | (vii) नि + अवेदयत् |
| (viii) सम् + उप + लभ्यते | (ix) अभि + लषति | (x) परि + पीडयिष्यति |
-
- | | | | |
|---------------------|----------------|--------------|------------------|
| 3. (i) प्रत्यगच्छत् | (ii) निरगच्छत् | (iii) समसेवत | (iv) पर्यपृच्छत् |
|---------------------|----------------|--------------|------------------|

अभ्यासः - 182

- | | |
|------------------------------|------------------------------|
| 1. रक्ष् + य + ते, रक्ष्यते | 2. मिल् + य + ते, मिल्यते |
| 3. गम् + य + ते, गम्यते | 4. सह् + य + ते, सह्यते |
| 5. पूज् + य + ते, पूज्यते | 6. ध्या + य + ते, ध्यायते |
| 7. खाद् + य + ते, खाद्यते | 8. त्यज् + य + ते, त्यज्यते |
| 9. ज्ञा + य + ते, ज्ञायते | 10. पत् + य + ते, पत्यते |
| 11. दह् + य + ते, दह्यते | 12. जप् + य + ते, जप्यते |
| 13. चर्व् + य + ते, चर्व्यते | 14. गण् + य + ते, गण्यते |
| 15. कुप् + य + ते, कुप्यते | 16. कथ् + य + ते, कथ्यते |
| 17. घ्रा + य + ते, घ्रायते | 18. जीव् + य + ते, जीव्यते |
| 19. पाल् + य + ते, पाल्यते | 20. गर्ज् + य + ते, गर्ज्यते |

अभ्यासः - 183

- | | |
|---|--------------------------------------|
| 1. रचयति, रच् + य + ते, रच्यते | 2. भक्षयति, भक्ष् + य + ते, भक्ष्यते |
| 3. गणयति, गण् + य + ते, गण्यते | 4. घटयति, घट् + य + ते, घट्यते |
| 5. चिन्तयति, चिन्त् + य + ते, चिन्त्यते | 6. अङ्कयति, अङ्क् + य + ते, अङ्क्यते |
| 7. खण्डयति, खण्ड् + य + ते, खण्ड्यते | 8. दण्डयति, दण्ड् + य + ते, दण्ड्यते |
| 9. स्वादयति, स्वाद् + य + ते, स्वाद्यते | 10. पालयति, पाल् + य + ते, पाल्यते |
| 11. पाठयति, पाठ् + य + ते, पाठ्यते | 12. छादयति, छाद् + य + ते, छाद्यते |
| 13. पीडयति, पीड् + य + ते, पीड्यते | 14. सूचयति, सूच् + य + ते, सूच्यते |
| 15. पूजयति, पूज् + य + ते, पूज्यते | 16. भूषयति, भूष् + य + ते, भूष्यते |
| 17. चोरयति, चोर् + य + ते, चोर्यते | 18. बोधयति, बोध् + य + ते, बोध्यते |
| 19. रोधयति, रोध् + य + ते, रोध्यते | |

अभ्यासः - 184

- | | |
|-----------------------------------|-------------------------------|
| 1. कविना कविता रच्यते । | 2. रामेण फलं भक्ष्यते । |
| 3. धनिकेन रूप्यकाणि गण्यन्ते । | 4. गुरुणा रहस्यं चिन्त्यते । |
| 5. सीतया चित्रम् अङ्क्यते । | 6. तया दण्डः खण्ड्यते । |
| 7. आरक्षकेण चौरः दण्ड्यते । | 8. यशोदया कृष्णः पाल्यते । |
| 9. राक्षसेन देवः पीड्यते । | 10. गुरुणा छात्रः पाठ्यते । |
| 11. श्रमिकेण भवनं छाद्यते । | 12. राज्ञा मन्त्री सूच्यते । |
| 13. भक्तेन हरिः पूज्यते । | 14. नार्या अङ्गं भूष्यते । |
| 15. चौरेण मुद्रा चोर्यते । | 16. पित्रा पुत्रः बोध्यते । |
| 17. स्वर्णकारेण सुवर्णं शोध्यते । | 18. कृषकेण वारि रोध्यते । |
| 19. लेखकेन प्रकृतिः वर्ण्यते । | 20. गृहिण्या गृहं मार्ज्यते । |

अभ्यासः - 185

- | | | |
|----------------------------|--------------------|--------------------|
| 1. धीयेते, धीयन्ते | 2. पीयेते, पीयन्ते | 3. हीयेते, हीयन्ते |
| 4. निर्मीयेते, निर्मीयन्ते | 5. गीयेते, गीयन्ते | |

अभ्यासः - 186

- | | | | |
|----------|----------------|------------|----------|
| 1. पीयते | 2. निर्मीयन्ते | 3. स्थीयते | 4. गीयते |
|----------|----------------|------------|----------|

अभ्यासः - 187

- | | | |
|--------------------------|------------------------|--------------------------|
| 1. प्रियेते, प्रियन्ते | 2. भ्रियेते, भ्रियन्ते | 3. आद्रियेते, आद्रियन्ते |
| 4. जागर्येते, जागर्यन्ते | | |

अभ्यासः - 188

- | | | | |
|------------|------------|---------------|-------------|
| 1. प्रियते | 2. ह्रियते | 3. आद्रियन्ते | 4. जागर्यते |
|------------|------------|---------------|-------------|

अभ्यासः - 189

- | | | |
|---------------------------------|---------------------------------|---------------------------------|
| 1. तीर्यते, तीर्येते, तीर्यन्ते | 2. गीर्यते, गीर्येते, गीर्यन्ते | 3. जीर्यते, जीर्येते, जीर्यन्ते |
| 5. वूर्यते, वूर्येते, वूर्यन्ते | | |

अभ्यासः - 190

- | | | |
|------------------------|------------------------|-----------------------------|
| 2. दृश्येते, दृश्यन्ते | 3. घ्रायेते, घ्रायन्ते | 4. ज्ञायेते, ज्ञायन्ते |
| 5. जन्येते, जन्यन्ते | 6. तन्येते, तन्यन्ते | 7. दीयेते, दीयन्ते |
| 8. इष्येते, इष्यन्ते | 9. कृष्येते, कृष्यन्ते | 10. वृत्त्येते, वृत्त्यन्ते |

अभ्यासः - 191

- | | | |
|-------------------------|---------------------------|---------------------------|
| 2. जीयेते, जीयन्ते | 3. क्षीयेते, क्षीयन्ते | 4. नीयेते, नीयन्ते |
| 5. क्रीयेते, क्रीयन्ते | 6. प्रीयेते, प्रीयन्ते | 7. श्रूयेते, श्रूयन्ते |
| 8. बध्येते, बध्यन्ते | 9. रुध्येते, रुध्यन्ते | 10. छिद्येते, छिद्यन्ते |
| 11. भिद्येते, भिद्यन्ते | 12. युज्येते, युज्यन्ते | 13. सिच्येते, सिच्यन्ते |
| 14. मुच्येते, मुच्यन्ते | 15. आशास्येते, आशास्यन्ते | 16. आख्यायेते, आख्यायन्ते |

अभ्यासः - 192

- | | |
|--------------------------------------|--------------------------------------|
| 1. तृतीया, प्रथमा, कर्मणि प्रयोगः | 2. प्रथमा, द्वितीया, कर्तरि प्रयोगः |
| 3. प्रथमा, द्वितीया, कर्तरि प्रयोगः | 4. प्रथमा, द्वितीया, कर्तरि प्रयोगः |
| 5. तृतीया, प्रथमा, कर्मणि प्रयोगः | 6. प्रथमा, द्वितीया, कर्तरि प्रयोगः |
| 7. तृतीया, प्रथमा, कर्मणि प्रयोगः | 8. प्रथमा, द्वितीया, कर्तरि प्रयोगः |
| 9. प्रथमा, द्वितीया, कर्तरि प्रयोगः | 10. तृतीया, प्रथमा, कर्मणि प्रयोगः |
| 11. तृतीया, प्रथमा, कर्मणि प्रयोगः | 12. तृतीया, प्रथमा, कर्मणि प्रयोगः |
| 13. प्रथमा, द्वितीया, कर्तरि प्रयोगः | 14. प्रथमा, द्वितीया, कर्तरि प्रयोगः |
| 15. तृतीया, प्रथमा, कर्मणि प्रयोगः | 16. तृतीया, प्रथमा, कर्मणि प्रयोगः |
| 17. तृतीया, प्रथमा, कर्मणि प्रयोगः | 18. प्रथमा, द्वितीया, कर्तरि प्रयोगः |

अभ्यासः - 193

- | | |
|---------------------------------|-----------------------------|
| 1. छात्रेण श्लोकः उद्यते । | 2. गुरुणा पाठः अध्याप्यते । |
| 3. आरक्षकेण चोरः गृह्यते । | 4. अधिकारिणा सेवकः कथ्यते । |
| 5. भगिन्या ग्रन्थः उद्घाट्यते । | 6. बालकेन देवः नम्यते । |

- | | |
|--------------------------------------|--------------------------------------|
| 7. ऋषिणा ईश्वरः भज्यते । | 8. रमेशेन सुरेशः ताड्यते । |
| 9. मया शिलाखण्डः स्पृश्यते । | 10. तेन विद्यालयः गम्यते । |
| 11. अध्यापकेन विद्यार्थिनी बोध्यते । | 12. तया लेखनी रक्ष्यते । |
| 13. अनया माला जप्यते । | 14. धीरेण समस्या विचार्यते । |
| 15. बालेन शिला क्षिप्यते । | 16. अनुजेन वृत्तान्तः निवेद्यते । |
| 17. मात्रा पुत्री प्रवर्त्यते । | 18. पितामह्या कथा कथ्यते । |
| 19. कपिना शाखा स्पृश्यते । | 20. अहिना नदी तीर्यते । |
| 21. तया पुस्तकं परिशील्यते । | 22. सेवकेन जलम् आनीयते । |
| 23. चित्रकारेण चित्रं रच्यते । | 24. कृषकेण सस्यं पोष्यते । |
| 25. आरक्षकेण यानं रोध्यते । | 26. यान्त्रिकेण यन्त्रं परिशोध्यते । |
| 27. मुनिना अरण्यं गम्यते । | 28. तया वस्त्रं क्षाल्यते । |
| 29. मया कार्यं सम्पाद्यते । | 30. त्वया पत्रं प्रेष्यते । |

अभ्यासः - 194

- | | |
|---------------------------------|------------------------------------|
| 1. छात्रेण प्रश्नः चिन्त्यते । | 2. अध्यापकेन शिष्यः सूच्यते । |
| 3. बालेन हस्तः प्रक्षाल्यते । | 4. शिष्येण गुरुः पूज्यते । |
| 5. अर्चकेन देवः समाराध्यते । | 6. मया माला धार्यते । |
| 7. सीतया रोटिका खाद्यते । | 8. बालिकया सखी निन्द्यते । |
| 9. बालकैः दुर्गुणः त्यज्यते । | 10. अस्माभिः कारयानानि चाल्यन्ते । |
| 11. त्वया पत्रं प्रेष्यते । | 12. युष्माभिः सख्यकाणि गण्यन्ते । |
| 13. नटेन जनः मोद्यते । | 14. त्वया सत्यं चर्यते । |
| 15. अस्माभिः सज्जनः अनुगम्यते । | 16. मया सरस्वती अर्च्यते । |
| 17. युष्माभिः यानं चाल्यते । | 18. गुरुणा छात्रः पाठ्यते । |
| 19. नृपेण सचिवः निर्दिश्यते । | 20. मित्रेण कविता लिख्यते । |

अभ्यासः - 195

- | | |
|-------------------------|----------------------------|
| 1. रामेण पाठः लिख्यते । | 2. गोपालेन धेनुः चार्यते । |
|-------------------------|----------------------------|

- | | |
|---|------------------------------|
| 3. रोहितेन फलं खाद्यते । | 4. सेवकेन दीपः निर्वाप्यते । |
| 5. मूर्खेण सज्जनः निन्द्यते । | 6. यजमानेन कार्यं सूच्यते । |
| 7. उद्यानपालकेन लता सिच्यते । | 8. भक्तेन देवः नम्यते । |
| 9. बालकेन दुर्गुणः त्यज्यते । | 10. लतया सखी सूच्यते । |
| 11. रजकेन वस्त्रं क्षाल्यते । | 12. सुधया ग्रन्थः पठ्यते । |
| 13. चोरेण घटी चोर्यते । | 14. महिलया दीपः नीयते । |
| 15. छात्रेण नियमः पाल्यते । | 16. नृपेण प्रजा रक्ष्यते । |
| 17. व्यवस्थापकेन कार्यक्रमः अवलोक्यते । | 18. अर्चकेन देवः अच्यते । |
| 19. छात्रया पुस्तकं स्थाप्यते । | 20. शिष्येण कविता लिख्यते । |

अभ्यासः - 196

- | | | |
|----------------------------|---------------------------|-----------------------------|
| 1. लिख्येते, लिख्यन्ते | 2. गम्येते, गम्यन्ते | 3. त्यजेते, त्यज्यन्ते |
| 4. वन्देते, वन्द्यन्ते | 5. खाद्येते, खाद्यन्ते | 6. क्षाल्येते, क्षाल्यन्ते |
| 7. स्थाप्येते, स्थाप्यन्ते | 8. मिल्येते, मिल्यन्ते | 9. ज्ञायेते, ज्ञायन्ते |
| 10. पत्येते, पत्यन्ते | 11. गृह्येते, गृह्यन्ते | 12. सूच्येते, सूच्यन्ते |
| 13. पाल्येते, पाल्यन्ते | 14. चोर्येते, चोर्यन्ते | 15. मिल्येते, मिल्यन्ते |
| 16. कथ्येते, कथ्यन्ते | 17. कुप्येते, कुप्यन्ते | 18. दस्येते, दस्यन्ते |
| 19. गम्येते, गम्यन्ते | 20. पीड्येते, पीड्यन्ते | 21. सह्येते, सह्यन्ते |
| 22. गण्येते, गण्यन्ते | 23. गर्ज्येते, गर्ज्यन्ते | 24. चिन्त्येते, चिन्त्यन्ते |
| 25. सिच्येते, सिच्यन्ते | | |

अभ्यासः - 197

- | | |
|--------------------------------|--------------------------------|
| 1. तेन देवाः नम्यन्ते । | 2. बालकेन वाक्यानि लिख्यन्ते । |
| 3. तया गीतानि गीयन्ते । | 4. कविना काव्ये रच्येते । |
| 5. मया बालाः सूच्यन्ते । | 6. एतेन लेखन्यः क्रीयन्ते । |
| 7. अध्यापकेन छात्रौ पाठ्येते । | 8. जनैः कार्याणि क्रियन्ते । |
| 9. त्वया शब्दाः चिन्त्यन्ते । | 10. वैद्येन रोगिणः दृश्यन्ते । |

11. बालया स्यूतौ क्रीयेते ।
13. सेवकेन सस्ये रोयेते ।
15. आरक्षकेण चारौ गृह्येते ।
17. सेविकया पात्रे प्रक्षाल्येते ।
19. धनिकेन शुनकौ पोष्येते ।

12. ग्रन्थपालेन ग्रन्थाः वितीर्यन्ते ।
14. कृषकेण वृषभौ पाल्येते ।
16. बालकेन फले खाद्यते ।
18. तेन बालौ ताड्येते ।
20. चालकैः यानानि चाल्यन्ते ।

अभ्यासः - 198

1. गुरुणा शिष्याः पाठ्यन्ते ।
3. शिक्षकेण बालौ आहूयेते ।
5. मया तौ दृश्येते ।
7. त्वया बालिके पीड्येते ।
9. मालया ते प्रेष्येते ।
11. गौतम्या कार्याणि क्रियन्ते ।
13. नारायणेन ग्रन्थाः नीयन्ते ।
15. सीतया कविते पठ्येते ।
17. महिलया शाटिकाः प्रक्षाल्यन्ते ।
18. स्वामिना सेवकाः निन्द्यन्ते ।

2. अर्चकेन देवाः अर्च्यन्ते ।
4. नायकेन सैनिकाः सूच्यन्ते ।
6. वैद्येन रुग्णाः उद्यन्ते ।
8. कृष्णेन गोप्यः अनुगृह्यन्ते ।
10. रमाकान्तेन छात्राः अभिनन्द्यन्ते ।
12. प्रकाशेन पत्राणि आनीयन्ते ।
14. प्रतिमया स्यूताः स्थाप्यन्ते ।
16. रमया पद्ये लिख्येते ।
18. सेविकया प्रकोष्ठौ मार्ज्येते ।
19. बालकेन नगराणि दृश्यन्ते ।

अभ्यासः - 199

1. लतया वस्त्राणि क्रीयन्ते ।
3. सुधया पुष्पाणि चीयन्ते ।
5. महिलया शाटिका क्रीयते । ?
7. कविना विचाराः सङ्गृह्यन्ते ।
9. मया वस्तूनि नीयन्ते ।
11. बालकेन कार्यं क्रियते ।
13. गीतया शाकं नीयते ।
15. मालाकार्या पुष्पाणि चीयन्ते ।

2. छात्रेण विषयः ज्ञायते ।
4. शिष्येण स्यूतः नीयते ।
6. रविणा जलं पीयते ।
8. भीमेन पुस्तकानि क्रीयन्ते । ?
10. धनिकेन धनं दीयते ।
12. सचिवेन भाषणं ज्ञायते ।
14. तैः पुस्तकानि स्वीक्रियन्ते ।
16. सैनिकेन युद्धं ज्ञायते ।

17. मनुना फलरसः पीयते ।
19. राधया शाटिका नीयते ।

18. शिशुना चलनं न ज्ञायते ।
20. शिक्षकया लेखनी क्रीयते । ?

अभ्यासः - 200

- | | | | |
|----------------|---------------|--------------|------------------|
| 1. लिख्यते | 2. पठ्यते | 3. उच्यते | 4. क्रियते |
| 5. क्रियते | 6. क्रियते | 7. पीयते | 8. पच्यते |
| 9. पठ्यन्ते | 10. श्रूयते | 11. गीयते | 12. उच्चार्यन्ते |
| 13. क्रियते | 14. क्रियन्ते | 15. लिख्येते | 16. निन्द्येते |
| 17. क्रीयेते ? | 18. गीयते | 19. रच्येते | 20. ज्वाल्येते |

अभ्यासः - 201

- | | | |
|------------------------------|---------------------------|----------------------------|
| 1. अस्ति, पठ्, सकर्मकः | 2. अस्ति, खाद्, सकर्मकः | 3. नास्ति, धाव, अकर्मकः |
| 4. अस्ति, स्मर्, सकर्मकः | 5. नास्ति, स्था, अकर्मकः | 6. अस्ति, वद्, सकर्मकः |
| 7. नास्ति, भष्, अकर्मकः | 8. अस्ति, श्रु, सकर्मकः | 9. अस्ति, निन्द्, सकर्मकः |
| 10. नास्ति, विकस्, अकर्मकः | 11. अस्ति, गम्, सकर्मकः | 12. नास्ति, हस्, अकर्मकः |
| 13. नास्ति, डी (डय्) अकर्मकः | 14. अस्ति, पा, सकर्मकः | 15. नास्ति, कम्प्, अकर्मकः |
| 16. अस्ति, नी (नय्), सकर्मकः | 17. नास्ति, वृध्, अकर्मकः | 18. अस्ति, रक्ष्, सकर्मकः |

अभ्यासः - 202

- | | | | |
|-----------------|-----------------|----------------|---------------|
| 1. हस्, यं, ते | 2. धाव्, य, ते | 3. स्था, य, ते | 4. भष्, य, ते |
| 5. मिल्, य, ते | 6. डी, य, ते | 7. वृध्, य, ते | 8. भू, य, ते |
| 9. कम्प्, य, ते | 10. रुद्, य, ते | | |

अभ्यासः - 203

- | | | | |
|------------|-------------|------------|--------------|
| 1. हस्यते | 2. रुद्यते | 3. स्थीयते | 4. कम्प्यते |
| 5. भूयते | 6. विकस्यते | 7. धाव्यते | 8. उपविश्यते |
| 9. मिल्यते | 10. भष्यते | | |

अभ्यासः - 204

- | | | |
|-------------------------------|---------------------------------|------------------------|
| 1. मूकेन न भाष्यते । | 2. मानवेन न उद्धीयते । | 3. पङ्गुना न धाव्यते । |
| 4. निद्रितेन न प्रस्थीयते । | 5. शिलया न कम्प्यते । | 6. पशुना न हस्यते । |
| 7. शिलामयमुकुलेन न विकस्यते । | 8. व्याघ्रमूर्त्या न गर्ज्यते । | 9. अपटुना न नृत्यते । |
| 10. वीरेण न पलाय्यते । | | |

अभ्यासः - 205

कर्मणः -

- | | | |
|------------------------------|------------------------------|-----------------------------|
| 1. रामेण पाठः पठ्यते । | 5. बालैः कन्दुकं क्रीड्यते । | 6. बालैः लेखः लिख्यते । |
| 8. बालैः देवः पूज्यते । | 10. बालेन तरुः कम्प्यते । | 12. बालेन गीतं गीयते । |
| 13. बालेन शास्त्रं ज्ञायते । | 14. त्वया न अखाद्यते । | 15. नटेन गानं श्रूयते । |
| 18. तेन प्रश्नः पृच्छ्यते । | 19. पित्रा पुत्रः ताड्यते । | 20. पित्रां श्लोकः उच्यते । |

भावस्य -

- | | | |
|----------------------|--------------------------|---------------------|
| 2. रामेण उपविश्यते । | 3. रामेण स्थीयते । | 4. पर्णेन पत्यते । |
| 7. बालैः धाव्यते । | 9. बालैः हस्यते । | 11. बालेन रुद्यते । |
| 16. नटेन नृत्यते । | 17. व्याघ्रेण गर्ज्यते । | |

अभ्यासः - 206

- | | | | |
|--------------------------------------|--------------------------------------|-----------------|----------------|
| 1. (i) दृश्यन्ते | (ii) परिपाल्यते | (iii) सेव्यन्ते | (iv) पूज्यन्ते |
| (v) तिरस्क्रियन्ते | | | |
| 2. (i) भक्तेन देवः पूज्यते । | (ii) कर्मचारिभिः कर्म क्रियते । | | |
| (iii) नेत्रा राजधर्माः पाल्यन्ते । | (iv) विद्यार्थिभिः गुरवः पूज्यन्ते । | | |
| (v) राज्ञा जनाः सेव्यन्ते । | (vi) अप्सरसा इन्द्रः वन्द्यते । | | |
| 3. (i) नागरिकाः कर्तव्यानि आचरन्ति । | (ii) जनाः व्यवहारं कुर्वन्ति । | | |
| (iii) राज्यम् अधिकारान् ददाति । | (iv) सर्वे भोजनं प्राप्नुवन्ति । | | |
| (v) गुरवः छात्रान् पाठयन्ति । | (vi) विद्वांसः यज्ञं कुर्वन्ति । | | |

अभ्यासः - 207

- | | | | |
|--------------|-------------|------------|--------------|
| 1. अक्रीड्यत | 2. अरच्यत | 3. अपूर्यत | 4. अमार्ज्यत |
| 5. अकथ्यत | 6. अखण्ड्यत | 7. अध्रियत | 8. अस्नायत |
| 9. अस्थीयत | 10. अक्रियत | 11. अपीयत | |

अभ्यासः - 208

- | | |
|------------------------------------|------------------------------------|
| 2. लिख्यते, अलिखत्, अलिख्यत | 3. क्रीड्यते, अक्रीडत्, अक्रीड्यत् |
| 4. गम्यते, अगच्छत्, अगम्यत | 5. क्षाल्यते, अक्षालयत्, अक्षाल्यत |
| 6. पाठ्यते, अपाठयत्, अपाठ्यत | 7. ज्ञायते, अजानात्, अज्ञायत |
| 8. क्रियते, अकरोत्, अक्रियत | 9. नीयते, अनयत्, अनीयत |
| 10. श्रूयते, अशृणोत्, अश्रूयत | 11. गृह्यते, अगृह्णात्, अगृह्यत |
| 12. घ्रायते, अजिघ्रत्, अघ्रायत | 13. दृश्यते, अपश्यत्, अदृश्यत |
| 14. स्पृश्यते, अस्पृशत्, अस्पृश्यत | 15. ह्रियते, अहरत्, अह्रियत |
| 16. ध्रियते, अधरत्, अध्रियत | 17. गीयते, अगायत्, अगीयत |
| 18. ध्यायते, अध्यायत्, अध्यायत | 19. गण्यते, अगणयत्, अगण्यत |
| 20. क्रीयते, अक्रीणात्, अक्रीयत | |

अभ्यासः - 209

- | | |
|----------------------------------|-----------------------------|
| 1. तेन गीतम् अगीयत । | 2. तया श्लोकः अस्मर्यत । |
| 3. मया कार्यम् अक्रियत । | 4. भवता वाक्यम् अलिख्यत । |
| 5. ग्रन्थकारेण ग्रन्थः अरच्यत । | 6. कथाकारेण कथा अश्राव्यत । |
| 7. चालकेन यानम् अचाल्यत । | 8. बालकेन जलम् अपीयत । |
| 9. महिलया चित्रम् अरच्यत । | 10. अध्यक्षेण सभा अभूष्यत । |
| 11. सेवकेन प्रकोष्ठः अमार्ज्यत । | 12. मया वस्त्रं अक्षाल्यत । |
| 13. देवदत्तेन वेदः अज्ञायत । | 14. तया चित्रम् अदृश्यत । |
| 15. भवता धनं अदीयत । | |

अभ्यासः - 210

- | | |
|------------------------------|---------------------------------|
| 1. तेन शिला अक्षिप्यत । | 2. अनया भित्तिः अस्पृश्यत । |
| 3. भवता तात्पर्यम् अज्ञायत । | 4. दुष्टेन सज्जनः अपीड्यते । |
| 5. सेवकेन सस्यम् असिच्यत । | 6. अग्निना गृहम् अदह्यत । |
| 7. चोरेण धनम् अचोर्यत । | 8. तया वस्त्रम् अस्थाप्यत । |
| 9. कृषकेण धेनुः अपाल्यत । | 10. ग्रामीणैः सस्यम् अपोष्यत । |
| 11. गुरुणा धर्मः अबोध्यत । | 12. माजरिण मूषिकः अखाद्यत । |
| 13. मया दुरभ्यासः अत्यज्यत । | 14. गृहस्वामिना कष्टम् असह्यत । |
| 15. भवता देवः अवन्द्यत । | |

अभ्यासः - 211

- | | | |
|--------------------------------|-------------------------------|---------------------------|
| 1. अखन्येताम्, अखन्यत | 2. अक्षिप्येताम्, अक्षिप्यन्त | 3. अनृत्येताम्, अनृत्यन्त |
| 4. अमार्ज्येताम्, अमार्ज्यन्त | 5. अगण्येताम्, अगण्यन्त | 6. अचाल्येताम्, अचाल्यन्त |
| 7. अपूज्येताम्, अपूज्यन्त | 8. अबुध्येताम्, अबुध्यन्त | 9. अहस्येताम्, अहस्यन्त |
| 10. अचिन्त्येताम्, अचिन्त्यन्त | | |

अभ्यासः - 212

- | | | | |
|------------------|----------------|------------------|-------------------|
| 1. अनृत्यत | 2. अगम्यत | 3. अचल्येताम् | 4. अदृश्यन्त |
| 5. अभूयत | 6. *अहस्येताम् | 7. अक्रियत | 8. अगद्यन्त |
| 9. अखण्ड्येताम् | 10. अक्षिप्यत | 11. अमार्ज्यन्त | 12. अचुम्ब्येताम् |
| 13. अपीयत | 14. अकथ्यन्त | 15. *अस्थीयेताम् | 16. अदृश्यत |
| 17. अकर्त्यन्त | 18. अचुट्यत | 19. *अभष्येताम् | 20. औष्यत |
| 21. *अकम्यन्त | 22. अदश्यत | 23. अचर्येताम् | 24. अपूर्यन्त |
| 25. अबध्यत | 26. अभायत | 27. अनद्यत | 28. अदीयत |
| 29. अमर्ष्येताम् | 30. अमुच्यत | 31. अवर्ष्येताम् | 32. अरुह्यन्त |
| 33. अकृष्यत | 34. अवम्यन्त | 35. अशक्यत | 36. अरच्यत |
| 37. अदर्श्यत | 38. अपठ्यत | 39. अक्रीड्यत | 40. अलुप्यन्त |

* भावे केवलं प्रथमपुरुषस्य एकवचनस्य एव प्रयोगः । अतः एषः प्रयोगः न भवति ।

अभ्यासः - 213

- | | | | |
|----------------|---------------|-----------------|-----------------|
| 1. अदृश्यन्त | 2. आर्च्यत | 3. अशक्यत | 4. अगम्यत |
| 5. अक्रियेताम् | 6. अखाद्यत | 7. अक्षिप्यत | 8. अखण्ड्यन्त |
| 9. अघोष्यन्त | 10. अचर्च्यत | 11. अचूष्यन्त | 12. अज्ञायत |
| 13. अत्यज्यत | 14. अदुह्यन्त | 15. अदीयत | 16. अनिन्द्यन्त |
| 17. अलिख्यन्त | 18. अध्रियत | 19. अदृश्येताम् | 20. अदण्ड्यत |

अभ्यासः - 214

- | | |
|--|--|
| 1. शिक्षकेण गणितविषयः अबोध्यत । | 2. इतिहासविद्भिः तिरुपतिमन्दिरम् अदृश्यत । |
| 3. पुत्रेण जनकस्य परिचयः अज्ञायत । | 4. गुरुणा शिष्याः आदिश्यन्त । |
| 5. शिक्षिकया छात्रः अपाठ्यत । | 6. देवैः फलानि न अखाद्यन्त । |
| 7. छात्रेण परीक्षापुस्तिकायाम् अलिख्यत । | 8. राजीवेन चलचित्रम् अदृश्यत । |
| 9. युवत्या शाटिका अध्रियत । | 10. लेखकेन लेखाः अरच्यन्त । |
| 11. कविना कविता अरच्यत । | 12. धनिकेन धनम् अदीयत । |
| 13. मधुपैः मधु अचूष्यत । | 14. सत्पुरुषैः मूर्खाः अनिन्द्यन्त । |
| 15. काकेन जलम् अपीयत । | 16. शिशुना गुलिका अगित्यत । |
| 17. मात्रा पुत्रः अबोध्यत । | 18. शिक्षकेण दुष्टबालकाः अदण्ड्यन्त । |
| 19. शिशुना उपनेत्रम् अक्षिप्यत । | 20. पुरुषैः नदी अतीर्यत । |

अभ्यासः - 215

- | | | |
|--------------------------|----------------------|-------------------|
| 2. (i) परि + अह्रियत | (ii) इ + अ = य | (iii) पर्याह्रियत |
| 3. (i) विं + दार्यते | (ii) इ + अ = य | (iii) व्यदार्यत |
| 4. (i) निर् + अह्रियत | (ii) र् + अ = र | (iii) निरह्रियत |
| 5. (i) वि + अह्रियत | (ii) इ + अ = य | (iii) व्यह्रियत |
| 6. (i) उद् + आ + अह्रियत | (ii) द् + आ + अ = दा | (iii) उदाह्रियत |
| 7. (i) वि + अक्रीयत | (ii) इ + अ = य | (iii) व्यक्रीयत |
| 8. (i) उप + अक्रियत | (ii) अ + अ = आ | (iii) उपाक्रियत |

- | | | |
|-----------------------------|---------------------------|--------------------|
| 9. (i) अनु + अक्रियत | (ii) उ + अ = व | (iii) अन्वक्रियत |
| 10. (i) प्र + अक्रियत | (ii) अ + अ = आ | (iii) प्राक्रियत |
| 11. (i) निर् + आ + अक्रियत | (ii) र् + आ + अ = रा | (iii) निराक्रियत |
| 12. (i) सम् + अक्रियत | (ii) म् + अ = म | (iii) समक्रियत |
| 13. (i) उप + अक्रियत | (ii) अ + अ = आ | (iii) उपाक्रियत |
| 14. (i) वि + अव + अस्थाप्यत | (ii) इ + अ = य, अ + अ = आ | (iii) व्यवस्थाप्यत |
| 15. (i) परा + अक्रियत | (ii) आ + अ = आ | (iii) पराक्रियत |

अभ्यासः - 216

- | | | | |
|---------------|----------------|--------------|----------------|
| 1. अपाक्रियत | 2. समक्रियत | 3. व्यक्रियत | 4. प्राकृष्यत |
| 5. प्राणम्यत | 6. उपास्थाप्यत | 7. समचर्यत | 8. प्राकम्प्यत |
| 9. पर्यक्रियत | 10. उदाह्रियत | | |

अभ्यासः - 217

- | | |
|--|--|
| 1. कृषिकः क्षेत्रं प्राकर्षत् । कर्तरि भूते
कृषिकेण क्षेत्रं प्राकृष्यत । कर्मणि भूते | 2. भक्तः देवं प्राणमत् । कर्तरि भूते
भक्तेन देवः प्राणम्यत । कर्मणि भूते |
| 3. नृपः राज्यं प्राददात् । कर्तरि भूते
नृपेण राज्यं प्रादीयत । कर्मणि भूते | 4. चालकः यानं समचालयत् । कर्तरि भूते
चालकेन यानं समचाल्यत । कर्मणि भूते |
| 5. नायकः खलनायकं पराकरोत् । कर्तरि भूते
नायकेन खलनायकः पराक्रियत । कर्मणि भूते | 6. शिक्षकः कृष्णफलकं सममार्जयत् । कर्तरि भूते
शिक्षकेण कृष्णफलकं सममार्ज्यत । कर्मणि भूते |
| 7. वैयाकरणः स्वमतम् उपास्थापयत् । कर्तरि भूते
वैयाकरणेन स्वमतम् उपास्थाप्यत । कर्मणि भूते | 8. माता दीपं प्राज्वलयत् । कर्तरि भूते
मात्रा दीपः प्राज्वल्यत । कर्मणि भूते |
| 9. रामः रावणं समहरत् । कर्तरि भूते
रामेण रावणः समह्रियत । कर्मणि भूते | 10. रमेशः द्ररिद्रम् उपाकरोत् । कर्तरि भूते
रमेशेन द्ररिद्रः उपाक्रियत । कर्मणि भूते |

अभ्यासः - 218

- | | | | |
|-----------|-----------|------------|---------|
| 2. पाठितः | 3. लिखिता | 4. दृष्टम् | 5. नीतः |
|-----------|-----------|------------|---------|

6. दत्ता	7. श्रुतः	8. चोरितानि	9. ज्ञातम्
10. गीतम्	11. स्मृतः	12. पृष्टाः	13. प्रेषितः
14. रचिता	15. बुद्धाः	16. तर्जितः	17. दण्डितः
18. पीतम्	19. उक्तः	20. गतः	

अभ्यासः - 219

- | | | |
|----------------------------------|------------------------------------|------------------------------|
| 1. पुरुषेण कार्यं कृतम् । | 2. शिक्षकेण पाठः पाठितः । | 3. कविना कविता लिखिता । |
| 4. गोविन्देन ग्रामः गतः । | 5. मया चित्रं दृष्टम् । | 6. उपाध्यायेन चायं पीतम् । |
| 7. महिलाया शाटिका धृता । | 8. यान्त्रिकेण यन्त्रं निर्मितम् । | 9. चालकेन यानं चालितम् । |
| 10. राजीवेन मिष्टान्नं खादितम् । | 11. रामेण रावणः हतः । | 12. रावणेन सीता अपहृता । |
| 13. मया जर्मनभाषा विस्मृता । | 14. अलसेन उपायः चिन्तितः । | 15. द्रविदेण धनं प्राप्तम् । |
| 16. देवेन भक्तः रक्षितः । | 17. धीवरेण जालं प्रसारितम् । | 18. भक्तेन देवः अर्चितः । |
| 19. जनन्या पुत्रः आहूतः । | 20. एतेन व्यसनं त्यक्तम् । | |

अभ्यासः - 220

- | | | | |
|-----------------------------------|--------------------------------|----------------|-----------------|
| 1. (i) आरभ्यत | (ii) अक्रियत | (iii) समारभ्यत | (iv) समुदपाद्यत |
| 2. (ii) अगच्छत् | (iii) अकरोत् | (iv) आचरत् | (v) आरभत |
| (vi) अयाचत | | | |
| 3. (i) शिशुना चन्द्रः अदृश्यत । | (ii) राज्ञा प्रजाः अपात्यन्त । | | |
| (iii) मन्त्रिणा सन्देशः अभाष्यत । | (iv) गौर्या शिवः असेव्यत । | | |
| (v) मया नगरम् अगम्यत । | | | |

अभ्यासः - 221

- | | |
|--------------------------------|--------------------------------|
| 1. नी + य + ताम् = नीयताम् | 2. दी + य + ताम् = दीयताम् |
| 3. श्रू + य + ताम् = श्रूयताम् | 4. उद् + य + ताम् = उद्यताम् |
| 5. गम् + य + ताम् = गम्यताम् | 6. तीर् + य + ताम् = तीर्यताम् |
| 7. क्रि + य + ताम् = क्रियताम् | 8. खाद् + य + ताम् = खाद्यताम् |

- | | |
|-------------------------------------|-------------------------------------|
| 9. हि + य + ताम् = हियताम् | 10. कृष् + य + ताम् = कृष्यताम् |
| 11. स्मर् + य + ताम् = स्मर्यताम् | 12. पूज् + य + ताम् = पूज्यताम् |
| 13. पाल् + य + ताम् = पाल्यताम् | 14. प्राप् + य + ताम् = प्राप्यताम् |
| 15. प्रणम् + य + ताम् = प्रणम्यताम् | 16. गी + य + ताम् = गीयताम् |
| 17. त्यज् + य + ताम् = त्यज्यताम् | 18. गृह् + य + ताम् = गृह्यताम् |

अभ्यासः - 222

- | | | |
|--------------------------------|--------------------------|----------------------------|
| 1. ज्ञायते, ज्ञायताम् | 2. निन्दते, निन्दताम् | 3. नृत्यते, नृत्यताम् |
| 4. गीयते, गीयताम् | 5. पीयते, पीयताम् | 6. रक्ष्यते, रक्ष्यताम् |
| 7. तीर्यते, तीर्यताम् | 8. नीयते, नीयताम् | 9. उपविश्यते, उपविश्यताम् |
| 10. परिह्रियते, परिह्रियताम् | 11. नश्यते, नश्यताम् | 12. गृह्यते, गृह्यताम् |
| 13. श्रूयते, श्रूयताम् | 14. दीयते, दीयताम् | 15. आगम्यते, आगम्यताम् |
| 16. निराक्रियते, निराक्रियताम् | 17. दृश्यते, दृश्यताम् | 18. उपदिश्यते, उपदिश्यताम् |
| 19. उद्यते, उद्यताम् | 20. स्मर्यते, स्मर्यताम् | |

अभ्यासः - 223

- | | | |
|----------------------------|----------------------------|----------------------------|
| 1. श्रूयेताम्, श्रूयन्ताम् | 2. दृश्येताम्, दृश्यन्ताम् | 3. हस्येताम्, हस्यन्ताम् |
| 4. खाद्येताम्, खाद्यन्ताम् | 5. क्रियेताम्, क्रियन्ताम् | 6. त्यजेताम्, त्यज्यन्ताम् |
| 7. वन्देताम्, वन्द्यन्ताम् | 8. सेव्येताम्, सेव्यन्ताम् | 9. भज्येताम्, भज्यन्ताम् |
| 10. पीयेताम्, पीयन्ताम् | | |

अभ्यासः - 224

- | | | |
|---------------------|----------------------|--------------------|
| 1. क्षीरं पीयताम् । | 2. अन्नं खाद्यताम् । | 3. गृहं गम्यताम् । |
| 4. भारः उह्यताम् । | 5. उपदेशः दीयताम् । | |

अभ्यासः - 225

- | | | |
|------------------------|------------------------|-------------------------|
| 1. पद्ये गीयेताम् । | 2. लेखन्यौ आनीयेताम् । | 3. पुस्तके क्रीयेताम् । |
| 4. स्यूतौ गृह्येताम् । | 5. पितरौ आहूयेताम् । | |

अभ्यासः - 226

- | | | |
|---------------------------|----------------------------|-------------------------|
| 1. चित्राणि दृश्यन्ताम् । | 2. शब्दाः श्रूयन्ताम् । | 3. मातरः वन्द्यन्ताम् । |
| 4. नद्यः तीर्यन्ताम् । | 5. उत्तराणि स्मर्यन्ताम् । | |

अभ्यासः - 227

- | | | | |
|------------------|---------------|----------------|---------------|
| 1. क्षाल्यन्ताम् | 2. क्रियताम् | 3. पाल्यन्ताम् | 4. आरुह्यताम् |
| 5. उह्यताम् | 6. ज्ञायताम् | 7. घुष्यताम् | 8. विरच्यताम् |
| 9. कीर्त्यन्ताम् | 10. कृष्यताम् | | |

अभ्यासः - 228

- | | |
|--------------------------------------|--------------------------------------|
| 1. सेविकया गृहकार्याणि क्रियन्ताम् । | 2. अशक्तेन सौलभ्यं प्राप्यताम् । |
| 3. रक्षकभटैः चोराः निगृह्यन्ताम् । | 4. सैनिकैः राष्ट्रं रक्ष्यताम् । |
| 5. बालिकाभिः गीतं गीयताम् । | 6. पितृभिः कुपुत्राः दण्ड्यन्ताम् । |
| 7. अर्चकेन पूजा क्रियताम् । | 8. अग्रजेन अनुजाः नीयन्ताम् । |
| 9. मात्रा शाकाः क्रीयन्ताम् । | 10. सिंहेन मृगाः खाद्यन्ताम् । |
| 11. धेन्वा क्षीरं दीयताम् । | 12. तैः जलं पीयताम् । |
| 13. तया मुखं प्रक्षाल्यताम् । | 14. मुकुन्देन स्वमित्रम् आहूयताम् । |
| 15. कपिना वृक्षः आरुह्यताम् । | 16. गुरुभिः विद्यालयः गम्यताम् । |
| 17. गोभिः तृणानि चर्यन्ताम् । | 18. साधुभिः सदुपदेशः क्रियताम् । |
| 19. जनैः चित्राणि दृश्यन्ताम् । | 20. सर्वैः पापकर्माणि त्यज्यन्ताम् । |

अभ्यासः - 229

- | | | | |
|---------------------------------------|-----------------------------|-----------------|--------------------|
| 1. (i) क्रियताम् | (ii) अभिनीयताम् | (iii) नाट्यताम् | (iv) व्याह्रियताम् |
| (v) आगम्यताम् | | | |
| 2. (ii) कथयतु | (iii) भवतु | (iv) ब्रवीतु | (v) ददातु |
| (vi) गच्छतु | (vii) आनयतु | (viii) पश्यतु | |
| 3. (ii) गुरुणा शिष्याः आदिश्यन्ताम् । | (iii) मात्रा ओदनः दीयताम् । | | |
| (iv) सर्वैः विद्यालयः गम्यताम् । | (v) वध्वा माता सेव्यताम् । | | |

पञ्चमः स्तवकः

अभ्यासः - 230

- | | | |
|-------------------------|-------------------------|---------------------|
| 1. स्वच्छम्, गृहम् | 2. दीर्घः, बाहुः | 3. रक्तम्, वस्त्रम् |
| 4. लम्बः, कर्णः | 5. उन्नतम्, वक्षःस्थलम् | 6. निपुणः, अध्यापकः |
| 7. पुरातनी, पत्रिका | 8. कोमलम्, पत्रम् | 9. महान्, श्रमः |
| 10. बुद्धिमान्, मन्त्री | | |

अभ्यासः - 231

- | | | |
|------------------------|------------------------|---------------------------|
| 1. रक्तं, रक्तः, रक्ता | 2. हरिता, हरितः, हरितं | 3. उत्तमा, उत्तमः, उत्तमं |
| 4. कुशला, कुशलः, कुशला | 5. वृद्धः, वृद्धा | |

अभ्यासः - 232

- | | | | |
|--------------|------------|---------|----------------|
| 1. सुन्दर्यौ | 2. नूतनानि | 3. वीरौ | 4. बुद्धिमन्तः |
| 5. पूज्याः | | | |

अभ्यासः - 233

- | | | | |
|-------------|---------|-------------|-----------|
| 1. उत्तमस्य | 2. महते | 3. दयालूनां | 4. धीमतां |
| 5. एतस्य | | | |

अभ्यासः - 234

- क. I. बुद्धिमन्तं, बुद्धिमता, बुद्धिमते, बुद्धिमतः, बुद्धिमतः, बुद्धिमति
 II. बुद्धिमतीम्, बुद्धिमत्या, बुद्धिमत्यै, बुद्धिमत्याः, बुद्धिमत्याः, बुद्धिमत्यां
 III. नश्यत्, नश्यता, नश्यते, नश्यतः, नश्यतः, नश्यति
- ख. I. श्रेष्ठान्, श्रेष्ठैः, श्रेष्ठेभ्यः, श्रेष्ठेभ्यः, श्रेष्ठानां, श्रेष्ठेषु
 II. सुन्दरीः, सुन्दरीभिः, सुन्दरीभ्यः, सुन्दरीभ्यः, सुन्दरीणां, सुन्दरीषु
 III. मधुराणि, मधुरैः, मधुरेभ्यः, मधुरेभ्यः, मधुराणां, मधुरेषु

अभ्यासः - 235

1. कुशलाय	2. सुन्दरः	3. उत्तमात्	4. वृद्धं
5. विशालस्य	6. समृद्धात्/समृद्धस्य	7. सुदीर्घे	8. मलिनायां
9. उत्तमां	10. स्थूला	11. प्रवीणया	12. विशालायै
13. वृद्धायाः	14. पवित्रायाः	15. नूतनायां	16. पुरातनं
17. पक्वं	18. स्वच्छेन	19. विशालस्य	20. समग्राय
21. उन्नतात्	22. पराधीने		

अभ्यासः - 236

1. बालिकाम्	2. वस्त्राय	3. उपायेन	4. नगरात्
5. जले	6. अध्यापकस्य	7. उपकाराय	8. सेवकाय
9. धनिकेन	10. पितुः	11. पत्रात्	12. सभायै
13. मातुः	14. नेत्रयोः	15. विद्यानाम्	16. शिशुना
17. श्रमेण	18. गगनस्य	19. कथायाः	20. वृक्षाणाम्
21. जनेन	22. शाटिकायाम्	23. फलेषु	24. वक्तारः
25. श्रीमन्तः	26. राष्ट्रे	27. पत्रिकासु	28. भूमौ
29. पात्रेषु	30. पुस्तके		

अभ्यासः - 237

1. पुरातने	2. नूतनेषु	3. पवित्रं	4. उत्तमः
5. पक्वानि	6. वृद्धेन	7. नीले	8. अभिज्ञस्य
9. प्राचीनां	10. स्वच्छे	11. बुद्धिमन्तः	12. वृद्धायाः
13. पक्वानां	14. कोमलायां	15. दयालवः	16. निर्मले
17. महता	18. सकलानां	19. समग्रं	20. शीतले
21. उन्नतेषु	22. उत्तमेषु	23. महतां	24. रिक्तेषु
25. नूतनानां	26. महते	27. लघुना	28. नूतना
29. अभिज्ञानां	30. उत्तमा		

अभ्यासः - 238

- | | |
|----------------------------------|---|
| 1. कुशलाः, सरलेन, नूतनान् | 2. विशालस्य, कृष्णा, कोमलानि |
| 3. सुन्दर्यः, सुदीर्घे, सहृदयैः | 4. प्रवीणाः, उत्तमैः, सम्पूर्णैः |
| 5. धीमन्तः, समग्रस्य, महते | 6. निपुणः, पुरातनानि, मलिनानि, स्वच्छेन |
| 7. बुद्धिमती, नूतनानि, समीचीनानि | 8. वृद्धा, मधुरया, सरसाः |
| 9. ज्येष्ठा, रिक्तेषु, शीतलं | 10. दक्षाः, स्वकीयेन, बहूनि |
| 11. निर्मले, शुभ्रा, शारदीं | 12. पटुः, मुक्तैः, प्रसिद्धान् |
| 13. भारतीयाः, मातृभूमेः, पूर्णा | 14. अभिज्ञाः, लघुना, महत् |
| 15. सहजेन, नूतनया, देवभाषां | |

अभ्यासः - 239

- | | | | |
|-------------|------------|-------------|------------|
| 1. सः | 2. तेन | 3. तां | 4. तस्मै |
| 5. तस्मात् | 6. तस्मिन् | 7. तस्य | 8. तस्य |
| 9. तेषां | 10. तयोः | 11. तस्मिन् | 12. तया |
| 13. ताभ्यां | 14. ताभ्यः | 15. ताभिः | 16. तस्याः |
| 17. तासां | 18. तस्यां | 19. तस्मिन् | 20. तेषु |

अभ्यासः - 240

- | | | | |
|------------|-------------|-------------|-------------|
| 1. एतस्मै | 2. एतेभ्यः | 3. एतेषु | 4. एतां |
| 5. कस्मिन् | 6. एतस्मिन् | 7. एतस्मै | 8. एताभ्यां |
| 9. एताभिः | 10. एतस्याः | 11. एते | 12. एतौ |
| 13. एते | 14. एतानि | 15. एतत् | 16. एषः |
| 17. एतानि | 18. एते | 19. एतस्याः | 20. एतौ |

अभ्यासः - 241

1. अहं बुद्धिमत्या बालिकया रेखया सह पठामि ।
2. सर्वे सुधीरस्य विभुदत्तस्य प्रशंसाम् अकुर्वन् ।

3. संस्कृतज्ञाः विद्याभूमिं वाराणसीं नगरीम् अवश्यं गच्छेयुः ।
4. पवित्रायां नद्यां भक्ताः स्नानं कुर्वन्ति ।
5. विश्वप्रसिद्धे श्रीजगन्नाथमन्दिरे बलभद्रः सुभद्रा च स्तः ।
6. छात्राः कुशलानाम् अध्यापकानां निकटे पठेयुः ।
7. दीर्घे राजमार्गे यानानि चलन्ति ।
8. विशाले अरण्ये बहवः जन्तवः आसन् ।
9. स्वच्छेन जलेन माता पाकं करोति ।
10. बुद्धिमतः भारतीयवैज्ञानिकान् सर्वे निमन्त्रयन्ति ।
11. छात्राः विद्यादात्र्याः सरस्वत्याः पूजां कुर्वन्ति ।
12. सरलं संस्कृतं सर्वे जानीयुः ।
13. भवन्तः वृद्धैः जनैः सह विचारयन्तु ।
14. उन्नतेषु वृक्षेषु वानराः क्रीडन्ति ।
15. वयं शीलतेन जलेन स्नानं कुर्मः ।
16. सर्वकारस्य नूतनाभिः योजनाभिः देशः सुसमृद्धः भवति ।
17. सुन्दरेषु तपोवनेषु मुनयः तपस्याम् अकुर्वन् ।
18. तस्यां दिनपत्रिकायां परीक्षाफलं प्रकाशितम् ।
19. भारतस्य राजधान्यां नवदेहल्यां राजनेतारः निवसन्ति ।
20. स्वभावेन सरलाः संस्कृतज्ञाः सर्वत्र अभिनन्दिताः भवन्ति ।

अभ्यासः - 242

- | | | |
|-------------------------|-----------------------|----------------------|
| 1. (i) पुत्रः, प्रियः | (ii) पुत्रः, कनिष्ठः | (iii) राज्ञी, मध्यमा |
| (iv) युद्धं, महत् | (v) दशरथः, प्रसन्नः | (vi) अरण्यम्, घनम् |
| (vii) प्रजाः, रामभक्ताः | (viii) रामः, दृढव्रतः | (ix) पत्नी, पतिव्रता |
| (x) कष्टम्, प्रभूतम् | | |
-
- | | | | |
|---------------|-------------|----------------|-----------|
| 2. (i) पुत्रः | (ii) कष्टम् | (iii) अङ्गुलिः | (iv) भवने |
| (v) भक्त्या | | | |

3. (i) प्रियः (ii) मधुरम् (iii) सूक्ष्मा (iv) महत्याम्
(v) दीर्घायै

अभ्यासः - 243

एकवचनम् — केन + चित् = केनचित्, कस्मै + चित् = कस्मैचित्, कस्य + चित् = कस्यचित्

द्विवचनम् — कौ + चित् = कौचित्, काभ्याम् + चित् = काभ्याञ्चित्, काभ्याम् + चित् = काभ्याञ्चित्, कयोः + चित् = कयोश्चित्

बहुवचनम् — केभ्यः + चित् = केभ्यश्चित्, केषु + चित् = केषुचित्

अभ्यासः - 244

2. केभ्यः 3. कयोश्चित् 4. कान् 5. कस्मिंश्चित्

अभ्यासः - 245

एकवचनम् — कया + चित् = कयाचित्, कस्यै + चित् = कस्यैचित्, कस्याः + चित् = कस्याश्चित्

द्विवचनम् — के + चित् = केचित्, काभ्यां + चित् = काभ्याञ्चित्, काभ्यां + चित् = काभ्याञ्चित्, कयोः + चित् = कयोश्चित्

बहुवचनम् — काभ्यः + चित् = काभ्यश्चित्, कासां + चित् = कासाञ्चित्

अभ्यासः - 246

1. काश्चित् 2. कयोः 3. काभ्यश्चित् 4. काभिः

अभ्यासः - 247

- | | | | |
|------------------|----------------|-----------------|-------------------------|
| 1. कश्चित् | 2. काञ्चित् | 3. केनचित् | 4. कञ्चित् |
| 5. कस्मैचित् | 6. कस्याश्चित् | 7. कस्माच्चित् | 8. कस्माच्चित्/कस्यचित् |
| 9. काभ्याञ्चित् | 10. कयोश्चित् | 11. कस्याञ्चित् | 12. कासुचित् |
| 13. कस्मिंश्चित् | 14. कयोश्चित् | 15. केषुचित् | 16. कस्माच्चित् |
| 17. कासाञ्चित् | 18. केषाञ्चित् | 19. काचित् | 20. किञ्चित् |

- | | | | |
|----------------|--------------|--------------|-----------------|
| 21. केनचित् | 22. कानिचित् | 23. केषुचित् | 24. कस्याञ्चित् |
| 25. काश्चित् | 26. केचित् | 27. कैश्चित् | 28. केभ्यश्चित् |
| 29. केषाञ्चित् | 30. कासुचित् | | |

अभ्यासः - 248

- | | | | |
|-----------------|-----------------|------------------|------------------|
| 1. केनचित् | 2. कस्मैचित् | 3. कस्मिंश्चित् | 4. केनचित् |
| 5. कैश्चित् | 6. कश्चित् | 7. कस्यचित् | 8. कस्मिंश्चित् |
| 9. केषुचित् | 10. केषुचित् | 11. कानिचित् | 12. कयोश्चित् |
| 13. कानिचित् | 14. केचित् | 15. केचित् | 16. कौचित् |
| 17. कौचित् | 18. कांश्चित् | 19. केभ्यश्चित् | 20. केनचित् |
| 21. काचित् | 22. केचित् | 23. काश्चित् | 24. काञ्चित् |
| 25. केचित् | 26. काश्चित् | 27. कयाचित् | 28. काभ्याञ्चित् |
| 29. काभिश्चित् | 30. कस्यैचित् | 31. काभ्याञ्चित् | 32. काभ्यश्चित् |
| 33. कस्याश्चित् | 34. काभ्यश्चित् | 35. कस्याञ्चित् | 36. कासुचित् |
| 37. कयोश्चित् | 38. कासाञ्चित् | 39. कस्याञ्चित् | 40. कासुचित् |

अभ्यासः - 249

- | | | | |
|--------------|---------------|--------------|---------------|
| 1. कदाचित् | 2. कुतश्चित् | 3. कदाचित् | 4. कानिचित् |
| 5. कदाचित् | 6. कथञ्चित् | 7. कुत्रचित् | 8. कथञ्चित् |
| 9. कतिचित् | 10. कदाचित् | 11. कथञ्चित् | 12. कतिचित् |
| 13. कथञ्चित् | 14. कदाचित् | 15. कथञ्चित् | 16. कुत्रचित् |
| 17. काञ्चिद् | 18. कुत्रचित् | 19. कतिचित् | |

अभ्यासः - 250

- | | | | |
|---------------|--------------|---------------|-----------------|
| 1. कयाचित् | 2. कश्चित् | 3. कस्यैचित् | 4. कस्याञ्चित् |
| 5. कस्यचित् | 6. किञ्चित् | 7. कञ्चित् | 8. केषुचित् |
| 9. काभिश्चित् | 10. कासुचित् | 11. काचित् | 12. काश्चित् |
| 13. केचित् | 14. काश्चित् | 15. कस्यैचित् | 16. कस्याश्चित् |

17. कस्याश्चित् 18. कस्माच्चित् 19. कैश्चित् 20. काश्चित्

अभ्यासः - 251

1. कश्चित् 2. कश्चित् 3. काचित् 4. काचित्
5. काचित् 6. किञ्चित् 7. किञ्चित्

अभ्यासः - 252

1. कौचित् 2. केचित् 3. काचित् 4. केचित्
5. काश्चित् 6. केनचित् 7. केचित् 8. कानिचित्
9. किञ्चित् 10. कश्चित्

अभ्यासः - 253

1. केचित् 2. काश्चित् 3. केचित् 4. काचित्
5. कश्चित् 6. काश्चित् 7. कानिचित् 8. काश्चित्
9. केचन 10. काचित् 11. केचित् 12. केचित्
13. कौचित् 14. कश्चित् 15. काश्चित्

अभ्यासः - 254

- पुं. — 1. केचित् 2. कश्चित् 3. कौचित् 4. कञ्चित्
5. कौचित् 6. कस्माच्चित् 7. कस्मिंश्चित् 8. केनचित्
9. कस्मैचित् 10. कस्यचित् 11. केषुचित् 12. काभ्याञ्चित्
13. केषुचित् 14. कयोश्चित् 15. केषुचित्

- स्त्री. — 1. काचित् 2. कस्याश्चित् 3. कस्याश्चित् 4. कस्याश्चित्
5. कस्याश्चित् 6. कस्याञ्चित् 7. काञ्चित् 8. कयाचित्
9. कस्याश्चित् 10. कस्यैचित्

अभ्यासः - 255

1. (i) कश्चित् (ii) काश्चन (iii) कानिचन (iv) कश्चन

(v) काश्चन	(vi) कस्मिंश्चित्	(vii) केनचित्	(viii) काञ्चित्
(ix) कतिचन	(x) कस्मैचित्		
2. (i) कश्चित्	(ii) किञ्चित्	(iii) कस्यचित्	(iv) कस्याञ्चित्
(v) काञ्चित्	(vi) काश्चित्	(vii) कांश्चित्	(viii) कस्याश्चित्
(ix) कस्मिंश्चित्	(x) केषुचित्		

अभ्यासः - 256

1. एकः	2. एका	3. एकेन	4. एकया
5. एकस्मात्	6. एकस्याः	7. एकं	8. एकं
9. एकस्यै	10. एकः	11. एकः	12. एकेन
13. एकेन	14. एकस्याः	15. एकस्य	16. एकस्मिन्
17. एकस्याम्	18. एकम्	19. एकस्य	20. एकस्याः

अभ्यासः - 257

1. द्वाभ्यां	2. द्वौ	3. द्वे	4. द्वे
5. द्वौ	6. द्वाभ्यां	7. द्वाभ्यां	8. द्वयोः
9. द्वयोः	10. द्वयोः	11. द्वयोः	12. द्वयोः
13. द्वयोः	14. द्वाभ्यां	15. द्वाभ्यां	

अभ्यासः - 258

1. तिस्रः	2. त्रीणि	3. त्रीन्	4. तिस्रः
5. त्रीणि	6. त्रीन्	7. त्रिभ्यः	8. त्रिभ्यः
9. त्रिभ्यः	10. तिसृभ्यः	11. त्रयाणां	12. तिसृणां
13. त्रयाणां	14. त्रिषु	15. तिसृषु	

अभ्यासः - 259

1. चतस्रः	2. चत्वारि	3. चतुरः	4. चतस्रः
-----------	------------	----------	-----------

- | | | | |
|--------------|---------------|--------------|---------------|
| 5. चत्वारि | 6. चतुर्भिः | 7. चतसृभिः | 8. चतुर्थ्यः |
| 9. चतसृभ्यः | 10. चतुर्थ्यः | 11. चतसृभ्यः | 12. चतुर्णाम् |
| 13. चतसृणाम् | 14. चतुर्षु | 15. चतसृषु | |

अभ्यासः - 260

- | | | | |
|------------|-------------|-------------|-----------|
| 1. नवानां | 2. दशानां | 3. सप्तानां | 4. षण्णां |
| 5. सप्तभिः | 6. अष्टानां | 7. नवभिः | 8. दशसु |
| 9. षड्भ्यः | 10. द्वादश | | |

अभ्यासः - 261

- | | | | |
|-------------|---------------|-------------|----------------|
| 1. सप्त | 2. पञ्चसु | 3. सप्तसु | 4. नवसु |
| 5. तिस्रः | 6. त्रिभ्यः | 7. चतुर्णां | 8. अष्टादशानां |
| 9. चतसृभ्यः | 10. द्वाभ्यां | | |

अभ्यासः - 262

- | | | | |
|------------|------------|-----------|-----------|
| 1. कतिभ्यः | 2. कतिषु | 3. कतिषु | 4. कति |
| 5. कति | 6. कतिभ्यः | 7. कतिभिः | 8. कतिभिः |
| 9. कति | 10. कतीनां | | |

अभ्यासः - 263

- | | | | |
|-----------|-------------|------------|-------------|
| 1. कति | 2. कति | 3. कतिषु | 4. कियत् |
| 5. कियत् | 6. कतीनां | 7. कतिभिः | 8. कियत्या |
| 9. कियत् | 10. कियत् | 11. कतिभिः | 12. कतिभ्यः |
| 13. कियता | 14. कियन्तं | 15. कति | |

अभ्यासः - 264

- | | |
|---|---|
| 1. तव विद्यालये कति छात्राः सन्ति ? | 2. अस्य वृक्षस्य औन्नत्यं कियत् अस्ति ? |
| 3. अस्मिन् तडागे कियन्तः मत्स्याः सन्ति ? | 4. दशरथस्य कति पुत्राः आसन् ? |

5. दौपद्याः कति पुत्राः आसन् ?
6. अस्मिन् वृक्षे कियन्ति फलानि सन्ति ?
7. अस्मिन् प्रदेशे कति अजाः चरन्ति ?
8. भवान् दुग्धे कियतीं शर्कराम् इच्छति ?
9. अद्य क्तीनां देवानां नूतनक्लेवरः भविष्यति ?
10. अस्य कटस्य दैर्घ्यं कियद् अस्ति ?
11. अस्य आसन्दस्य औन्नत्यं कियद् अस्ति ।
12. भवतः गृहम् इतः कतिषु क्रोशेषु अस्ति ?
13. इदं यानं कियन्तं शब्दं करोति ?

अभ्यासः - 265

- | | | | |
|-----------------------|-------------------|-------------------|--------------------|
| 1. (i) एकः | (ii) द्वे | (iii) त्रीणि | (iv) चतस्रः |
| 2. (i) विद्वांसः | (ii) मातरौ | (iii) नदी | (iv) धनूंषि |
| (v) विद्यार्थिनौ | (vi) अक्षि | (vii) सरितः | (viii) राजा |
| 3. (i) पञ्च | (ii) द्वादश | (iii) द्वाविंशतिः | (iv) सप्तत्रिंशत् |
| (iv) चतुश्चत्वारिंशत् | (vi) षट्-पञ्चाशत् | (vii) त्रिषष्टिः | (viii) सप्तसप्ततिः |
| (ix) नवाशीतिः | (x) चतुर्नवतिः | (xi) शतम् | (xii) सहस्रम् |

अभ्यासः - 266

- | | |
|---|--|
| 1. तृतीयः, तृतीयम् | 2. चतुर्थः, चतुर्थम् |
| 3. सप्तमः, सप्तमम् | 4. एकादशः, एकादशम् |
| 5. त्रयोदशः, त्रयोदशम् | 6. अष्टमः, अष्टमम् |
| 7. एकचत्वारिंशत्तमः, एकचत्वारिंशत्तमम् | 8. पञ्चचत्वारिंशत्तमः, पञ्चचत्वारिंशत्तमम् |
| 9. सप्तत्रिंशत्तमः, सप्तत्रिंशत्तमम् | 10. षड्विंशत्तितमः, षड्विंशत्तितमम् |
| 11. अष्टपञ्चाशत्तमः, अष्टपञ्चाशत्तमम् | 12. सप्तषष्टितमः, सप्तषष्टितमम् |
| 13. द्व्यशीतितमः, द्व्यशीतितम् | 14. पञ्चषष्टितमः, पञ्चषष्टितमम् |
| 15. द्विषष्टितमः, द्विषष्टितमम् | 16. पञ्चपञ्चाशत्तमः, पञ्चपञ्चाशत्तमम् |
| 17. षट्चत्वारिंशत्तमः, षट्चत्वारिंशत्तमम् | 18. षण्णवतितमः, षण्णवतितमम् |
| 19. षष्ठः, षष्ठम् | 20. षट्षष्टितमः, षट्षष्टितमम् |

अभ्यासः - 267

- | | | | |
|-----------|------------|-------------|------------|
| 1. तृतीयः | 2. प्रथमम् | 3. द्वितीयः | 4. अष्टमम् |
| 5. सप्तमः | | | |

अभ्यासः - 268

- | | | | |
|-----------------------|-------------------|-----------------------|----------------------|
| 2. द्वितीया | 3. अष्टादशी | 4. एकादशी | 5. एकचत्वारिंशत्तमी |
| 6. त्रिचत्वारिंशत्तमी | 7. त्रिषष्टितमी | 8. अष्टमी | 9. षष्ठी |
| 10. पञ्चपञ्चाशत्तमी | 11. चतुष्षष्टितमी | 12. त्रयस्त्रिंशत्तमी | 13. चतुर्विंशत्तितमी |
| 14. द्विसप्ततितमी | 15. पञ्चाशीतितमी | 16. एकनवतितमी | 17. शततमी |
| 18. सप्तत्रिंशत्तमी | 19. पञ्चमी | 20. प्रथमा | |

अभ्यासः - 269

- | | | | |
|------------------------|--------------------|---------------------|---------------|
| 1. पञ्चमी | 2. सप्तम्यां | 3. दशम्यां | 4. एकादश्यां |
| 5. प्रथमायां | 6. तृतीयया | 7. सप्तम्यां | 8. पञ्चदश्यां |
| 9. अष्टादश्यां | 10. त्रिंशत्तम्यां | 11. तृतीयया | 12. पञ्चम्यै |
| 13. पञ्चविंशत्तितम्याः | 14. द्वितीयायाः | 15. षण्णवत्तितम्याः | |

अभ्यासः - 270

- | | | | |
|----------------|---------------------|----------------|----------------|
| 1. (i) प्रथमः | (ii) तृतीया | (iii) द्वितीयं | (iv) तृतीया |
| (v) तृतीयं | | | |
| 2. (ii) बालिका | (iii) तिथौ | (iv) पथा | (v) कोष्ठिकासु |
| (vi) उपायः | (vii) विद्यार्थिनम् | (viii) सरितम् | (ix) सूनोः |
| (x) नद्याः | | | |



षष्ठः स्तवकः

अभ्यासः - 271

1. लिखन्	2. गच्छन्	3. जपन्	4. पिबन्
5. तरन्	6. आरोहन्	7. पतन्	8. नृत्यन्
9. पश्यन्	10. भ्रमन्	11. गणयन्	12. चरन्
13. उपविशन्	14. तिष्ठन्	15. वहन्	16. ताडयन्
17. हसन्	18. हरन्	19. नमन्	20. रक्षन्

अभ्यासः - 272

1. सः वदन् पश्यति ।	2. सः खादन् पिबति ।	3. प्रकाशः पठन् स्वपिति ।
4. नागराजः पश्यन् लिखति ।	5. कुशः जपन् यजति ।	6. महिषः चरन् भ्रमति ।
7. राकेशः वदन् अवतरति ।	8. सूदः चिन्तयन् पचति ।	9. कृष्णः स्मरन् गच्छति ।
10. छात्रः पृच्छन् लिखति ।	11. गुरुः बोधयन् पश्यति ।	12. नर्तकः गायन् नृत्यति ।
13. बालः पतन् कूर्दते ।	14. पुरुषः ताडयन् निन्दति ।	15. सुनीलः आदिशन् पाठयति ।
16. जनः पश्यन् क्रीडति ।	17. पिता उपविशन् पठति ।	18. कृषकः कर्षन् चलति ।
19. भटः रक्षन् भ्रमति ।	20. भक्तः अर्चन् वदति ।	21. बालः हसन् चलति ।
22. कुमारः पिबन् खादति ।	23. रामः स्मरन् लिखति ।	24. अहं खादन् न भ्रमामि ।

अभ्यासः - 273

1. क्रीणन्ति, क्रीणन्	2. रुदन्ति, रुदन्	3. विश्वसन्ति, विश्वसन्
4. चिन्वन्ति, चिन्वन्	5. कुर्वन्ति, कुर्वन्	6. शक्नुवन्ति, शक्नुवन्
7. वृण्वन्ति, वृण्वन्	8. तन्वन्ति, तन्वन्	9. दुहन्ति, दुहन्
10. रुन्धन्ति, रुन्धन्		

अभ्यासः - 274

1. खादन्, खादन्तौ, खादन्तः	2. पिबन्, पिबन्तौ, पिबन्तः	3. शृण्वन्, शृण्वन्तौ, शृण्वन्तः
----------------------------	----------------------------	----------------------------------

- | | | |
|-----------------------------------|-------------------------------|-------------------------------------|
| 4. जानन्, जानन्तौ, जानन्तः | 5. स्मरन्, स्मरन्तौ, स्मरन्तः | 6. क्रीडन्, क्रीडन्तौ, क्रीडन्तः |
| 7. गायन्, गायन्तौ, गायन्तः | 8. अटन्, अटन्तौ, अटन्तः | 9. स्थापयन्, स्थापयन्तौ, स्थापयन्तः |
| 10. तिष्ठन्, तिष्ठन्तौ, तिष्ठन्तः | 11. ददत्, ददतौ, ददतः | |

अभ्यासः - 275

- | | | | |
|----------------|-------------|---------------|----------------|
| 1. पश्यन् | 2. क्षिपन् | 3. जानन्तः | 4. वदन् |
| 5. निन्दन् | 6. ध्यायन् | 7. कुर्वन्तः | 8. पाठयन् |
| 9. चिन्तयन्तौ | 10. कुर्वन् | 11. नृत्यन्तौ | 12. पश्यन्तः |
| 13. गच्छन्तौ | 14. जानन् | 15. पठन् | 16. कुर्वन्तः |
| 17. चिन्तयन्तः | 18. हसन्तः | 19. कुर्वन्तौ | 20. उत्तिष्ठन् |
| 21. धावन्तः | | | |

अभ्यासः - 276

- | | |
|-------------------------------------|------------------------------------|
| 1. बालाः गच्छन्तः पठन्ति । | 2. वृद्धाः पश्यन्तः चलन्ति । |
| 3. गुरवः स्मरन्तः बोधयन्ति । | 4. कवयः चिन्तयन्तः लिखन्ति । |
| 5. भक्ताः मन्त्रं वदन्तः पूजयन्ति । | 6. सेवकाः खादन्तः पिबन्ति । |
| 7. छात्राः पृच्छन्तः लिखन्ति । | 8. शिक्षकाः लिखन्तः वदन्ति । |
| 9. तरुणाः नृत्यन्तः गायन्ति । | 10. बालाः पठन्तः निद्रान्ति । |
| 11. पण्डिताः वदन्तः न खादन्ति । | 12. रुग्णाः चिन्तयन्तः स्वपन्ति । |
| 13. गायकाः पश्यन्तः गायन्ति । | 14. नाविकाः गायन्तः चालयन्ति । |
| 15. लेखकाः स्मरन्तः लिखन्ति । | 16. आरक्षकाः ताडयन्तः निन्दन्ति । |
| 17. आचार्याः पाठयन्तः उपविशन्ति । | 18. छात्राः जानन्तः अपि न वदन्ति । |
| 19. किशोराः धावन्तः गच्छन्ति । | 20. युवकाः गच्छन्तः वदन्ति । |
| 21. नर्तकाः नृत्यन्तः उपविशन्ति । | 22. चालकाः पृच्छन्तः गच्छन्ति । |
| 23. चोराः धावन्तः प्रविशन्ति । | 24. अर्चकाः जपन्तः पूजयन्ति । |
| 25. वयं हसन्तः न वदामः । | |

अभ्यासः - 277

- | | | | |
|---------------|----------------|----------------|---------------|
| 1. गायन्ती | 2. लिखन्ती | 3. पतन्ती | 4. खादन्ती |
| 5. क्रीडन्ती | 6. स्मरन्ती | 7. नयन्ती | 8. निन्दन्ती |
| 9. मिलन्ती | 10. कर्षन्ती | 11. तरन्ती | 12. चलन्ती |
| 13. रटन्ती | 14. भवन्ती | 15. अटन्ती | 16. चरन्ती |
| 17. गच्छन्ती | 18. वदन्ती | 19. पृच्छन्ती | 20. पश्यन्ती |
| 21. तर्जयन्ती | 22. क्षालयन्ती | 23. प्रेषयन्ती | 24. सूचयन्ती |
| 25. कर्तयन्ती | 26. मार्जयन्ती | 27. पिबन्ती | 28. तिष्ठन्ती |
| 29. उपविशन्ती | | | |

अभ्यासः - 278

- | | |
|------------------------------------|----------------------------------|
| 1. छात्रा लिखन्ती पठति । | 2. बाला वदन्ती क्रीडति । |
| 3. वृद्धा पिबन्ती खादति । | 4. स्वामिनी तर्जयन्ती सूचयति । |
| 5. सेविका प्रक्षालयन्ती मार्जयति । | 6. राधा पठन्ती गच्छति । |
| 7. सुधा गायन्ती लिखति । | 8. सा हसन्ती पश्यति । |
| 9. एषा गच्छन्ती निन्दन्ति । | 10. गौरी पचन्ती शाकं क्षालयति । |
| 11. नर्तकी स्मरन्ती गायति । | 12. माला लिखन्ती पृच्छति । |
| 13. तारा खादन्ती भ्रमति । | 14. सुमित्रा हसन्ती चुटति । |
| 15. सा वयन्ती गायति । | 16. धेनुः चरन्ती पश्यति । |
| 17. माता जपन्ती पूजयति । | 18. एषा गणयन्ती ददाति । |
| 19. भिक्षुकी अटन्ती याचति । | 20. शिक्षिका चिन्तयन्ती बोधयति । |
| 21. बाला हसन्ती हरति । | 22. भक्ता नमन्ती वदति । |
| 23. लता पठन्ती उपविशति । | 24. चालिका पश्यन्ती चालयति । |
| 25. छात्रा पठन्ती खादति । | 26. कुसुमा उपदिशन्ती वदति । |
| 27. बाला पतन्ती हसति । | 28. सा स्पृशन्ती तर्जयति । |
| 29. रमा क्रन्दन्ती जले तरति । | 30. शीला अवतरन्ती पठति । |
| 31. माला चिन्तयन्ती लिखति । | 32. छात्रा स्मरन्ती पृच्छति । |

33. लता पचन्ती खादति ।
35. सहोदरा भ्रमन्ती पतति ।
37. वनिता निन्दन्ती सीव्यति ।
39. ममता अर्चन्ती वदति ।

34. राधा वदन्ती पिबति ।
36. बाला हसन्ती धावति ।
38. सा भ्रमन्ती रक्षति ।

अभ्यासः - 279

- | | |
|--|--|
| 1. लिखन्ति, लिखन्, (✓), (✓), पठन्ती | 2. शृण्वन्ति, शृण्वन्, (×), (×), शृण्वती |
| 3. जानन्ति, जानन्, (×), (×), जानती | 4. गच्छन्ति, गच्छन्, (✓), (✓), गच्छन्ती |
| 5. कुर्वन्ति, कुर्वन्, (×), (×), कुर्वती | 6. रुदन्ति, रुदन्, (×), (×), रुदती |
| 7. हसन्ति, हसन्, (✓), (✓), हसन्ती | 8. तिष्ठन्ति, तिष्ठन्, (✓), (✓), तिष्ठन्ती |
| 9. बध्नन्ति, बध्नन्, (×), (×), बध्नती | 10. गृह्णन्ति, गृह्णन्, (×), (×), गृह्णती |
| 11. पृच्छन्ति, पृच्छन्, (✓), (✓), पृच्छन्ती | 12. चिन्वन्ति, चिन्वन्, (×), (×), चिन्वती |
| 13. शक्नुवन्ति, शक्नुवन्, (×), (×), शक्नुवती | |

अभ्यासः - 280

- | | |
|-----------------------------------|---|
| 1. छात्रा गीतं शृण्वती पठति । | 2. लता उत्तरं जानती वदति । |
| 3. मालती गायन्ती स्नाति । | 4. राधिका गृह्णती चलति । |
| 5. सुषमा शृण्वती पृच्छति । | 6. विदिता रुदती गच्छति । |
| 7. सेविका भ्रमन्ती कार्यं करोति । | 8. गोपी कृष्णं स्मरन्ती क्षीरं दोग्धि । |
| 9. बालिका गीतं गायन्ती प्रीणाति । | 10. तारा निद्रती पठति । |
| 11. बाला रुदती अश्नाति । | 12. नदी मेखलां बध्नती नृत्यति । |
| 13. ज्योति धनं ददती वदति । | 15. सुनयना कार्यं कुर्वती पठति । |

अभ्यासः - 281

- | | | |
|-------------------------|-------------------------|-----------------------------|
| 1. वदन्त्यौ, वदन्त्यः | 2. पचन्त्यौ, पचन्त्यः | 3. मिलन्त्यौ, मिलन्त्यः |
| 4. खादन्त्यौ, खादन्त्यः | 5. पिबन्त्यौ, पिबन्त्यः | 6. स्मरन्त्यौ, स्मरन्त्यः |
| 7. चरन्त्यौ, चरन्त्यः | 8. लिखन्त्यौ, लिखन्त्यः | 9. शृण्वन्त्यौ, शृण्वन्त्यः |

- | | | |
|----------------------------|----------------------------|--|
| 10. जानत्यौ, जानत्यः | 11. बध्नत्यौ, बध्नत्यः | 12. कुर्वत्यौ, कुर्वत्यः |
| 13. शक्नुवत्यौ, शक्नुवत्यः | 14. गच्छन्त्यौ, गच्छन्त्यः | 15. स्नात्यौ, स्नात्यः /
स्नान्त्यौ, स्नान्त्यः |

अभ्यासः - 282

- | | |
|--|--|
| 1. द्वि. - छात्रे पठन्त्यौ लिखतः । | बहु. - छात्राः पठन्त्यः लिखन्ति । |
| 2. द्वि. - गायिके शृण्वत्यौ लिखतः । | बहु. - गायिकाः शृण्वत्यः लिखन्ति । |
| 3. एक. - नायिका वदन्ती गच्छति । | बहु. - नायिकाः वदन्त्यः गच्छन्ति । |
| 4. द्वि. - चिकित्सिके पृच्छन्त्यौ सेवां कुरुतः । | बहु. - चिकित्सिकाः पृच्छन्त्यः सेवां कुर्वन्ति । |
| 5. एक. - तरुणी गायन्ती गच्छति । | द्वि. - तरुण्यौ गायन्त्यौ गच्छतः । |
| 6. एक. - छात्रा हसन्ती वदति । | बहु. - छात्राः हसन्त्यः वदन्ति । |
| 7. एक. - सा जानती अपि वदति । | द्वि. - ते जानत्यौ अपि वदतः । |
| 8. द्वि. - एते रुदत्यौ पठतः । | बहु. - एताः रुदत्यः पठन्ति । |
| 9. एक. - सखी रटन्ती शृणोति । | द्वि. - सख्यौ रटन्त्यौ शृणुतः । |
| 10. द्वि. - ते क्रीणत्यौ गच्छतः । | बहु. - ताः क्रीणत्यः गच्छन्ति । |
| 11. एक. - भगिनी ताडयन्ती वदति । | द्वि. - भगिन्यौ ताडयन्त्यौ वदतः । |
| 12. एक. - माता अर्चन्ती श्लोकं वदति । | द्वि. - मातरौ अर्चन्त्यौ श्लोकं वदतः । |
| 13. एक. - धेनुः चरन्ती गच्छति । | बहु. - धेनवः चरन्त्यः गच्छन्ति । |
| 14. एक. - महिला रटन्ती पचति । | बहु. - महिले रटन्त्यौ पचतः । |
| 15. द्वि. - वृद्धे स्मरन्त्यौ वदतः । | बहु. - वृद्धाः स्मरन्त्यः वदन्ति । |
| 16. एक. - अजा चरन्ती पश्यति । | द्वि. - अजे चरन्त्यौ पश्यतः । |
| 17. एक. - बाला लिखन्ती पठति । | बहु. - बालाः लिखन्त्यः पठन्ति । |
| 18. द्वि. - एते प्रक्षालयन्त्यौ खादतः । | बहु. - एताः प्रक्षालयन्त्यः खादन्ति । |
| 19. एक. - गृहिणी पचन्ती खादति । | बहु. - गृहिण्यः पचन्त्यः खादन्ति । |
| 20. द्वि. - महिले जपन्त्यौ कार्यं कुरुतः । | बहु. - महिलाः जपन्त्यः कार्यं कुर्वन्ति । |
| 21. एक. - सखी क्रीडन्ती पठति । | द्वि. - सख्यौ क्रीडन्त्यौ पठतः । |
| 22. एक. - नटी नृत्यन्ती वदति । | बहु. - नट्यः नृत्यन्त्यः वदन्ति । |

23. एक. - छात्रा कार्यं कुर्वती उपविशति ।

बहु. - छात्राः कार्यं कुर्वत्यः उपविशन्ति ।

24. द्वि. - भगिन्यौ उपविशन्त्यौ गायन्तः ।

बहु. - भगिन्यः उपविशन्त्यः गायन्ति ।

अभ्यासः - 283

- | | | | |
|----------------|---------------|-----------------|---------------|
| 1. लिखन्ती | 2. शृण्वती | 3. पिबन्ती | 4. स्मरन्ती |
| 5. पठन्ती | 6. जानती | 7. कुर्वती | 8. पश्यन्ती |
| 9. नृत्यन्ती | 10. गायन्ती | 11. ध्यायन्ती | 12. गच्छन्ती |
| 13. पश्यन्ती | 14. यच्छन्ती | 15. चिन्तयन्ती | 16. जानती |
| 17. जल्पन्त्यः | 18. धावन्त्यः | 19. पालयन्त्यः | 20. जपन्ती |
| 21. रुदती | 22. विलपन्ती | 23. परिवेषयन्ती | 24. क्रीणत्यः |
| 25. अवचिन्वती | | | |

अभ्यासः - 284

- | | | | |
|-------------|-------------|-------------|------------|
| 1. शृण्वत् | 2. पतत् | 3. जनयत् | 4. आचरत् |
| 5. स्फुरत् | 6. विकसत् | 7. तिष्ठत् | 8. वदत् |
| 9. रक्षत् | 10. जिघ्रत् | 11. शुष्यत् | 12. गणयत् |
| 13. तुष्यत् | 14. पिबत् | 15. नृत्यत् | 16. चालयत् |
| 17. रमयत् | 18. भजत् | 19. दर्शयत् | 20. हरत् |

अभ्यासः - 285

- | | | | |
|---------------|-----------|------------|-----------|
| 1. निर्गच्छत् | 2. नश्यत् | 3. प्रचलत् | 4. नश्यत् |
| 5. कुर्वत् | 6. पतत् | | |

अभ्यासः - 286

- | | | |
|-----------------------|---------------------|-----------------------------|
| 1. विकसती, विकसन्ति | 2. नश्यती, नश्यन्ति | 3. प्रदर्शयती, प्रदर्शयन्ति |
| 4. स्फुरती, स्फुरन्ति | 5. गलती, गलन्ति | 6. लसती, लसन्ति |
| 7. शृण्वती, शृण्वन्ति | 8. स्मरती, स्मरन्ति | |

अभ्यासः - 287

- | | | | |
|-----------|-------------|------------|------------|
| 1. गच्छत् | 2. कुर्वत् | 3. स्फुरत् | 4. आगच्छत् |
| 5. पश्यत् | 6. नयत् | 7. विकसत् | 8. पश्यत् |
| 9. नश्यत् | 10. शुष्यत् | | |

अभ्यासः - 288

- I. ध्यायन्तं, जपन्तं, वदन्तं, स्मरन्तं
- II. पठन्तं, भ्रमन्तं, चिन्तयन्तं, वितरन्तं, क्रीडन्तं
- III. पीडयन्तं, आगच्छन्तं, भषन्तं, ज्वलन्तं, तिष्ठन्तं
- IV. लिखन्तीं, सूचयन्तीं, नृत्यन्तीं, वदन्तीं
- V. पठन्तीं, चलन्तीं, पतन्तीं, भ्रमन्तीं, धावन्तीं
- VI. चलत्, पतत्, तिष्ठत्, विकसत्, भ्रमत्

अभ्यासः - 289

- | | |
|--|--|
| 1. द्वि. - शिक्षकः पतन्तौ जनौ गृह्णाति । | बहु. - सज्जनः पततः जनान् गृह्णाति । |
| 2. एक. - रामः खादन्तं मर्कटं पश्यति । | बहु. - रामः खादतः मर्कटान् पश्यति । |
| 3. एक. - ईश्वरः ध्यायन्तं भक्तं रक्षति । | द्वि. - ईश्वरः ध्यायन्तौ भक्तौ रक्षति । |
| 4. द्वि. - धनिकः कर्षन्तौ कृषकौ प्रेरयति । | बहु. - धनिकः कर्षतः कृषकान् प्रेरयति । |
| 5. एक. - चोरः भषन्तं शुनकं ताडयति । | द्वि. - चोरः भषन्तौ शुनकौ ताडयति । |
| 6. एक. - पशुपालकः चरन्तं वृषभम् अपनयति । | बहु. - चोरः चरतः वृषभान् अपनयति । |
| 7. द्वि. - माता चुम्बन्तौ बालौ आलिङ्गति । | बहु. - माता चुम्बतः बालान् आलिङ्गति । |
| 8. एक. - नटः उपविशन्तं ब्राह्मणं नमति । | द्वि. - नटः उपविशन्तौ ब्राह्मणौ नमति । |
| 9. एक. - अपसिद्धान्तं खण्डयन्तं शास्त्रकारं वदतः । | बहु. - अपसिद्धान्तं खण्डयतः शास्त्रकारान् वदतः । |
| 10. द्वि. - वृद्धः भारं वहन्तौ युवकौ अनुसरति । | बहु. - वृद्धः भारं वहतः युवकान् अनुसरति । |

अभ्यासः - 290

- | | |
|---|--|
| 1. एक. - माता ध्यायन्तीं बालिकां पश्यति । | द्वि. - माता ध्यायन्त्यौ बालिके पश्यति । |
| 2. द्वि. - सेवकः तिष्ठन्त्यौ राज्ञ्यौ प्रणमति । | बहु. - तिष्ठन्तीः राज्ञीः प्रणमति । |
| 3. एक. - नायकः नृत्यन्तीं नर्तकीम् अपश्यत् । | बहु. - नायकः नृत्यन्तीः नर्तकीः अपश्यत् । |
| 4. एक. - छात्रः पाठयन्तीं शिक्षिकाम् अनुसरति । | द्वि. - छात्रः पाठयन्त्यौ शिक्षिके अनुसरति । |
| 5. द्वि. - अध्यक्षः गायन्त्यौ महिले आह्वयति । | बहु. - अध्यक्षः गायन्तीः महिलाः आह्वयति । |

अभ्यासः - 291

- | | |
|--|--|
| 1. द्वि. - भृत्यः अवतारयती वस्तुनी नयति । | बहु. - भृत्यः अवतारयन्ति वस्तूनि नयति । |
| 2. एक. - शिशुः चलत् यानं पश्यति । | बहु. - शिशुः चलन्ति यानानि पश्यति । |
| 3. एक. - गोविन्दः चलत् व्यजनं स्थगयति । | द्वि. - गोविन्दः चलती व्यजने स्थगयति । |
| 4. द्वि. - चालकः तिष्ठती वाहने चालयति । | बहु. - चालकः तिष्ठन्ति वाहनानि चालयति । |
| 5. द्वि. - पुरुषः विकसती पुष्पे त्रोटयति । | बहु. - पुरुषः विकसन्ति पुष्पाणि त्रोटयति । |

अभ्यासः - 292

- | | | | |
|----------------|--------------|----------------|----------------|
| 1. ध्यायन्तं | 2. चलत् | 3. तिष्ठन्तीं | 4. प्रहरन्तीं |
| 5. तिष्ठत् | 6. पतत् | 7. चिन्तयन्तीं | 8. स्रवत् |
| 9. हसन्तीं | 10. विलसत् | 11. चलन्तीं | 12. विकसत् |
| 13. प्रेषयन्तं | 14. गच्छन्तं | 15. उद्यन्तं | 16. उपविशन्तीं |
| 17. क्रन्दन्तं | 18. वसन्तं | | |

अभ्यासः - 293

- | | |
|---------------------------------------|---------------------------------------|
| पुं.- 1. लिखता, लिखद्भ्याम्, लिखद्भिः | 2. वदता, वदद्भ्याम्, वदद्भिः |
| 3. गायता, गायद्भ्याम्, गायद्भिः | 4. कुर्वता, कुर्वद्भ्याम्, कुर्वद्भिः |
| 5. शृण्वता, शृण्वद्भ्याम्, शृण्वद्भिः | 6. यच्छता, यच्छद्भ्याम्, यच्छद्भिः |
| 7. जानता, जानद्भ्याम्, जानद्भिः | 8. स्मरता, स्मरद्भ्याम्, स्मरद्भिः |
| 9. खादता, खादद्भ्याम्, खादद्भिः | |

- स्त्री.— 1. लिखन्त्या, लिखन्तीभ्याम्, लिखन्तीभिः 2. वदन्त्या, वदन्तीभ्याम्, वदन्तीभिः
3. गायन्त्या, गायन्तीभ्याम्, गायन्तीभिः 4. कुर्वन्त्या, कुर्वतीभ्याम्, कुर्वतीभिः
5. शृण्वन्त्या, शृण्वद्भ्याम्, शृण्वतीभिः 6. यच्छन्त्या, यच्छन्तीभ्याम्, यच्छन्तीभिः
7. जानन्त्या, जानतीभ्याम्, जानतीभिः 8. स्मरन्त्या, स्मरन्तीभ्याम्, स्मरन्तीभिः
9. खादन्त्या, खादन्तीभ्याम्, खादन्तीभिः
- नपुं.— 1. लिखता, लिखद्भ्याम्, लिखद्भिः 2. वदता, वदद्भ्याम्, वदद्भिः
3. गायता, गायद्भ्याम्, गायद्भिः 4. कुर्वता, कुर्वद्भ्याम्, कुर्वद्भिः
5. शृण्वता, शृण्वद्भ्याम्, शृण्वद्भिः 6. यच्छता, यच्छद्भ्याम्, यच्छद्भिः
7. जानता, जानद्भ्याम्, जानद्भिः 8. स्मरता, स्मरद्भ्याम्, स्मरद्भिः
9. खादता, खादद्भ्याम्, खादद्भिः

अभ्यासः - 294

- | | | | |
|------------|-----------|------------|----------|
| 1. लिखता | 2. वदता | 3. शृण्वता | 4. मिलता |
| 5. स्मरता | 6. अर्चता | 7. खादता | 8. नयता |
| 9. निन्दता | 10. चलता | | |

अभ्यासः - 295

- | | | | |
|----------------|---------------|---------------|---------------|
| 1. पठन्त्या | 2. लिखन्त्या | 3. वदन्त्या | 4. गायन्त्या |
| 5. नृत्यन्त्या | 6. पश्यन्त्या | 7. यच्छन्त्या | 8. सूचयन्त्या |

अभ्यासः - 296

- | | |
|---|---|
| 1. लिखता अनेन पठितम् । | 2. गायद्भिः तैः नर्तितम् । |
| 3. स्मरन्त्या तया वाक्यम् अपठयत । | 4. गच्छन्तीभिः एताभिः गीतं गीयते । |
| 5. तिष्ठता तेन मन्त्रः अजप्यत । | 6. चिन्तयता मया वार्ता निवेदिता । |
| 7. कार्यं कुर्वतीभिः अस्माभिः पत्रिका पठिता । | 8. पठद्भ्यां ताभ्याम् अलिख्यत । |
| 9. खादन्तीभ्यां ताभ्यां जलं पीतम् । | 10. प्रसादयद्भिः एतैः सम्भाषणम् अक्रियत । |
| 11. सूचयन्त्या तया हसितम् । | 12. क्रीणतीभिः ताभिः आपणः अगम्यत । |

13. स्यूतं नयद्भ्याम् आवाभ्यां धनं न नीतम् । 14. निन्दता तेन मार्गे भ्रमणम् अक्रियत ।
15. वदन्त्या मया पुरुषः आहूतः ।

अभ्यासः - 297

- | | | | |
|-----------------|---------------------|----------------|----------------|
| 1. प्रतिबोधयता | 2. गच्छन्त्या | 3. स्मरन्त्या | 4. शृण्वता |
| 5. क्रीडन्त्या | 6. पश्यन्त्या | 7. कुर्वतीभिः | 8. चरन्तीभिः |
| 9. शृण्वता | 10. खादन्त्या | 11. गच्छता | 12. धावता |
| 13. गायन्त्या | 14. परिवेषयन्त्या | 15. क्रीडता | 16. चालयन्त्या |
| 17. गायता | 18. उपविशता | 19. जल्पतीभिः | 20. भ्रमद्भिः |
| 21. जपता | 22. प्रवहता | 23. बोधयन्त्या | 24. यच्छता |
| 25. पूजयन्तीभिः | 26. क्रीणद्भिः | 27. पठता | 28. लिखद्भिः |
| 29. रुदत्या | 30. प्रक्षालयन्त्या | 31. कुर्वत्या | 32. उच्चारयता |
| 33. वदता | 34. गच्छन्त्या | | |

अभ्यासः - 298

- पुं. — 2. पठते, पठद्भ्याम्, पठद्भ्यः 3. लिखते, लिखद्भ्याम्, लिखद्भ्यः
4. नयते, नयद्भ्याम्, नयद्भ्यः 5. पचते, पचद्भ्याम्, पचद्भ्यः
6. नृत्यते, नृत्यद्भ्याम्, नृत्यद्भ्यः 7. भ्राम्यते, भ्राम्यद्भ्याम्, भ्राम्यद्भ्यः
8. मिलते, मिलद्भ्याम्, मिलद्भ्यः 9. दिशते, दिशद्भ्याम्, दिशद्भ्यः
10. भाते, भाद्भ्याम्, भाद्भ्यः 11. पिबते, पिबद्भ्याम्, पिबद्भ्यः
12. बिभ्यते, बिभ्यद्भ्याम्, बिभ्यद्भ्यः 13. चिन्वते, चिन्वद्भ्याम्, चिन्वद्भ्यः
14. शक्नुवते, शक्नुवद्भ्याम्, शक्नुवद्भ्यः 15. रुन्धते, रुन्धद्भ्याम्, रुन्धद्भ्यः
16. क्रीणते, क्रीणद्भ्याम्, क्रीणद्भ्यः 17. गणयते, गणयद्भ्याम्, गणयद्भ्यः
18. रचयते, रचयद्भ्याम्, रचयद्भ्यः 19. पूरयते, पूरयद्भ्याम्, पूरयद्भ्यः
20. उद्घाटयते, उद्घाटयद्भ्याम्, उद्घाटयद्भ्यः

- स्त्री. — 2. पठन्त्यै, पठन्तीभ्याम्, पठन्तीभ्यः 3. लिखन्त्यै, लिखन्तीभ्याम्, लिखन्तीभ्यः
4. नयन्त्यै, नयन्तीभ्याम्, नयन्तीभ्यः 5. पचन्त्यै, पचन्तीभ्याम्, पचन्तीभ्यः
6. नृत्यन्त्यै, नृत्यन्तीभ्याम्, नृत्यन्तीभ्यः 7. मिलन्त्यै, मिलन्तीभ्याम्, मिलन्तीभ्यः

- | | |
|---|---|
| 8. दिशन्त्यै, दिशन्तीभ्याम्, दिशन्तीभ्यः | 9. भान्त्यै, भान्तीभ्याम्, भान्तीभ्यः |
| 10. पिबन्त्यै, पिबन्तीभ्याम्, पिबन्तीभ्यः | 11. गणयन्त्यै, गणयन्तीभ्याम्, गणयन्तीभ्यः |
| 12. रचयन्त्यै, रचयन्तीभ्याम्, रचन्तीभ्यः | 13. पूरयन्त्यै, पूरयन्तीभ्याम्, पूरयन्तीभ्यः |
| 14. उद्घाटयन्त्यै, उद्घाटयन्तीभ्याम्, उद्घाटयन्तीभ्यः | 15. तुदन्त्यै, तुदन्तीभ्याम्, तुदन्तीभ्यः |
| 15. बिभ्यन्त्यै, बिभ्यन्तीभ्याम्, बिभ्यन्तीभ्यः | 17. चिन्वन्त्यै, चिन्वन्तीभ्याम्, चिन्वन्तीभ्यः |
| 18. शक्नुवन्त्यै, शक्नुवन्तीभ्याम्, शक्नुवन्तीभ्यः | 19. प्राप्नुवन्त्यै, प्राप्नुवन्तीभ्याम्, प्राप्नुवन्तीभ्यः |
| 20. रुन्धन्त्यै, रुन्धन्तीभ्याम्, रुन्धन्तीभ्यः | 21. क्रीणन्त्यै, क्रीणन्तीभ्याम्, क्रीणन्तीभ्यः |
| 22. शृण्वन्त्यै, शृण्वन्तीभ्याम्, शृण्वन्तीभ्यः | 23. रुदन्त्यै, रुदन्तीभ्याम्, रुदन्तीभ्यः |
| 24. स्वपन्त्यै, स्वपन्तीभ्याम्, स्वपन्तीभ्यः | 25. जाग्रन्त्यै, जाग्रन्तीभ्याम्, जाग्रन्तीभ्यः |
| 26. शासन्त्यै, शासन्तीभ्याम्, शासन्तीभ्यः | 27. ददन्त्यै, ददन्तीभ्याम्, ददन्तीभ्यः |
| 28. जहन्त्यै, जहन्तीभ्याम्, जहन्तीभ्यः | 29. भिन्दन्त्यै, भिन्दन्तीभ्याम्, भिन्दन्तीभ्यः |
| 30. गृह्णन्त्यै, गृह्णन्तीभ्याम्, गृह्णन्तीभ्यः | |

अभ्यासः - 299

- | | | | |
|---------------|----------------|------------------|----------------------|
| 1. शासन्त्यै, | 2. गृह्णते | 3. प्रवहन्तीभ्यः | 4. रचयन्त्यै |
| 5. रुदद्भ्यः | 6. मोदमानेभ्यः | 7. पठन्त्यै | 8. निर्दिशन्तीभ्याम् |
| 9. स्फुटते | | | |

अभ्यासः - 300

- | | | | |
|-------------------|--------------------|-----------------|---------------|
| 1. गच्छते | 2. लिखन्त्यै | 3. पूजयन्तीभ्यः | 4. प्रार्थयते |
| 5. क्रन्दन्त्यै | 6. प्राप्नुवन्त्यै | 7. गणयते | 8. ददन्त्यै |
| 9. बिभ्यन्तीभ्यां | 10. क्रीणन्त्यै | 11. गृह्णद्भ्यः | 12. चोरयते |
| 13. शृण्वते | 14. मार्जयन्त्यै | 15. कुर्वते | |

अभ्यासः - 301

- | | | | |
|----------------|------------|--------------------|---------------|
| 1. स्रवतः | 2. ज्वलते | 3. प्राप्नुवन्त्यै | 4. विलसन्त्यै |
| 5. क्रीडन्त्यै | 6. कुर्वते | 7. प्राप्नुवन्त्यै | 8. जानते |
| 9. आचरते | 10. पठते | | |

अभ्यासः - 302

- | | |
|---|--|
| 2. धावतः, धावद्भ्याम्, धावद्भ्यः | 3. गर्जतः, गर्जद्भ्याम्, गर्जद्भ्यः |
| 4. क्रीडतः, क्रीडद्भ्याम्, क्रीडद्भ्यः | 5. खादतः, खादद्भ्याम्, खादद्भ्यः |
| 6. पततः, पतद्भ्याम्, पतद्भ्यः | 7. क्रन्दतः, क्रन्दद्भ्याम्, क्रन्दद्भ्यः |
| 8. चरतः, चरद्भ्याम्, चरद्भ्यः | 9. ददतः, ददद्भ्याम्, ददद्भ्यः |
| 10. कुर्वतः, कुर्वद्भ्याम्, कुर्वद्भ्यः | 11. चोरयतः, चोरयद्भ्याम्, चोरयद्भ्यः |
| 12. नयतः, नयद्भ्याम्, नयद्भ्यः | 13. क्रीणतः, क्रीणद्भ्याम्, क्रीणद्भ्यः |
| 14. गायतः, गायद्भ्याम्, गायद्भ्यः | 15. आप्नुवतः, आप्नुवद्भ्याम्, आप्नुवद्भ्यः |
| 16. नृत्यतः, नृत्यद्भ्याम्, नृत्यद्भ्यः | 17. लिखतः, लिखद्भ्याम्, लिखद्भ्यः |
| 18. जिघ्रतः, जिघ्रद्भ्याम्, जिघ्रद्भ्यः | 19. पिबतः, पिबद्भ्याम्, पिबद्भ्यः |
| 20. जाग्रतः, जाग्रद्भ्याम्, जाग्रद्भ्यः | |

अभ्यासः - 303

- | | |
|---|--|
| 2. जयन्त्याः, जयन्तीभ्याम्, जयन्तीभ्यः | 3. वहन्त्याः, वहन्तीभ्याम्, वहन्तीभ्यः |
| 4. क्रन्दन्त्याः, क्रन्दन्तीभ्याम्, क्रन्दन्तीभ्यः | 5. पचन्त्याः, पचन्तीभ्याम्, पचन्तीभ्यः |
| 6. धरन्त्याः, धरन्तीभ्याम्, धरन्तीभ्यः | 7. गायन्त्याः, गायन्तीभ्याम्, गायन्तीभ्यः |
| 8. पश्यन्त्याः, पश्यन्तीभ्याम्, पश्यन्तीभ्यः | 9. चरन्त्याः, चरन्तीभ्याम्, चरन्तीभ्यः |
| 10. वपन्त्याः, वपन्तीभ्याम्, वपन्तीभ्यः | 11. मञ्चन्त्याः, मञ्चन्तीभ्याम्, मञ्चन्तीभ्यः |
| 12. नृत्यन्त्याः, नृत्यन्तीभ्याम्, नृत्यन्तीभ्यः | 13. सीव्यन्त्याः, सीव्यन्तीभ्याम्, सीव्यन्तीभ्यः |
| 14. क्षालयन्त्याः, क्षालयन्तीभ्याम्, क्षालयन्तीभ्यः | 15. पालयन्त्याः, पालयन्तीभ्याम्, पालयन्तीभ्यः |
| 16. पीडयन्त्याः, पीडयन्तीभ्याम्, पीडयन्तीभ्यः | 17. पोषयन्त्याः, पोषयन्तीभ्याम्, पोषयन्तीभ्यः |
| 18. ताडयन्त्याः, ताडयन्तीभ्याम्, ताडयन्तीभ्यः | 19. कुप्यन्त्याः, कुप्यन्तीभ्याम्, कुप्यन्तीभ्यः |
| 20. पिबन्त्याः, पिबन्तीभ्याम्, पिबन्तीभ्यः | 21. स्नान्त्याः, स्नान्तीभ्याम्, स्नान्तीभ्यः |
| 22. गच्छन्त्याः, गच्छन्तीभ्याम्, गच्छन्तीभ्यः | 23. भ्रमन्त्याः, भ्रमन्तीभ्याम्, भ्रमन्तीभ्यः |
| 24. तुष्यन्त्याः, तुष्यन्तीभ्याम्, तुष्यन्तीभ्यः | 25. पूजयन्त्याः, पूजयन्तीभ्याम्, पूजयन्तीभ्यः |
| 27. ददत्याः, ददतीभ्याम्, ददतीभ्यः | 28. बिभ्यन्त्याः, बिभ्यन्तीभ्याम्, बिभ्यन्तीभ्यः |
| 29. चिन्वन्त्याः, चिन्वन्तीभ्याम्, चिन्वन्तीभ्यः | 30. वृण्वन्त्याः, वृण्वन्तीभ्याम्, वृण्वन्तीभ्यः |

31. क्रीणत्याः, क्रीणतीभ्याम्, क्रीणतीभ्यः
 33. जाग्रत्याः, जाग्रतीभ्याम्, जाग्रतीभ्यः
 35. जानत्याः, जानतीभ्याम्, जानतीभ्यः
 37. शृण्वत्याः, शृण्वतीभ्याम्, शृण्वतीभ्यः
 39. जहत्याः, जहतीभ्याम्, जहतीभ्यः

32. कुर्वत्याः, कुर्वतीभ्याम्, कुर्वतीभ्यः
 34. स्वपत्याः, स्वपतीभ्याम्, स्वपतीभ्यः
 36. ब्रुवत्याः, ब्रुवतीभ्याम्, ब्रुवतीभ्यः
 38. प्रीणत्याः, प्रीणतीभ्याम्, प्रीणतीभ्यः
 40. अदत्याः, अदतीभ्याम्, अदतीभ्यः

अभ्यासः - 304

- | | | | | | |
|--------|--------|--------|--------|--------|--------|
| 1. (ग) | 2. (छ) | 3. (झ) | 4. (क) | 5. (ज) | 6. (च) |
| 7. (ख) | 8. (घ) | 9. (ङ) | | | |

अभ्यासः - 305

- | | | | | | |
|--------|--------|--------|--------|--------|--------|
| 1. (ग) | 2. (घ) | 3. (क) | 4. (ख) | 5. (च) | 6. (ङ) |
|--------|--------|--------|--------|--------|--------|

अभ्यासः - 306

- | | | | |
|---------------|---------------|-------------|-------------|
| 2. खगाभ्याम् | 3. सिंहेभ्यः | 4. चोरेभ्यः | 5. यशोदायाः |
| 6. मातृभ्याम् | 7. छात्राभ्यः | 8. महिलायाः | 9. गोभ्यः |
| 10. शिशुभ्यः | | | |

अभ्यासः - 307

- | | | | |
|------------------|------------------|-----------------|-----------------|
| 2. गायतः | 3. पिबन्तीभ्याम् | 4. जाग्रतीभ्यां | 5. नृत्यन्त्याः |
| 6. सीव्यन्तीभ्यः | 7. तुष्यन्त्याः | 8. प्रीणतीभ्यः | |

अभ्यासः - 308

- | | | | |
|----------------|------------------|------------------|-----------------|
| 1. चरन्त्याः | 2. गायन्त्यः | 3. तुष्यन्त्याः | 4. तर्जयन्त्याः |
| 5. धावतः | 6. क्रीडद्भ्यां | 7. आगच्छन्तीभ्यः | 8. हसन्त्याः |
| 9. पठद्भ्यः | 10. दुराचरतः | 11. वहन्त्याः | 12. विकसद्भ्यः |
| 13. धावतः | 14. चलतः | 15. चलन्त्याः | 16. ददद्भ्यः |
| 17. प्रीणत्याः | 18. वितरन्तीभ्यः | 19. गायद्भ्यः | |

अभ्यासः - 309

- | | | | |
|-----------------|---------|---------------|-----------|
| 2. चोरयद्भ्यः | 3. भषतः | 4. सर्पद्भ्यः | 5. ताडयतः |
| 6. निन्दद्भ्यां | | | |

अभ्यासः - 310

- कुर्वतः, जयन्त्याः, क्षिपतः, जानतीभ्यः, गायन्तीभ्यां, गृह्णतः, गच्छद्भ्यः

अभ्यासः - 311

- | | | | | |
|----------|--------------|--------------|----------|----------|
| 2. भानोः | 3. चन्द्रमसः | 4. वणिग्भ्यः | 5. दातुः | 6. साधोः |
|----------|--------------|--------------|----------|----------|

अभ्यासः - 312

- पुं —** शीघ्रं गच्छतः बालकस्य गृहं दूरे अस्ति । 2. क्रीडतः शिशोः सौन्दर्यं पश्यतु ।
 3. चलतः युवकस्य हस्ते पुष्पगुच्छः अस्ति । 4. काव्यं लिखतः कवेः प्रशंसां करोतु ।
 5. कार्यं कुर्वतः नागराजस्य साहाय्यं करोतु ।
- स्त्री.—** हसन्त्याः छात्रायाः तर्जनं करोति । 2. पचन्त्याः महिलाया नाम न जानामि ।
 3. नाटकं कुर्वत्याः गीतायाः अभिनयः सुन्दरः । 4. फलं खादन्त्याः बालायाः बुभुक्षा जाता ।
 5. वस्त्रं प्रक्षालयन्त्याः सेविकायाः कार्यं पश्यतु ।
- नपुं.—** गच्छतः यानस्य धूमं पश्यतु । 2. शब्दं कुर्वतः यन्त्रस्य परिशोधनं कारयतु ।
 3. वृक्षात् पततः फलस्य वर्णं पश्यतु । 4. आह्वयतः मित्रस्य मुखं पश्यतु ।
 5. अधः पततः उपनेत्रस्य धूलिं मार्जयतु ।

अभ्यासः - 313

- | | | | |
|-----------------|--------------|---------------|-----------------|
| 1. पश्यन्त्याः | 2. क्रीणतः | 3. शृण्वतां | 4. प्रवहन्त्याः |
| 5. कुर्वतः | 6. निवसतां | 7. कुर्वत्याः | 8. गच्छन्त्या |
| 9. नृत्यन्त्योः | 10. हसतः | 11. गायतोः | 12. पाठयन्त्याः |
| 13. कुर्वतः | 14. कुर्वतां | 15. दीव्यतः | |

अभ्यासः - 314

- | | |
|------------------------------|-----------------------------------|
| 1. गच्छतः आरक्षिणः चित्रम् । | 2. खादन्त्याः बालिकायाः चित्रम् । |
| 3. चलतः यानस्य चित्रम् । | 4. लिखतः बालकस्य चित्रम् । |
| 5. ध्यायतः ऋषेः चित्रम् । | 6. विकसतः पुष्पस्य चित्रम् । |

अभ्यासः - 315

- | | |
|---|--|
| 2. गोपालः हसन्त्याः लतायाः अनुजः । | 3. गोपालः यच्छतः सुरेशस्य पिता । |
| 4. गोपालः निन्दतः जनस्य शत्रुः । | 5. गोपालः चिन्तयतः सुधीरस्य वैद्यः । |
| 6. गोपालः लिखन्त्याः उमायाः पिता । | 7. गोपालः कार्यं कुर्वतः राघवस्य स्वामी । |
| 8. गोपालः पाठयतः शिक्षकस्य शिष्यः । | 9. गोपालः अर्चन्त्याः गौतम्याः बन्धुः । |
| 10. गोपालः उपविशतः राकेशस्य पौत्रः । | 11. गोपालः पचन्त्याः कवितायाः पतिः । |
| 12. गोपालः क्रीडतः गोविन्दस्य श्यालः । | 13. गोपालः नृत्यन्त्याः सहोदरायाः भ्राता । |
| 14. गोपालः पश्यतः कृष्णस्य मातुलः । | 15. गोपालः पठतां छात्राणां सहपाठी । |
| 16. गोपालः यच्छन्त्याः सुशीलायाः पुत्रः । | |

अभ्यासः - 316

- | | | | |
|-------------|--------------|------------|---------------------------|
| 1. तिष्ठति | 2. अभिनयत्सु | 3. गायत्सु | 4. (मयि/तस्मिन् ...) वदति |
| 5. ध्यायति | 6. पठत्सु | 7. धावतोः | 8. पठत्सु |
| 9. यच्छत्सु | | | |

अभ्यासः - 317

- | | | | |
|----------------|---------------|-------------|--------------|
| 1. नृत्यन्तीषु | 2. पूजयन्तीषु | 3. पठन्तीषु | 4. कुर्वतीषु |
| 5. कथयन्तीषु | | | |

अभ्यासः - 318

1. द्वि. - कथयन्त्योः महिलायोः विश्वासः नास्ति । बहु. - कथयन्तीषु महिलासु विश्वासः नास्ति ।
 2. एक. - पूजयन्त्यां भक्तायां देवः कृपां प्रदर्शयति । बहु. - पूजयन्तीषु भक्तासु देवः कृपां प्रदर्शयति ।

3. एक. - कार्यं कुर्वत्यां पुत्र्यां मातुः विशेषप्रीतिः । द्वि. - कार्यं कुर्वत्योः पुत्र्योः मातुः विशेषप्रीतिः ।
4. द्वि. - आगच्छन्त्योः एतयोः सद्गुणाः सन्ति । बहु. - आगच्छन्तीषु एतासु सद्गुणाः सन्ति ।
5. द्वि. - नृत्यन्त्योः नर्तक्योः विशेषकौशलम् अस्ति । बहु. - नृत्यन्तीषु नर्तकीषु विशेषकौशलम् अस्ति ।
6. द्वि. - तिष्ठन्त्योः लतयोः पुष्पाणि न सन्ति । बहु. - तिष्ठन्तीषु लतासु पुष्पाणि न सन्ति ।

अभ्यासः - 319

- | | | | |
|----------------|---------------|----------------|-----------|
| 1. गच्छत्सु | 2. लिखत्सु | 3. हसन्तीषु | 4. पतति |
| 5. अवतरन्त्योः | 6. पूजयत्सु | 7. उपविशन्तीषु | 8. भ्रमति |
| 9. गच्छति | 10. प्रणमत्सु | 11. चरत्सु | |

अभ्यासः - 320

1. (i) रमेशस्य गृहे कापि पूजा अस्ति, अतः सः गृहे तिष्ठन् पठति ।
(ii) मोहनः पृष्ठभागतः आगच्छतां यानानां विषये अवधानवान् भवेत् ।
(iii) मोहनः चलतः लोकयानात् न अवतरेत् ।
(iv) अध्यापकस्य आदेशानुसारं व्यवहरन्तः पठन्तः लिखन्तः अभ्यासान् कुर्वन्तः च अध्ययनं कुर्युः ।
(v) अधिकान् अङ्कान् प्राप्नुवन्तः कीर्तिशालिनः भवेयुः ।
2. (i) स्था, तिष्ठन्तः (ii) गम्, गच्छन्तः (iii) चल, चलन्तः
(iv) कृ, कुर्वन्तः (v) श्रु, शृण्वन्तः (vi) क्रीड, क्रीडन्तः
(vii) धाव, धावन्तः (viii) जल्प, जल्पन्तः (ix) पठ्, पठन्तः
(x) आप्, आप्नुवन्तः
3. (i) गच्छत्, गच्छती, गच्छन्ति (ii) चलत्, चलती, चलन्ति
(iii) पतत्, पतती, पतन्ति (iv) विकसत्, विकसती, विकसन्ति
(v) कुर्वत्, कुर्वती, कुर्वन्ति (vi) भ्रमत्, भ्रमती, भ्रमन्ति
(vii) अवतरत्, अवतरती, अवतरन्ति (viii) प्रविशत्, प्रविशती, प्रविशन्ति

4. (i) गच्छन्तः (ii) पश्यन्तः (iii) प्राप्नुवन् (iv) धावन्
(v) आगच्छन्तं (vi) आगच्छता (vii) पठते (viii) लिखत्सु
(ix) क्रीडद्भिः
5. (i) गच्छत् (ii) चलत् (iii) भ्रमन्ति (iv) अवतरत्
(v) विकसन्ति (vi) जल्पन्ति (vii) नश्यन्ति
6. (i) कुर्वन्ति, कुर्वन्, कुर्वन्तौ, कुर्वन्तः (ii) शृण्वन्ति, शृण्वन्, शृण्वन्तौ, शृण्वन्तः
(iii) जानन्ति, जानन्, जानन्तौ, जानन्तः (iv) गृह्णन्ति, गृह्णन्, गृह्णन्तौ, गृह्णन्तः
(v) शक्नुवन्ति, शक्नुवन्, शक्नुवन्तौ, शक्नुवन्तः (vi) क्रीणन्ति, क्रीणन्, क्रीणन्तौ, क्रीणन्तः
(vii) यान्ति, यान्, यान्तौ, यान्तः (viii) रुदन्ति, रुदन्, रुदन्तौ, रुदन्तः
(ix) विश्वसन्ति, विश्वसन्, विश्वसन्तौ, विश्वसन्तः (x) ददति, ददत्, ददतौ, ददतः
7. शत्रन्तानि — (i) शक्नुवन् (ii) जानन् (iii) कुर्वन्
(iv) आगच्छन् (v) गच्छन्
अन्यानि — (i) शक्तवान् (ii) क्रीतवान् (iii) धीमान्
(iv) श्रीमान् (v) श्रुतवान्
8. (i) जलं पिबता तेन आकाशः दृष्टः । (ii) जल्पता तेन समयः विस्मृतः ।
(iii) बिलात् आगच्छता सर्पेण जिह्वा प्रसारिता । (iv) क्रीडद्भिः बालकैः कोलाहलः कृतः ।
(v) चित्रं पश्यद्भिः जनैः आनन्दः अनुभूतः । (vi) गीतं शृण्वद्भिः प्रेक्षकैः करतालिका कृता ।
9. (i) प्रहरतः स्वामिनः (ii) विकसतः पुष्पस्य (iii) क्रीणतां जनानां
(iv) कथयतः भवतः (v) चिन्तयतां पण्डितानां (vi) आज्ञां पालयतां छात्राणां

अभ्यासः - 321

1. (i) आभा पुरीनगरे निवसति ।
(ii) सा स्वमात्रा सख्या च सह समुद्रतीरं गतवती ।
(iii) आभायाः पिता आरक्षिविभागे कार्यं करोति ।
(iv) सा तत्र भ्रमन्तीभिः धीवरकन्याभिः सह अक्रीडत् ।

(v) आभायाः माता समुद्रतीरे उपविशन्तभिः अटन्तीभिः च महिलाभिः वार्तालापं कुर्वती प्रत्यागमनसमयं व्यस्मरत् ।

2. (i) ✓ (ii) ✓ (iii) × (iv) × (v) ✓
3. (i) स्मरन्त्या (ii) कुर्वतीः (द्वि.बहु.) / कुर्वत्या (iii) पिबन्तीषु
(iv) लिखन्त्यै (v) पठन्तीभ्याम्
4. (i) चल् (ii) वद् (iii) स्पृश् (iv) दृश्
5. (i) क्रीडन्तीः (द्वि.बहु.) / क्रीडन्त्याः (पं.ष.एक.) (ii) रुदतः (iii) स्वपत्सु
(iv) आगच्छन्तीभ्याम् (v) भ्रमन्ती
6. (i) (ग) (ii) (घ) (iii) (क) (iv) (ख) (v) (च) (vi) (ङ)
7. (i) पहन्त्या (ii) पिबन्तीं (iii) हसन्त्या (iv) चरन्तीषु
8. प्रथमा - (i) गच्छन्ती (ii) पश्यन्ती (iii) कुर्वती
(iv) प्रदर्शयन्त्यः
द्वितीया - (i) धावन्तीम् (ii) स्पृशन्तीम् (iii) इच्छन्तीम्
(iv) आगच्छन्तीम्
तृतीया - (i) उपविशन्त्या (ii) भ्रमन्तीभिः (iii) अटन्तीभिः
(iv) उपविशन्तीभिः
षष्ठी - (i) निवारयन्त्याः (ii) याचन्त्योः (iii) धावन्तीनाम्
(iv) उपविशन्त्याः
9. (i) कुर्वती (ii) शृण्वत्या (iii) रुदतीं (iv) छिन्दतीं
(v) क्रीणत्याः (vi) आशक्नुवत्याः (vii) गृह्णत्याः

अभ्यासः - 322

1. मोदमानः 2. शिक्षमाणौ 3. वर्तमानम् 4. याचमानाः
5. स्पर्धमानम् 6. कामयमानः 7. जायमानाः 8. मन्यमाने
9. प्रियमाणे 10. उद्भादयमाना

अभ्यासः - 323

- | | | | |
|--------------------|---------------|-----------------|---------------|
| 1. शोभमाने | 2. कम्पमानायै | 3. यतमानात् | 4. लभमानानाम् |
| 5. वर्धमाने | 6. सहमानाभिः | 7. खिद्यमानाभिः | 8. रचयमानौ |
| 9. प्रार्थयमानायाः | | | |

अभ्यासः - 324

- | | | | |
|------------|-------------|-------------|-------------|
| 2. आशासानः | 3. आचक्षाणः | 4. कुर्वाणः | 5. भुञ्जानः |
| 6. मन्वानः | 7. ब्रुवाणः | 8. दुहानः | 9. स्तुवानः |
| 10. ददानः | | | |

अभ्यासः - 325

- | | | | |
|-------------|--------------|-------------|-------------|
| 1. रुन्धानः | 2. चिन्वानः | 3. सुन्वानः | 4. वृण्वानः |
| 5. क्रीणानः | 6. गृह्णानः | 7. जानानः | 8. तन्वानः |
| 9. भिन्दानः | 10. छिन्दानः | | |

अभ्यासः - 326

- क. ईक्षमाणः, कामयमानः, रममाणः, याचमानः, बोधयमानः
 ख. पुनानः, बध्नानः, प्रीणानः, शृण्वानः, तन्वानः

अभ्यासः - 327

- | | | | |
|----------------------|--------------|---------------|--------------|
| 1. मोदमानः | 2. एधमाना | 3. शिक्षमाणाय | 4. भासमानानि |
| 5. रोचमानेन | 6. कम्पमानाय | 7. वर्तमानः | 8. ऊहमानः |
| 9. डयमानाः, शोभमानाः | 10. यतमाने | | |

अभ्यासः - 328

- | | | | |
|-------------|-------------|-------------|--------------|
| 1. अधिशयानं | 2. अधीयानः | 3. चिन्वानः | 4. जानानस्य |
| 5. आशासानाः | 6. चिन्वानः | 7. मन्वानाः | 8. कुर्वाणाः |
| 9. भुञ्जानः | | | |

अभ्यासः - 329

- | | | | |
|--------------|---------------|-------------|--------------|
| 1. कामयमानः | 2. आचक्षाणः | 3. भिन्दानः | 4. मन्यमानाः |
| 5. क्रीणानं | 6. स्पर्धमानः | 7. क्षममाणः | 8. भाषमाणः |
| 9. विद्यमानः | 10. अवलोकमानः | | |

अभ्यासः - 330

1. (i) राज्ञा जनकेन स्वयंवरसभा आयोजिता ।
(ii) स्वयंवरमण्डपे विद्यमानं धनुः निर्णायिकां भूमिकां निर्वक्ष्यति इति घोषणा जायमाना आसीत् ।
(iii) असाफल्यं भजमानाः राजानः उपहासपात्रतां व्रजन्ति स्म ।
(iv) सभायां विद्यामनाः सर्वे जयतु जयतु इति उक्तवन्तः ।
(v) गुरुजनानाम् आशिषं याचमानौ दम्पती सर्वान् नमस्कृतवन्तौ ।
2. (i) भजमाना (ii) यतमाना (iii) मोदमाना (iv) भाषमाणा
(v) कम्पमाना
3. (i) ध्वंसमानस्य (ii) लभमानस्य (iii) रममाणस्य (iv) यजमानस्य
(v) बाधमानस्य
4. (i) (ग) (ii) (क) (iii) (ख) (iv) (ङ) (v) (घ)
5. (i) कम्पमानायां (ii) ध्वंसमानं (iii) यतमानेन (iv) वर्तमाने
6. (i) लभ् (ii) भज् (iii) बुध् (iv) शुभ्
(v) विद् (vi) वृध्
7. पुलिङ्गे - (i) कामयमानेन (ii) भाषमाणः (iii) शोभमानौ
(iv) यतमानाः (v) कम्पमानाभ्याम्
- स्त्रीलिङ्गे - (i) जायमाना (ii) प्रवहमानाम् (iii) मोदमाना
(iv) भाषमाणया (v) स्पर्धमानायै
8. (i) बिहार प्रदेशे प्रवहमानां गङ्गां रामलक्ष्मणौ तीर्णवन्तौ ।

- (ii) यतमानाः राजानः असफला भवन्ति ।
 (iii) असाफल्यं भजमानाः उपहासपात्रतां यान्ति ।
 (iv) उत्सहमानाय रामाय विश्वामित्रः प्रेरयति ।
 (v) सभायां विराजमानं रामं सीता वृतवती ।
 (vi) भाषमाणया सीतया सह जनकः आगतः ।

9. (i) धावन्, धावन्ती (ii) शृण्वन्, शृण्वती (iii) पचमानः, पचमाना
 (iv) कुर्वाणः, कुर्वाणा (v) गच्छन्, गच्छन्ती (vi) वर्तमानः, वर्तमाना
 (vii) पठन्, पठन्ती (viii) मोदमानः, मोदमाना (ix) लिखन्, लिखन्ती
 (x) जायमानः, जायमाना (xi) प्रकाशमानः, प्रकाशमाना (xii) शोभमानः, शोभमाना
 (xiii) शङ्कमानः, शङ्कमाना (xiv) क्रीडन्, क्रीडन्ती (xv) नयन्, नयन्ती
 (xvi) प्रार्थयमानः, प्रार्थयमाना (xvii) वर्धमानः, वर्धमाना (xviii) एधमानः, एधमाना
 (xix) पश्यन्, पश्यन्ती (xx) भाषमाणः, भाषमाणा



परिशिष्टम् - 2

व्यवहारप्रदीपस्य शब्दकोशः

अ

अंसभारः (पुं.)	the weight which can be borne by a man on his shoulder	भार जो एक आदमी अपने कन्धे पर उठा सकता है।
अकर्मक (वि.)	intransitive	अकर्मक
अक्षि (नपुं.)	eye	आँख
अग्निः (पुं.)	fire	आग
अट् (अटति)	to walk	भ्रमण करना / घूमना
अति-क्रम् (अतिक्रामति/अतिक्राम्यति)	to surpass	अतिक्रमण करना
अतिथिगृहम् (नपुं.)	guest house	अतिथि निवास
अर्थलिप्सुः (पुं.)	desirous of money/ wealth	धनलोलुप
अद्रिः (पुं.)	mountain	पहाड़ / पर्वत
अधि-इङ् (अधीते)	to study	अध्ययन करना
अधिकारिन् (वि.) (पुं.- अधिकारी, स्त्री.- अधिकारिणी)	officer	अधिकारी
अधि-गम् (अधिगच्छति)	to obtain	प्राप्त करना
अधिवक्तृ (वि.) (पुं.- अधिवक्ता, स्त्री.- अधिवक्त्री)	lawyer	वकील
अधि-वस् (अधिवसति)	to live	निवास करना / रहना
अधीयान (वि.)	one who studies	अध्ययन करने वाला

अध्येतृ (वि.)	one who studies/student	विद्यार्थी / अध्ययनार्थी
(पुं.- अध्येता, स्त्री.- अध्येत्री)		
अध्वा (अध्वन्-पुं.)	way	मार्ग
अनावृष्टिः (स्त्री.)	drought	सूखा / वर्षा का अभाव
अनु-कृ (अनुकरोति)	to imitate	अनुकरण करना
अनु-गम् (अनुगच्छति)	to follow	अनुगमन करना / पीछा करना
अनुचर (वि.)	follower	अनुचर
अनुदानम् (नपुं.)	donation	अनुदान
अनु-पाल् (अनुपालयति)	to obey	अनुपालन करना / आज्ञा का पालन करना
अनुप्राणित (वि.)	animated	अनुप्राणित
अनुयायिन् (वि.)	follower	अनुयायी
(पुं.- अनुयायी, स्त्री.- अनुयायिनी)		
अनुरक्तिः (स्त्री.)	attachement	अनुराग / लगाव
अनु-वद् (अनुवदति)	to translate	अनुवाद करना / बाद में बोलना
अन्तरा (अव्य.)	between	मध्य में
अन्तरेण (अव्य.)	without	बिना
अप-कृ (अपकरोति)	to harm	अपकार/बुरा करना / क्षति पहुँचाना
अपशब्दः (पुं.)	incorrect words / abuse / ill words / bad names	अशुद्ध या अस्पष्ट शब्द / दुर्वचन / गाली
अप-सृ (अपसरति)	to go away	हटना
अप्सराः (अप्सरस् - स्त्री.)	fairy	अप्सरा / परी
अपि-धा (अपिदधाति / पिदधाति)	to shut / to cover	बन्द करना / ढकना
अभि+अञ्ज् (अभ्यञ्जयति)	to anoint	विलेपन करना / तेल लगाना
अभि-ज्ञा (अभिजानाति)	to identify	पहचानना
अभिनेतृ (वि.)	actor	अभिनेता
(पुं.- अभिनेता, स्त्री.- अभिनेत्री)		

अभिभूत (वि.)	subdued	अभिभूत
अभिमन्युः (पुं.)	son of <i>Arjuna</i> and <i>Subhadra</i>	अर्जुन एवं सुभद्रा का पुत्र
अभियन्तृ (वि.)	engineer	अभियन्ता
(पुं.- अभियन्ता, स्त्री.- अभियन्त्री)		
अभि-शप् (अभिषपति)	to curse	शाप देना
अभ्यागत (वि.)	guest	अतिथि
अमात्यः (पुं.)	minister	मन्त्री
अम्बु (नपुं.)	water	जल
अये ! (अव्य.)	an addressing word	संबोधन-सूचक अव्यय
अरिः (पुं.)	enemy	शत्रु
अलम् (अव्य.)	enough	पर्याप्त
अलिः (पुं.)	black bee	भ्रमर
अव-गाह् (अवगाहते)	to plunge / to dip	अवगाहन करना
अवधिः (पुं.)	duration	अवधि / सीमा
अव-नम् (अवनमति)	to bow	झुकना
अवनिषतिः (पुं.)	king	राजा / भूपति
अव्ययम् (नपुं.)	indeclinable	अव्यय
अश्रु (नपुं.)	tear	आँसू
अश्वारोहिन् (वि.)	horse rider	अश्वारोही / घुड़सवार
(पुं.- अश्वारोही, स्त्री.- अश्वारोहिणी)		
अष्टाध्यायी (स्त्री.)	a book of Sanskrit grammar by <i>Pāṇini</i>	पाणिनिकृत संस्कृत व्याकरण की एक पुस्तक
असिः (पुं.)	sword	तलवार
अस्थि (नपुं.)	bone	हड्डी
अहः (अहन् - नपुं.)	day	दिन

आ

आकाशवाणी (स्त्री.)

आकृतिः (स्त्री.)

आकृष्ट (वि.)

आक्रान्त (वि.)

आ-क्रम् (आक्रम्यति)

आखुः (पुं.)

आखेटः (पुं.)

आचारशील (वि.)

आततायिन् (वि.)

(पुं.- आततायी, स्त्री.- आततायिनी)

आत्मा (आत्मन् - पुं.)

आपद् (स्त्री.)

आयुः (आयुस् - नपुं.)

आरात् (अव्य.)

आर्तभावः (पुं.)

आ-लुक् (आलोकते)

आवलिः / आवली (स्त्री.)

आ+शास् (आशास्ते)

आशीः (आशिष् - स्त्री.)

आसक्तिः (स्त्री.)

आ-सद् (आसादयति)

आस् (आस्ते)

an incorporeal speech/ a
voice from heaven

shape

attracted

overcome

to invade/to attack

mouse

hunting /prey

man with good conduct

terrorist

soul

calamity/distress

age

near/in the vicinity

the state of distress /
suffering

to see

line/row

to hope

blessing

addiction, attachment

to obtain

to sit

आकाशवाणी / दैवी वाणी / अमूर्त
वाणी

आकृति / आकार / स्वरूप

आकर्षित किया

आक्रान्त

आक्रमण करना

चूहा

शिकार / मृगयाविहार

आचारवान् / सच्चरित

आतङ्कवादी

आत्मा

विपत्ति / संकट / दुःख

उग्र

समीप / निकट

आर्तभाव / व्याकुलता / दुःखापन्न /

व्यग्रता

देखना

रेखा / पङ्क्ति

आशा करना

आशीर्वाद

आसक्ति / व्यसन / लगाव

प्राप्त करना

बैठना

इ

इतिहासविद् (पुं.)

historian

इतिहासज्ञ / इतिहासकार

इदम् (सर्व.वि.)

this

यह

इन्द्रलोकः (पुं.)

the world of Indra

इन्द्रलोक

इषुः (पुं./स्त्री.)

arrow

बाण

ई

ईषत् (अव्य.)

slight / a few

अल्प / थोड़ा

ईह (ईहते)

to wish / to desire

चेष्टा / इच्छा / कामना करना

उ

उटजः (पुं.)

hut

कुटिया / झोपड़ी

उद्-इष् (उदेति)

to rise

उदय होना / उठना

उत्तररामचरितम् (नपुं.)

a famous drama on
Rāmakathā written by
Bhavabhūti

भवभूति-विरचित राम-विषयक
नाटक

उद्-पत् (उत्पतति)

to fly

उड़ना

उद्-विज् (उद्विजते)

to agitate

उद्विग्न होना

उप-आस् (उपास्ते)

to worship/ to sit near to

उपासना करना / पूजा करना /
पास बैठना

उपनयन-संस्कारः (पुं.)

sacred thread ceremony

यज्ञोपवीत संस्कार

उपनिषद् (स्त्री.)

Upaniṣads

उपनिषद्, ब्रह्मज्ञान प्रतिपादक वैदिक
ग्रन्थ

उपन्यासः (पुं.)

novel

उपन्यास

उपभोक्तृ (वि.)

consumer

उपभोक्ता

(पुं.- उपभोक्ता, स्त्री.- उपभोक्त्री)

उप-युज् (उपयुनक्ति/उपयुज्यते)

to utilise

उपयोग करना

उपविशत् (वि.)	while sitting	बैठता हुआ / बैठती हुई
(पुं.- उपविशन्, स्त्री.- उपविशन्ती, नपुं.- उपविशत्)		
उपसर्गः (पुं.)	preposition	उपसर्ग
उपाधिः (पुं.)	degree	उपाधि
उपानत् (स्त्री.)	shoe/sandal	जूता / चप्पल
उपायनद्रव्यम् (नपुं.)	gift	उपहार
उपेक्षाभावः (पुं.)	negligence	उपेक्षाभाव
उर्मिला (स्त्री.)	the wife of <i>Lakṣmaṇa</i>	लक्ष्मण की पत्नी
उर्वशी (स्त्री.)	fairy	अप्सरा-विशेष का नाम
ऊ		
ऊष्मा (ऊष्मन् - पुं.)	heat	गर्मी
ऋ		
ऋते (अव्य.)	without / bereft of	बिना / पूर्ण रूप से वंचित
ए		
एकलंब्यः (पुं.)	pupil of <i>Droṇācārya</i> who learnt <i>dhanurvedyā</i> by worshipping his statue like a <i>Guru</i>	द्रोणाचार्य के शिष्य जिसने उनकी मूर्ति को गुरु मानकर धनुर्विद्या की शिक्षा ली थी
एकाकिन् (वि.)	alone	अकेला
(पुं.- एकाकी, स्त्री.- एकाकिनी)		
एकीकरणम् (नपुं.)	gathering	एकत्र करना
एध् (एधते)	to grow	बढ़ना
एधमान (वि.)	growing	बढ़ता हुआ

क

कंसः (पुं.)	the maternal uncle of Lord <i>Śrī Kṛṣṇa</i>	श्रीकृष्ण का मातुल (मामा)
कङ्कणम् (नपुं.)	bangle	कंगन / चूड़ी
कण्डू (कण्डूयते)	to itch	खुजली करना
कण्डोलः (पुं.)	a basket	टोकरा / टोकरी
कण्वः (पुं.)	a saint in whose hermitage <i>Śakuntalā</i> used to live	एक मुनि जिनके आश्रम में शकुन्तला रहती थी
कनिष्ठ (वि.)	smallest/most junior	सब से छोटा
कम्प (कम्पते)	to tremble	काँपना
कपिः (पुं.)	monkey	बन्दर
कपिलवर्णः (पुं.)	tawny / yellowish colour	पीला वर्ण
कमण्डलुः (स्त्री.)	jug used by hermits	ऋषियों के जलपात्र
करिन् (वि.)	elephant	हाथी
(पुं.- करी, स्त्री.- करिणी)		
कर्कश (वि.)	harsh	कठोर
कर्तृ (वि.)	doer	करनेवाला
(पुं.- कर्ता, स्त्री.- कर्त्री)		
कर्मचारिन् (वि.)	employee	कर्मचारी
(पुं.- कर्मचारी, स्त्री.- कर्मचारिणी)		
कलाकृतिः (स्त्री.)	architecture	कलाकृति
कष्टसहिष्णु (वि.)	tolerant	कष्ट सहने वाला / सहनशील
कात्यायनः (पुं.)	name of a grammarian who has written <i>Vārttika</i> on <i>Aṣṭādhyāyī</i>	वार्तिककार, कात्यायन मुनि जिस ने अष्टाध्यायी की वृत्ति लिखी है

कादम्बरी (स्त्री.)	a prose literature written by <i>Bāṇabhaṭṭa</i>	बाणभट्ट द्वारा लिखित गद्यसाहित्य
कान्तिः (स्त्री.)	glow / luster	कान्ति
कामयमान (वि.)	desiring	चाहता हुआ
कार्यकर्तृ (वि.)	activist	कार्यकर्ता
(पुं.- कार्यकर्ता, स्त्री.- कार्यकर्त्री)		
कार्यदर्शिन् (वि.)	one who sees the works	काम देखनेवाला
(पुं.- कार्यदर्शी, स्त्री.- कार्यदर्शिनी)		
कालिदासः (पुं.)	a great poet and dramatist of Sanskrit	संस्कृत के सुप्रसिद्ध कवि एवं नाटककार
किरीटम् (पुं./नपुं.)	diadem	किरीट / मुकुट
किल (अव्य.)	indeed/certainly	निश्चितता सूचक अव्यय
कीर्तिः (स्त्री.)	fame	यश / ख्याति
कुञ्जः (पुं.)	grove	कुञ्ज
कुटिः (स्त्री.)	hut	कुटिया
कुन्ती (स्त्री.)	mother of <i>Pāṇḍavas</i> / wife of <i>Pāṇḍu</i>	पाण्डवों की माता / पाण्डु की पत्नी
कुमारी (स्त्री.)	unmarried girl	अविवाहिता कन्या
कुर्वत् (वि.)	while doing	करती हुई / करता हुआ
(पुं.- कुर्वन्, स्त्री.- कुर्वती, नपुं.- कुर्वत्)		
कुल्या (स्त्री.)	canals	नहर
कूपी (स्त्री.)	bottle	बोतल
कूर्द (कूर्दते)	to jump	कूदना
कृतघ्न (वि.)	one who does not admit the help received by others	कृतघ्न

कृतिः (स्त्री.)	literary work/production /performance	रचना / निर्माण
कृष्णः - वासुदेवः (पुं.)	son of <i>Devakī</i> and <i>Vasudeva</i>	देवकी एवं वसुदेव के पुत्र श्रीकृष्ण
कैकेयी (स्त्री.)	wife of <i>Daśaratha</i> / mother of <i>Bharata</i>	दशरथ की पत्नी / भरत की माता
कोणार्कमन्दिरम् (नपुं.)	Sun temple of <i>Koṇārka</i>	कोणार्क का सूर्य मन्दिर
कोमल (वि.)	delicate	कोमल
कौसल्या (स्त्री.)	wife of <i>Daśaratha</i> / mother of <i>Srī Rāma</i>	दशरथ की पत्नी / श्रीराम की माता
क्रीडत् (वि.) (पुं.- क्रीडन्, स्त्री.- क्रीडन्ती, नपुं.- क्रीडत्)	while playing	खेलता हुआ / खेलती हुई
क्रीडांगणम् (नपुं.)	play ground	खेल का मैदान
क्रीडापटुः (पुं.)	skilful player	निपुण खेलाड़ी
क्रीणत् (वि.) (पुं.- क्रीणन्, स्त्री.- क्रीणती, नपुं.- क्रीणत्)	while purchasing	खरीदता हुआ / खरीदती हुई
क्रेतुम् (क्री- तुमुन् - अब्य.)	for purchasing	खरीदने के लिए
क्वचित् (अब्य.)	sometimes	कभी-कभी
क्षुध् (स्त्री.)	hungry	भूख

ख

खनित्रकम् (नपुं.)	a spade	कुदाल
खादत् (वि.) (पुं.- खादन्, स्त्री.- खादन्ती, नपुं.- खादत्)	while eating	खाता हुआ / खाती हुई

खिद् (खिद्यते)	to suffer pain or misery/ to feel depressed or afflicted or dejected	खिन्न होना
ग		
गङ्गा (स्त्री.)	the holy river <i>Garigā</i>	पवित्र गंगा नदी
गङ्गोत्री (स्त्री.)	the source place of <i>Garigā</i>	गंगा की उत्पत्ति / उद्गम स्थल
गच्छत् (वि.)	while going	जाता हुआ / जाती हुई
(पुं.- गच्छन्, स्त्री.- गच्छन्ती, नपुं.- गच्छत्)		
गणपतिः (पुं.)	Lord <i>Gaṇeśa</i>	गणेश
गतिमत् (वि.)	moving	गतिशील
(पुं.- गतिमान्, स्त्री.- गतिमती, नपुं.- गतिमत्)		
गरीयस् (वि.)	heavier	बड़ी
(पुं.- गरीयान्, स्त्री.- गरीयसी, नपुं.- गरीयः)		
गान्धर्वविधिः (पुं.)	Love marriage	प्रेम विवाह
गायत् (वि.)	while singing	गाता हुआ / गाती हुई
(पुं.- गायन्, स्त्री.- गायन्ती, नपुं.- गायत्)		
गार्गी (स्त्री.)	name of a female vedic sage	एक वैदिक ऋषिका
गाहमान (वि.)	while taking bath	अवगाहन / स्नान करता हुआ
गिरिः (पुं.)	hill	पहाड़
गुणिन् (वि.)	meritorious	गुणी / गुणवान् / प्रतिभावान्
(पुं.- गुणी, स्त्री.- गुणिनी)		

गुप्-सन् (जुगुप्सते)	to hate	घृणा करना
गुरुः (पुं.)	teacher	शिक्षक
गृह्णत् (वि.)	while accepting	लेता हुआ / लेती हुई
(पुं.- गृह्णन्, स्त्री.- गृह्णन्ती, नपुं.- गृह्णत्)		
गोपाः (पुं.)	protectors / milkmen	रक्षाकर्ता / गोपाल / ग्वाला
गौः (पुं.)	cow	गाय
गौरी (स्त्री.)	another name of <i>Pārvatī</i>	पार्वती का दूसरा नाम

घ

घटोद्घ्नी (स्त्री.)	cow having pot like breasts	घट सदृश थन वाली गाय
---------------------	-----------------------------	---------------------

च

च (अव्य.)	and	और
चक्रवर्तिलक्षणोपेत (वि.)	adorned with the characteristic / attributes / of lordship	चक्रवर्ती राजा के लक्षणों से युक्त (समन्वित)
चक्रवर्तिन् (वि.)	emperor	काश्मीर से कन्याकुमारी तक एक विराट् भारतवर्ष का शासक / राजा
(पुं.- चक्रवर्ती, स्त्री.- चक्रवर्तिनी)		
चक्षुः (नपुं.)	eye	आँख
चतुर्भुज (वि.)	four armed / name of <i>Viṣṇu</i>	चार भुजा हाथ वाला / भगवान् विष्णु का नाम
चन्द्रगुप्तः (पुं.)	a <i>Maurya</i> king	एक मौर्य सम्राट्
चन्द्रमाः (चन्द्रमस् - पुं.)	moon	चाँद
चमूः (स्त्री.)	an army	सेना

चरकः (पुं.)	author of the <i>Āyurvedic</i> text <i>Carakasamihita</i>	आयुर्वेदिक ग्रन्थ चरक संहिता के रचयिता
चरत् (वि.)	while grazing	चरता हुआ / चरती हुई
(पुं.- चरन्, स्त्री.- चरन्ती, नपुं.- चरत्)		
चर्चा (स्त्री.)	discussion	परिचर्चा
चल् (चलति)	to cause / move	चलना
चाणक्यः (पुं.)	a famous minister of great king <i>Chandra Gupta</i> , <i>Cāṇakya</i> is also known as <i>Kauṭīlaya</i> / <i>Viṣṇu Gupta</i> who authored an authentic book <i>Arthaśāstra</i>	चन्द्रगुप्त का एक महान् अनुभवी मंत्री जो कौटिल्य तथा विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है जिसने अर्थशास्त्र नामक एक प्रामाणिक पुस्तक लिखी
चिक्रोडकः (पुं.)	squirrel	गिलहरी
चित्रकूटम् (नपुं.)	a holy place where Lord <i>Rāma</i> spent some time during his exile	एक पवित्र तीर्थ स्थान जहाँ भगवान् राम ने कुछ समय बनवास बिताया
चित्रफलकम् (नपुं.)	a table for painting / picture board	चित्र बनाने की मेज / फलक
चिन्तयत् (वि.)	while thinking	सोचता हुआ / सोचती हुई
(पुं.- चिन्तयन्, स्त्री.- चिन्तयन्ती, नपुं.- चिन्तयत्)		
चिन्वत् (वि.)	while plucking	चुनता हुआ / चुनती हुई
(पुं.- चिन्वन्, स्त्री.- चिन्वन्ती, नपुं.- चिन्वत्)		
चिरम् (अव्य.)	for a long period	बहुत काल तक
चेतः (चेतस् - नपुं.)	mind/heart	मन, चित्त
चेत् (अव्य.)	if	यदि

छ		
छदि: (स्त्री.)	roof	छत
छिद् (छिनत्ति)	to cut	छेदन करना
ज		
जगत् (स्त्री.)	world	संसार / विश्व
जगद्गुरु: (पुं.)	the teacher of the world/ <i>Śaṅkarācārya</i>	विश्व के गुरु / आदि शङ्कराचार्य
जटायु: (पुं.)	a vulture in <i>Rāmāyaṇa</i> who sacrificed his life having fought with <i>Rāvaṇa</i> to rescue <i>Sītā</i>	रामायण कालीन गिद्ध जो सीता के वचाव के लिए रावण के साथ युद्ध करता हुआ मारा गया
जनक: (पुं.)	the king of <i>Videha</i> / the father of <i>Sītā</i>	विदेह नरेश / सीता के पिता
जनसम्मर्द: (पुं.)	crowd	भीड़
जन् (जनयति)	to generate	उत्पन्न करना
जन्तु: (पुं.)	a creature	प्राणी
जन्म (नपुं.)	birth	जन्म
जन्मभूमि: (स्त्री.)	motherland	जन्मभूमि / मातृभूमि
जयद्रथ: (पुं.)	a king of <i>Sindh</i> /brother- in-law of <i>Duryodhana</i>	सिन्धु का राजा / दुर्योधन के बहनोई
जर्जरवंश: (पुं.)	a broken bamboo stick	जीर्ण बाँस
जलधि: (पुं.)	ocean	समुद्र
जागृ (जागर्ति)	to awake	जगना
जानश्रुति: - राजा (पुं.)	a king of <i>Mahābhārata</i> age	महाभारत युग का राजा
जानु (नपुं.)	knee	घुटना

जेतृ (वि.)	winner	विजेता
(पुं.- जेता, स्त्री.- जेत्री)		
ज्ञातृ (वि.)	knower / well versed	जानने वाला / सुविज्ञ
(पुं.- ज्ञाता, स्त्री.- ज्ञात्री)		
ज्ञानवत् (वि.)	a scholar	ज्ञानी / विद्वान् / विदुषी
(पुं.- ज्ञानवान्, स्त्री.- ज्ञानवती,		
नपुं.- ज्ञातवत्)		
ड		
डयमान (वि.)	while flying	उड़ता हुआ
डीङ् (डयते)	to fly	उड़ना
त		
तडित् (स्त्री.)	lightening	बिजली (आकाश में चमकने वाली)
तथाहि (अव्य.)	thus	इस प्रकार
तनुः (स्त्री.)	body	शरीर
तपः (तपस् - नपुं.)	penance	तपस्या
तपस्विन् (वि.)	one who does spiritual	तप करने वाला
(पुं.- तपस्वी, स्त्री.- तपस्विनी)	practices / ascetic	
तरङ्गः (पुं.)	waves	तरंग
तरुः (पुं.)	tree	पेड़
तर्पणम् (नपुं.)	offering water etc. to	पुरखों हेतु अर्पित जल आदि
	forefathers	
ताडयत् (वि.)	while beating	पीटता हुआ / पीटती हुई
(पुं.- ताडयन्, स्त्री.- ताडयन्ती,		
नपुं.- ताडयत्)		

CCO. Vasishtha Tripathi Collection. Digitized by Siddhanta eGangotri Gyan Kosha

दयानन्दः (पुं.)	name of a famous philosopher of modern India/founder of <i>Āryasamāja</i>	स्वामी दयानन्द / आधुनिक भारत के एक लब्धप्रतिष्ठ दार्शनिक / आर्यसमाज के संस्थापक
दशरथः (पुं.)	a king of <i>Ayodhyā</i> / father of <i>Śrī Rāma</i>	अयोध्या के राजा दशरथ / श्रीराम के पिता
दाक्षी (स्त्री.)	mother of the famous grammarian <i>Pāṇini</i>	प्रसिद्ध वैयाकरण पाणिनि की माता
दाम (दामन् - नपुं.)	rope	रस्सी
दारु (पुं. / नपुं.)	wood	काष्ठ / लकड़ी
दाशरथिः (पुं.)	son of <i>Daśaratha</i> / <i>Rāma</i>	दशरथ के पुत्र / राम
दिक् (स्त्री.)	Direction	दिशा
दिनचर्या (स्त्री.)	daily activities / routine	दिनचर्या
दिनपत्रिका (स्त्री.)	dairy	डायरी / दैनन्दिनी
दिवा (अव्य.)	day	दिन
दीपावली (स्त्री.)	festival of lights	दीपावली
दुन्दुभिः (पुं./स्त्री.)	a sort of large kettle drum	दुंदुभि / नगाड़ा
दुराचारिन् (वि.)	ill-mannered/corrupted	दुराचारी
(पुं.- दुराचारी, स्त्री.- दुराचारिणी)		
दुर्गा (स्त्री.)	goddess <i>Durgā</i>	देवी दुर्गा
दुर्वासाः (दुर्वासस् - पुं.)	the name of an ancient sage who is very famous for his furious short temper/anger	प्राचीन ऋषि जिनकी प्रसिद्धि अति भयावह क्रोधी के रूप में है
दुष्यन्तः (पुं.)	a king of <i>Hastināpura</i> who married <i>Śakuntalā</i> in love	हस्तिनापुर का राजा जिस ने शकुन्तला से गान्धर्व विवाह किया

दुह् (दोग्धि)	to milk	दुहना
दुहिता (दुहितृ - स्त्री.)	daughter	कन्या / पुत्री
दूतः (पुं.)	messenger	दूत
दृक् (स्त्री.)	vision	दृष्टि
दृढ (वि.)	firm	दृढ़
दृषद् (स्त्री.)	rock	पत्थर / चट्टान
देवकी (स्त्री.)	mother of Śrī Kṛṣṇa/ wife of Vasudeva	श्रीकृष्ण की माता / वसुदेव की पत्नी
देवी (स्त्री.)	goddess	देवी
दैवात् (अव्य.)	by chance / fate / luck	अकस्मात् / भाग्यवश / संयोगवश
द्युत् (द्योतते)	to shin	चमकना / शोभित होना / प्रदीप्त होना
द्रोणाचार्यः (पुं.)	Guru of Pāṇdavas and Kauravas	पाण्डव एवं कौरव के गुरु
द्रौपदी (स्त्री.)	daughter of Drupada, wife of five Pāṇdavas	द्रुपद पुत्री / पाँच पाण्डवों की पत्नी
द्विकर्मक (वि.)	possessing two objects	दो कर्म वाला
द्विद् (द्विष् - पुं.)	hater	घृणा करने वाला
द्वेषः (पुं.)	enimty	शत्रुता
ध		
धनिन् (वि.)	rich / wealthy	धनवान्
(पुं.- धनी, स्त्री.- धनिनी)		
धनुः (धनुष् - नपुं.)	bow	धनुष
धा (धीयते)	to hold	पकड़ना
धातृ (वि.)	the creator of the universe	ब्रह्मा / प्रजापति
(पुं.- धाता, स्त्री.- धात्री)		

धाम (धामन् - नपुं.)	sacred place of pilgrimage /four are famous while running	आवास स्थान / महत्त्वपूर्ण भारतीय देवपीठ (चार धाम प्रसिद्ध हैं) दौड़ता हुआ / दौड़ती हुई
धावत् (वि.) (पुं.- धावन्, स्त्री.- धावन्ती, नपुं.- धावत्)		
धिक् (अव्य.)	lie upon	निन्दासूचक अव्यय
धीमत् (वि.) (पुं.- धीमान्, स्त्री.-धीमती, नपुं.- धीमत्)	intelligent	बुद्धिमान् / बुद्धिमती
ध्यायत् (वि.) (पुं.- ध्यायन्, स्त्री.- ध्यायन्ती, नपुं.- ध्यायत्)	while meditating	ध्यान करता हुआ / ध्यान करती हुई
ध्वनिः (पुं.)	sound	आवाज़
न		
नक्तम् (अव्य.)	night	रात
नगरी (स्त्री.)	city	शहर
ननान्दा (ननान्दृ - स्त्री.)	sister-in-law	ननद
नन्दवंशः (पुं.)	Nanda dynasty	नन्दवंश
नन्दिनी (स्त्री.)	a cow of <i>Vasiṣṭha</i> whom the king <i>Dilīpa</i> adored for the sack of getting a son	वसिष्ठ की गाय, पुत्र प्राप्ति के लिए राजा दिलीप ने जिसकी सेवा की थी
नरपतिः (पुं.)	the king	राजा
नलः (पुं.)	king of <i>Niṣādha</i> who married <i>Damayanti</i>	निषधराज जिसने दमयन्ती से विवाह किया

नश्यत् (वि.) (पुं.-नश्यन्, स्त्री.-नश्यन्ती, नपुं.- नश्यत्)	while being destroyed	नष्ट होता हुआ / नष्ट होती हुई
नाना (अव्य.)	various / several	विभिन्न / विविध
नाभिः (पुं. - स्त्री.)	navel	नाभि
नाम (नामन् - नपुं.)	name	नाम
निकषा (अव्य.)	near	निकट / समीप
निधानम् (नपुं.)	store / reservoir	संग्रहस्थान / आश्रय / भण्डागार
निधिः (पुं.)	wealth	धन
नि-नद् (निनदति)	to make sound	ध्वनि या शब्द करना
निपुणः (पुं.)	skilful / competent	कुशल / दक्ष
नियन्तृ (वि.) (पुं.- नियन्ता, स्त्री.- नियन्त्री)	controller	नियन्त्रणकर्ता
निरत (वि.)	involvement	with किसी कार्य में निष्ठापूर्वक लगा रहना
निर्-आ-कृ (निराकरोति)	commitment	खण्डन करना
निर्-ईक्ष् (निरीक्षते)	to discard	निरीक्षण करना
निर्झरः (पुं.)	to inspect	झरना
निर्झरिणी (स्त्री.)	stream	झरना
निर्भीकता (स्त्री.)	stream	भय के बिना
निर्-वह् (निर्वहति)	without fear	निर्वहण करना
नि-वार् (निवारयति)	to manage	निवारण करना / हटाना
नि-श्वस् (निश्वसिति)	to remove	श्वास लेना
निष्णात (वि.)	to breath	पारङ्गत / निपुण
नीचैः (नीचैस् - अव्य.)	at home in/expert	नीचे
नीतिः (स्त्री.)	below	नीति
नृत् (नृत्यति)	policy	नाचना
	to dance	

नृत्यत् (वि.) (पुं.- नृत्यन्, स्त्री.- नृत्यन्ती, नपुं.- नृत्यत्)	while dancing	नाचता हुआ / नाचती हुई
नृपतिः (पुं.)	king	राजा
नेतृ (वि.) (पुं.- नेता, स्त्री.- नेत्री)	leader	नेता
नौका (स्त्री.)	boat	नाव
न्यासभूत (वि.)	deposited	जमा किया गया / धरोहर के रूप में रखा गया
प		
पक्षिन् (पुं.) (पुं.- पक्षी, स्त्री.- पक्षिणी)	bird	चिड़िया
पङ्गु (वि.) (पुं.- पङ्गुः, स्त्री.- पङ्गूः / पङ्ग्वी)	lame	लंगडा
पचत् (वि.) (पुं.- पचन्, स्त्री.- पचन्ती, नपुं.- पचत्)	while cooking	भोजन पकाता हुआ / पकाती हुई
पञ्चतन्त्रम् (नपुं.)	a collection of educative short stories written by <i>Viṣṇuśarmā</i>	विष्णुशर्मा द्वारा लिखित नीतिकथा / शिक्षाप्रद कथासंग्रह
पटु (वि.) (पुं.- पटुः, स्त्री.- पटूः / पट्वी)	at home in / skillful	निपुण
पठत् (वि.) (पुं.- पठन्, स्त्री.- पठन्ती, नपुं.- पठत्)	while reading	पढ़ता हुआ / पढ़ती हुई

पतञ्जलिः (पुं.)	a great grammarian who authored <i>Mahābhāṣya</i> on the <i>Aṣṭadhyāyī</i> of <i>Pāṇini</i>	पाणिनि की अष्टाध्यायी वैयाकरण जिन्होंने महाभाष्य पर लिखा
पतत् (वि.)	while falling	गिरता हुआ / गिरती हुई
(पुं.- पतन् , स्त्री.- पतन्ती, नपुं.- पतत्)		
पतिः (पुं.)	husband	पति
पत्नी (स्त्री.)	wife	पत्नी
पदाति (वि.)	a foot soldier	पैदल युद्ध करनेवाला सैनिक
पयः (पयस् - नपुं.)	water / milk	जल / दूध
पयोमुक् (पयोमुच् - पुं.)	cloud	मेघ / बादल
परशुः (पुं.)	battle axe / a hatchet	परशु नामक युद्ध अस्त्र / फरसा
परा-भू (पराभवति)	to defeat	पराजित करना
परिधानम् (नपुं.)	dress	वेशभूषा / पहनावा
परिवेष्टित (वि.)	circled	घिरा हुआ
परिव्राजक (वि.)	a saint who moves around	संन्यासी जो विचरण करता है
परिशोधनम् (नपुं.)	purification	परिष्करण / शुद्धिकरण
परिषद् (स्त्री.)	assembly	परिषद् / सभा
परि-ह् (परिहरति)	to leave / to quit	त्याग करना / परिहार करना
पर्यटकः (पुं.)	tourist	पर्यटक
परा-अय् (पलायते)	to run away	पलायन करना / भाग जाना
पलित (वि.)	grey / white	भूरा / सफेद
पल्वलम् (नपुं.)	a small pond	छोटा जलाशय / तालाब
पश्यत् (वि.)	while seeing	देखता हुआ / देखती हुई
(पुं.- पश्यन् , स्त्री.- पश्यन्ती, नपुं.- पश्यत्)		

पाठयत् (वि.) (पुं.- पाठयन्, स्त्री.- पाठयन्ती, नपुं.- पाठयत्) पाणिनिः (पुं.)	while teaching	पढ़ाता हुआ / पढ़ाती हुई
पानपात्रम् (नपुं.) पापात्मा (पापात्मन् - पुं.) प्रयाणिक (वि.) पार्वती (स्त्री.)	a famous grammarian who wrote <i>Aṣṭādhyāyī</i> drinking vessel vicious / sinful / wicked commuter / traveller	प्रसिद्ध वैयाकरण जिन्होंने अष्टाध्यायी लिखी पीने का पात्र / जलपात्र पापी यात्री
पालयितृ (वि.) (पुं.- पालयिता, स्त्री.- पालयित्री)	daughter of <i>Himālaya</i> / wife of lord <i>Śiva</i> one who looks after	हिमालय की पुत्री / भगवान् शिव की पत्नी पालनपोषण / देख-भाल करनेवाला
पिङ्ग (वि.) पिता (पितृ-पुं.) पितृपक्षः (पुं.)	reddish brown / tawny father a fortnight when offerings are made to ancestors	भूरा / खाकी / पीला-लाल रंग पिता / जनक एक ऐसा पक्ष जब पितरों को अर्घ्य अर्पित किया जाता है
पिबत् (वि.) (पुं.- पिबन्, स्त्री.- पिबन्ती, नपुं.- पिबत्) पीन (वि.) पुत्रवधूः (स्त्री.) पुत्रेष्टिः (स्त्री.)	while drinking fat daughter-in-law a sacrifice performed for the sack of getting a son	पीता हुआ / पीती हुई स्थूल बहू पुत्र प्राप्ति के लिए अनुष्ठित यज्ञ
पुमान् (पुं.) पुरा (अव्य.) पुष्करिणी (स्त्री.) पुष्ट (वि.)	male in the ancient time pond strong / sturdy	पुरुष प्राचीन काल में तालाब बलशाली / मजबूत

पृच्छत् (वि.) (पुं.- पृच्छन्, स्त्री.- पृच्छन्ती, नपुं.- पृच्छत्)	while asking	पूछता हुआ / पूछती हुई
पृथक् (अव्य.)	separate	अलग
प्र-आप् (प्राप्नोति)	to obtain	प्राप्त करना
प्रचण्ड (वि.)	vehement	प्रचंड
प्रचलत् (पुं.- प्रचलन्, स्त्री.- प्रचलन्ती, नपुं.- प्रचलत्)	in practice	प्रचलित व्यवहार में
प्रति-उत्-आ-ह (प्रत्युदाहरति)	to counter-illustrate	प्रत्युदाहरण देना
प्रतिकारः (पुं.)	remedy / solution	प्रतिकार / उपाय / निदान
प्रतिकृतिः (स्त्री.)	image	मूर्ति / प्रतिबिम्ब / परछाई / छवि
प्रतिनिधिः (पुं.)	representative	प्रतिनिधि
प्रतिपद् (स्त्री.)	the first date of solar & lunar month	सौर एवं चान्द्रमास की पहली तिथि
प्रति-वद् (प्रतिवदति)	to object	प्रतिवाद करना
प्रतिष्ठा (स्त्री.)	honour	सम्मान
प्रति-शृ (प्रतिशृणोति)	to make promise	वचन देना
प्रतिस्पर्धिन् (वि.) (पुं.- प्रतिस्पर्धी, स्त्री.- प्रतिस्पर्धिनी)	contestant	प्रतिभागी / प्रतियोगी
प्रद्युम्नः (पुं.)	son of <i>Śrī Kṛṣṇa</i>	श्रीकृष्ण का पुत्र
प्र-बुध् (प्रबोधयति)	to console	प्रबोधित करना / समझाना / सान्त्वना देना
प्रभावित (वि.)	affected	प्रभावित किया
प्रभु (वि.)	lord	प्रभु / स्वामी
प्र-भू (प्रभवति)	to originate	उत्पन्न होना
प्रभूत (वि.)	plenty	प्रचुर / अतिशय मात्रा में

प्रमद (वि.)	intoxicated	प्रमत्त
प्रयागः (पुं.)	an old name of present Allahabad/A part of Allahabad/A city of confluence of rivers where kumbha festival is held	इलाहाबाद का प्राचीन नाम / इलाहाबाद का एक भाग / नदियों के संगम का एक शहर जहाँ कुम्भ मेला होता है
प्रशस्य (वि.)	admirable	प्रशंसा योग्य / स्तुत्य
प्रसृ (प्रसरति)	to flow /to fountain	प्रसृत होना
प्रह्लादः (पुं.)	son of the demon-king <i>Hiranyakaśipu</i> /a great devotee of <i>Viṣṇu</i>	राक्षसराज हिरण्यकशिपु का पुत्र / परम विष्णुभक्त
प्राची (स्त्री.)	eastern direction	पूर्वी दिशा
प्राणद (वि.)	that which gives life	जीवनदायक
प्राणह (वि.)	destroyer of life	प्राण हरने वाला
प्रायः (अव्य.)	quite often	अधिकतर
प्रावृट् (प्रावृष्ट-स्त्री.)	rain	वर्षा
प्रियंवदा (स्त्री.)	a friend of <i>Śakuntalā</i>	शकुन्तला की सखी
प्रेम (प्रेमन् - पुं. / नपुं.)	love	प्यार / प्रेम
प्रेमचंदः (पुं.)	a famous Hindi writer who has written many stories and novels etc.	प्रसिद्ध हिन्दी रचनाकार जिन्होंने हिन्दी में अनेक कथाएँ एवं उपन्यास लिखे

ब

बध् (बध्नाति)	to bind	बाँधना
बन्धुः (पुं.)	relative / friend	सम्बन्धी / सुहृद् / मित्र
बलरामः (पुं.)	brother of <i>Śrī Kṛṣṇa</i>	श्रीकृष्ण के भ्राता / भाई
बलिष्ठ (वि.)	strong	बलवान्

बलिः (पुं.)	name of the demon-King who was pressed to <i>Pātālaloka</i> by <i>Vāmana</i> (an incarnation of <i>Viṣṇu</i>)	प्रह्लाद का पौत्र / विरोचन का पुत्र / राक्षसराज जिसे वामनावतारी विष्णु ने अपने तृतीय पाद से पाताल लोक भेज दिया
बाला (स्त्री.)	girl	बालिका / लड़की
बाहुः (पुं.)	arm	बाहु / भुजा
बिभ्यत् (वि.)	while fearing	डरता हुआ / डरती हुई
(पुं.- बिभ्यत्, स्त्री.- बिभ्यती, नपुं.- बिभ्यत्)		
बुक्कनम् (नपुं.)	barking	भौंकना
बुद्धः (पुं.)	Gautama Buddha / the founder of <i>Bauddha dharma</i>	गौतम बुद्ध / बौद्ध धर्म के प्रवर्तक
बुद्धिमत् (वि.)	Intelligent	बुद्धिमान् / प्रज्ञावान्
(पुं.- बुद्धिमान्, स्त्री.- बुद्धिमती, नपुं.- बुद्धिमत्)		
ब्रह्मर्षिः (पुं.)	a brahmanical sage	ब्राह्मण्य धर्म से युक्त ऋषि
ब्रह्मा (ब्रह्मन् - पुं.)	the creator of the universe	प्रजापति / सृष्टिकर्ता
भ		
भक्तिः (स्त्री.)	devotion	भक्ति
भक्तिमत् (वि.)	devotee	भक्त
(पुं.- भक्तिमान्, स्त्री.- भक्तिमती, नपुं.- भक्तिमत्)		
भगवत् (वि.)	Lord / God	ईश्वर
(पुं.- भगवान्, स्त्री.- भगवती, नपुं.- भगवत्)		
भग्न (वि.)	broken	टूटा हुआ

भङ्गिः (स्त्री.)	breaking	टुटना / सिकुड़ना / कहने का ढंग
भजमान (वि.)	while serving	सेवा करता हुआ
भरतः (पुं.)	son of <i>Kaikeyī</i> and <i>Daśaratha</i>	कैकेयी एवं दशरथ के पुत्र
भर्तृ (वि.)	husband	स्वामि / पति
(पुं.- भर्ता, स्त्री.- भर्त्री)		
भर्त्सितवत् (वि.)	scolded / abused	भर्त्सना किया हुआ / डाटी गयी / गाली दी गयी
(पुं.- भर्त्सितवान् स्त्री.- भर्त्सितवती, नपुं.- भर्त्सितवत्)		
भवत् (वि.)	you	आप / तुम
(पुं.- भवान् , स्त्री.- भवती)		
भवभूतिः (पुं.)	a famous Sanskrit poet/ the author of <i>Uttara- rāmacaritam</i>	प्रसिद्ध संस्कृत कवि /उत्तररामचरित के रचयिता
भानुः (पुं.)	sun	सूर्य
भानुवासरः (पुं.)	sunday	रविवार
भावग्राहिन् (वि.)	one who understands the emotion / meaning	भाव को ग्रहण करनेवाला/समझने वाला, भावग्राही
(पुं.- भावग्राही, स्त्री.- भावग्राहिणी)		
भाष् (भाषते)	to speak	कहना
भाषमाण (वि.)	while speaking	कहता हुआ
भाषा (स्त्री.)	language	भाषा
भाषाविज्ञानिन् (पुं.)	linguist	भाषाविज्ञानविद्
(पुं.- भाषाविज्ञानी, स्त्री.- भाषाविज्ञानिनी)		
भिक्षुः (पुं.)	beggar	भिखारी
भिद् (भिनत्ति)	to break	भेद करना
भिषक् (भिषज् - पुं.)	doctor	चिकित्सक

भीतिः (स्त्री.)	fear	भय
भीरु (वि.)	coward	कायर / डरपोक
भूपतिः (पुं.)	king	राजा
भूयः (वि.)	more	अधिक
भूयस् (वि.)	abundant	प्रचुर / बहुत / पर्याप्त
(पुं.- भूयान्, स्त्री.- भूयसी, नपुं.- भूयः)		
भोः (अव्य.)	an addressing word	सम्बोधन सूचक पद
भ्रमत् (वि.)	while moving	धूमता हुआ / धूमती हुई
(पुं.- भ्रमन्, स्त्री.- भ्रमन्ती, नपुं.- भ्रमत्)		
भ्राता (पुं.)	brother	भाई
भ्रूः (स्त्री.)	eye-brow	भ्रूलता / भौं
भ्रूकुटिः/भ्रूकुटी, (स्त्री.)	contraction of the eye-	भ्रूकुटि
(भ्रुकुटिः/भ्रुकुटी, भ्रूकुटिः/भ्रूकुटी)	brows	

म

मगधदेशः (पुं.)	an ancient kingdom called <i>Magadha</i> (at present in Bihar)	मगध नामक राज्य जो वर्तमान बिहार में स्थित है
मघवान् (मघवत् - पुं.)	Lord Indra	इन्द्रदेव
मतिमत् (वि.)	intelligent	बुद्धिमान्
(पुं.- मतिमान्, स्त्री.- मतिमती, नपुं.- मतिमत्)		
मतैक्यम् (नपुं.)	similar opinion	समान मत
मथ् (मथ्जाति)	to churn	मथना

मथुरा (स्त्री.)	a city called <i>Mathura</i> situated in U.P. where <i>Śrī Kṛṣṇa</i> spent his childhood	उत्तर प्रदेश में अवस्थित एक नगर जहाँ श्रीकृष्ण ने अपना शैशव / बचपन बिताया
मद्यप (वि.)	drunkard	पियक्कड़ / शराबी
मधु (नपुं.)	honey	शहद
मनः (मनस् - नपुं.)	mind	मन / मानस / मस्तिष्क
मनाक् (अव्य.)	slightly	थोड़ा सा / अल्पता से
मनुः (पुं.)	the author of <i>Manusmṛti</i>	मनुस्मृति के लेखक
मनुस्मृतिः (स्त्री.)	a famous <i>Smṛti</i> -text written by Manu	मनु रचित प्रसिद्ध स्मृतिग्रन्थ
मन्त्रद्रष्टृ (वि.)	seer of mantra/vision	मन्त्र/तत्त्व को देखनेवाला ऋषि
(पुं.- मन्त्रद्रष्टा, स्त्री.- मन्त्रद्रष्ट्री)		
मन्त्रिन् (पुं.)	minister	मन्त्री
(पुं.- मन्त्री, स्त्री.- मन्त्रिणी)		
मरुत् (पुं.)	wind	वायु / हवा
मर्द् (मर्दयति)	to grind/to press/to destroy	मर्दन करना / पीसना / नष्ट करना
मल्लः (पुं.)	wrestler	मल्ल / पहलवान
महर्षिः (पुं.)	a great sage	महान् ऋषि
महत् (वि.)	great	महान्
(पुं.- महान्, स्त्री.- महती,		
नपुं.- महत्)		
महात्मा (महात्मन् - पुं.)	a great man / saint	महात्मा
महाभारतम् (नपुं.)	a name of the epic written by <i>Vedaṅgyāsa</i>	वेदव्यास लिखित एक महाकाव्य

महाभाष्यम् (नपुं.)	a commentary on <i>Pāṇini's Aṣṭādhyāyī</i> by Pata-jali	पाणिनीय अष्टाध्यायी पर पतञ्जली लिखित भाष्य
माण्डवी (स्त्री.)	wife of <i>Bharata</i>	दशरथ-पुत्र भरत की पत्नी
माता (स्त्री.)	mother	माँ / माता
मायाविन् (वि.)	deceitful/guileful	छलनापूर्ण आचरण करनेवाला
(पुं.- मायावी, स्त्री.- मायाविनी, नपुं.- मायावि)		
मारीचः (पुं.)	name of a demon of <i>Rāmāyaṇa</i> age	रामायणकालीन एक राक्षस का नाम
माहेश्वरसूत्रम् (नपुं.)	fourteen <i>sūtras</i> on which <i>Pāṇini's Aṣṭādhyāyī</i> is based	चौदह सूत्र जिन पर पाणिनि का अष्टाध्यायी आधृत है
मिथः (मिथस्-अव्य.)	mutually / reciprocally	एक साथ / परस्पर
मिथो (अव्य.)	mutually / reciprocally	एक साथ / परस्पर
मिथ्या (अव्य.)	false / lie	झूठ
मिलत् (वि.)	while meeting	मिलता हुआ / मिलती हुई
(पुं.- मिलन् , स्त्री.- मिलन्ती, नपुं.- मिलत्)		
मुक्तिः (स्त्री.)	liberation	मोक्ष
मुद् (मोदते)	to please	प्रसन्न करना
मुद्रिका (स्त्री.)	ring	अङ्गुठी
मुधा (अव्य.)	in vain/null and void	व्यर्थ में
मुहुः (मुहुस्-अव्य.)	again and again / repeatedly	बार-बार
मूर्तिः (स्त्री.)	a visible shape / figure / image/statue	मूर्तरूप / प्रतिमा / आकार
मृ (म्रियते)	to die	मरना

मृगयाविहारः (पुं.)	hunting	शिकार
मृज् (मर्ष्टि)	to wipe / clean	मार्जित करना / पोंछना
मृदु (वि.)	soft / delicate	कोमल
मेनका (स्त्री.)	a demsel, mother of <i>Sakuntalā</i>	अप्सरा / शकुन्तला की माता
मैत्री (स्त्री.)	friendship	मित्रता
मैत्रेयी (स्त्री.)	a female sage	ऋषिका
मोदमान (वि.)	while pleasing	प्रसन्न होता हुआ
य		
यत् (यतते)	to try	प्रयास करना / प्रयत्न करना
यतिः (पुं.)	an ascetic	संन्यासी / तपस्वी
यथाविधि (अव्य.)	as per rule	यथानियम
यथाहि (अव्य.)	for example	उदाहरण स्वरूप
यमुना (स्त्री.)	name of an Indian river	एक भारतीय नदी का नाम
यवागूः (स्त्री.)	barley	यव
यशः (यशस् - नपुं.)	fame/praise	कीर्ति
याचमान (वि.)	while begging	माँगता हुआ
याज्ञवल्क्यस्मृतिः (स्त्री.)	a <i>smṛti</i> text composed by <i>Yājñ-avalkya</i>	याज्ञवल्क्य मुनि द्वारा लिखित स्मृतिग्रन्थ
याता (यातृ - स्त्री.)	husband's brother's wife	जेठानी / देवरानी
यावत् (अव्य.)	till	पर्यन्त
युगपत् (अव्य.)	simultaneously	एक साथ
युधिष्ठिरः (पुं.)	son of <i>Kuntī</i> / eldest amongst the <i>Pāṇḍavas</i>	कुन्ती पुत्र / पाण्डवों में सबसे
युध् (युध्यते)	to fight	ज्येष्ठ
युवतिः / युवती (स्त्री.)	young lady	लड़ाई / संघर्ष करना
		युवती

युवा (युवन् - पुं.)	young man	युवक
योगसूत्रम् (नपुं.)	<i>Yogaśūtras</i> written by <i>Pata-jali</i>	पतञ्जलि द्वारा लिखित योगसूत्र
योगिन् (वि.)	a contemplative saint	योगसाधक ऋषि
(पुं.- योगी, स्त्री.- योगिनी)		
योद्धा (वि.)	warrior	योद्धा
(पुं.- योद्धा, स्त्री.- योद्धी)		
योषित् (स्त्री.)	woman	महिला
र		
रक्षः (रक्षस् - नपुं.)	an evil spirit / demon	राक्षस
रङ्गवल्ली (स्त्री.)	colourful design which are made on the floor	भित्ति या जमीन पर विविध रंग से निर्मित चित्रावली
रणाङ्गणम् (नपुं.)	battlefield	युद्धक्षेत्र
रत्नसिंहासनम् (नपुं.)	throne ornamented with gems	रत्नालङ्कृत सिंहासन
रम (रमते)	to walk	रमण/विहार करना
रम्भा (स्त्री.)	name of an <i>apsarā</i>	परी विशेष का नाम
रविः (पुं.)	sun	सूर्य
रश्मिः (पुं.)	ray	किरण
राक्षस (वि.)	demon	राक्षस / दानव
राजधानी (स्त्री.)	capital	राजधानी
राज् (राजते)	to shine / to glitter	सुशोभित होना / प्रकाशित होना
राज्ञी (स्त्री.)	queen	रानी
रामः (पुं.)	Lord <i>Śrī Rāma</i> / son of <i>Dāśaratha</i> and the king of	दशरथ पुत्र श्रीराम / अयोध्या नरेश

रामचरितमानसम् (नपुं.)	a <i>Rāma's</i> story written in Hindi by <i>Tulasīdāsa</i>	तुलसीदास द्वारा हिन्दी में लिखित रामकथा
राशिः (पुं.)	amount / collection	राशि / समूह
रिक्तहस्त (वि.)	empty handed	खाली हाथ
रिपुः (पुं.)	enemy	शत्रु
रीतिः (स्त्री.)	style	शैली
रुक्मिणी (स्त्री.)	wife of <i>Śrī Kṛṣṇa</i>	श्रीकृष्ण की पत्नी
रुचिः (स्त्री.)	interest	रुचि
रुध्-णिच् (रोधयति)	to stop	अवरोध करना / रोकना
रुष्ट (वि.)	annoyed	क्रुद्ध
रेणुः (पुं. / स्त्री.)	sand	बालु / रेत
रैक्वः - ऋषिकुमारः (पुं.)	a name of the boysaint	ऋषि-कुमार विशेष का नाम

ल

लक्ष्मणः (पुं.)	second son of <i>Daśaratha</i> / <i>Rāma's</i> younger brother	दशरथ के द्वितीय पुत्र / श्रीराम के अनुज
लक्ष्मीः (स्त्री.)	Goddess of wealth	धनदेवी
लगुडः (पुं.)	a stick / club	डण्डा / छड़ी / गदा / मुगदर
लज्ज (लज्जते)	to blush / to be ashamed of	लज्जा करना
लल (लालयति)	to fondle / to care	लालन करना
लिखत् (वि.)	while writing	लिखता हुआ / लिखती हुई
(पुं.- लिखन्, स्त्री.- लिखन्ती, नपुं.- लिखत्)		
लुब्धक (वि.)	a hunter	शिकारी
लोकरक्षक (वि.)	protector of the world	लोक/संसार के रक्षक
लोभिन् (वि.)	greedy	लालची / लोभी
(पुं.- लोभी, स्त्री.- लोभिनी)		

व

वक्त्र (वि.)	speaker	वक्ता
(पुं.- वक्ता, स्त्री.- वक्त्री)		
वचः (वचस्-नपुं.)	speech	वाणी
वनवासिन् (वि.)	forest dweller	वन में वास करने वाला
(पुं.- वनवासी, स्त्री.- वनवासिनी)		
वदुः (पुं.)	a brahmin boy whose ceremony of the secret thread has been completed	ब्राह्मण बालक जिसका उपनयन संस्कार हो गया हो
वणिक् (पुं.)	merchant	व्यापारी
वदत् (वि.)	while speaking	बोलता हुआ / बोलती हुई
(पुं.- वदन्, स्त्री.- वदन्ती, नपुं.- वदत्)		
वधूः (स्त्री.)	a bride/wife/woman	दुल्हन / पत्नी / स्त्री
वनस्पतिः (पुं.)	forest tree/Lord of plants	जंगली वृक्ष / पेड़
वन्द् (वन्दते)	to greet/to pray	वन्दन करना
वन्दमान (वि.)	while saluting	वन्दन करता हुआ
वपुः (वपुस् - नपुं.)	body	शरीर / देह
वयः (वयस् - नपुं.)	age	आयु
वर्तिः (स्त्री.)	the wick of a lamp	वत्ती
वर्ध् (वर्धते)	to grow	बढ़ना
वर्म (वर्मन् - नपुं.)	an armour	कवच
वषट् (अव्य.)	an exclamation used during offering an oblation to a deity / God	देवता को द्रव्य अर्पण के समय उच्चरित शब्द

वसन्तपञ्चमी (स्त्री.)	a day when the goddess of learning is worshipped/ during spring season, a special bathing day at <i>Prayāga's kumbhamelā</i>	सरस्वती पूजन दिवस / वसन्त ऋतु का आरम्भ / प्रयाग कुम्भ के स्नान का एक विशेष दिवस
वसिष्ठः (पुं.)	the name of a celebrated sage, seer of several Vedic <i>mantras</i>	अनेक वेद मन्त्रों के द्रष्टा / एक प्रसिद्ध ऋषि
वसुदेवः (पुं.)	father of <i>Śrī Kṛṣṇa</i>	श्रीकृष्ण के पिता
वस्तु (नपुं.)	object	वस्तु / चीज
वहत् (वि.)	while flowing	वहता हुआ / वहती हुई
(पुं.- वहन् , स्त्री.- वहन्ती, नपुं.- वहत्)		
वहमान (वि.)	while flowing / floating	वहता हुआ
वा (अव्य.)	or	अथवा
वाक् (स्त्री.)	speech	वाणी
वात्सल्यम् (नपुं.)	affection for the children	बच्चों के प्रति स्नेह
वारि (नपुं.)	water	जल
वाल्मीकिः (पुं.)	the first poet who wrote <i>Rāmāyaṇa</i>	आदिकवि जिन्होंने रामायण लिखा
वासः (पुं.)	abode	निवास
वि-ईक्ष् (वीक्षते)	to see	देखना
विकसत् (वि.)	blooming / blossoming	खिलता हुआ / खिलती हुई / पुष्पन / प्रस्फुटन
(पुं.- विकसन् , स्त्री.- विकसन्ती, नपुं.- विकसत्)		
विक्रेतृ (वि.)	seller	बेचने वाला
(पुं.- विक्रेता, स्त्री.- विक्रेत्री)		

विच्छिन्न (वि.)	detached	पृथक् किया हुआ / वियुक्त
विजयिन् (वि.)	winner	जितने वाला / विजयी
(पुं.- विजयी, स्त्री.- विजयिनी)		
वि-जि (विजयते)	to win	विजय करना
विज्ञानिन् (वि.)	scientist	विज्ञान के ज्ञाता / वैज्ञानिक
(पुं.- विज्ञानी, स्त्री.- विज्ञानिनी)		
विद्यमान (वि.)	existing	वर्तमान / उपस्थित
विद्यार्थिन् (वि.)	student	छात्र / विद्यार्थी
(पुं.- विद्यार्थी, स्त्री.- विद्यार्थिनी)		
विद्युत् (स्त्री.)	lighting / electricity	बिजली
वि-द्युत् (विद्योतते)	to shine / to glitter	चमकना
विद्वस् (पुं.)	scholar	विद्वान्
(पुं.- विद्वान् , स्त्री.- विदुषी)		
विधातृ (वि.)	the creator of the universe	प्रजापति / ब्रह्मा
(पुं.- विधाता, स्त्री.- विधात्री)		
विधुः (पुं.)	moon	चन्द्र
विपत् (स्त्री.)	calamity / distress	दुःख / संकट / आपत्ति
वि-मृश् (विमृशति)	to consider / to discuss	विचार / विमर्श करना
विरञ्चिः (पुं.)	the creator of the universe	प्रजापति / ब्रह्मा
	/ <i>Brahmā</i>	
वि-राज् (विराजते)	to illuminate	शोभा पाना / सुशोभित होना
विवेकः (पुं.)	discrimination	भेद ज्ञान
विवेकिन् (वि.)	judicious	विवेकशील / न्यायपरायण
(पुं. विवेकी, स्त्री.- विवेकिनी)		
वि-श्वस् (विश्वसिति)	to believe	विश्वास करना
विश्वामित्रः (पुं.)	the name of a celebrated	एक प्रसिद्ध ऋषि का नाम

विषादग्रस्त (वि.)	full of distress	दुःखग्रस्त
विष्णुः (पुं.)	Lord Viṣṇu	भगवान् विष्णु
विष्णुशर्मा (पुं.)	author of <i>Pañcatantra</i> etc.	पञ्चतन्त्र आदि के रचयिता
वीचिः (पुं. / स्त्री.)	wave	तरंग
वीरप्रसूः (स्त्री.)	mother of a hero	वीर को जन्म देनेवाली माता
वृत्तान्तः (पुं.)	incident	घटना
वृत्तिः (स्त्री.)	commentary / mode of life	टीका-टिप्पणी / जीवन शैली
वृथा (अव्य.)	useless	व्यर्थ
वृद्धा (स्त्री.)	old woman	बूढ़ी
वृष्टिः (स्त्री.)	rain	वर्षा
वेणिः / वेणी (स्त्री.)	braid of hair	वेणिबद्ध केश / वेणी / चोटी
वेत्तु (वि.)	well versed / learned	जानने वाला
(पुं.- वेत्ता, स्त्री.- वेत्त्री)		
वेश्म (वेश्मन् - नपुं.)	a home / dwelling place	घर / वासस्थान
वैरिन् (वि.)	enemy	शत्रु
(पुं.- वैरी, स्त्री.- वैरिणी)		
व्याधिः (पुं.)	disease	रोग
व्यासः (पुं.)	author of the eighteen <i>Purāṇas</i> and <i>Mahābhārata</i>	अष्टादश पुराण एवं महाभारत के रचयिता
व्योम (व्योमन् - नपुं.)	sky	आकाश
व्रण (पुं. / नपुं.)	a wound / sore	घाव / फोड़ा
श		
शक्तिमत् (वि.)	powerful	शक्तिशाली
(पुं.- शक्तिमान्, स्त्री.- शक्तिमती,		
नपुं.- शक्तिमत्)		

शकुन्तला (स्त्री.)	daughter of <i>Menaka</i> / <i>Dusyanta's</i> beloved/sweet heart	मेनका की पुत्री / दुष्यन्त की प्रेमिका
शङ्क (शङ्कते)	to suspect / to doubt	शंका करना / सन्देह करना
शङ्कराचार्यः (पुं.)	a name of the great thinker who has written many commentaries on philosophical texts.	महान् चिंतक आचार्य शङ्कर जिन्होंने अनेक दार्शनिक ग्रन्थों पर भाष्य लिखा
शम् (अव्य.)	to be calm, quiet or tranquil	शान्त होना / शान्ति
शम्भुः (पुं.)	the name of Lord <i>Śiva</i>	शिव जी का एक नाम
शयान (वि.)	while sleeping	सोता हुआ
शरत् (स्त्री.)	autumn	शरद् ऋतु
शलातुरः (पुं.)	a place where <i>Pāṇini</i> was born	पाणिनि का जन्मस्थान
शशः (पुं.)	hare	खरगोश
शष्कुली / शष्कुलिः (स्त्री.)	cake	पिष्टकविशेष
शिशुः (पुं.)	baby	शिशु / बच्चा
शीङ् (शेते)	to sleep	सोना
शीलवत् (वि.)	possessed of good character / righteous	सदाचारी
(पुं.- शीलवान् , स्त्री.- शीलवती, नपुं.- शीलवत्)		
शुष्क (वि.)	dried	सूखा
शूर्पणखा (स्त्री.)	the name of <i>Rāvaṇa's</i> sister	रावण की भगिनी / बहन

शृण्वत् (वि.)	while hearing	सुनती हुई / सुनता हुआ
(पुं.- शृण्वन्, स्त्री.- शृण्वती, नपुं.- शृण्वत्)		
शेषाहिः (पुं.)	Śeṣanāga (a serpent God)	शेषनाग जिसके विषय में यह मान्यता है कि पृथ्वी इस पर टिकी है
	It is believed that the earth is based upon this creature	
शोभ् (शोभते)	to adorn	शोभा पाना
शोभमान (वि.)	while adorning	शोभा पाता हुआ
शमश्रु (नपुं.)	beard	दाढ़ी
श्रद्धावत् (वि.)	respectful / respected	श्रद्धायुक्त
(पुं.- श्रद्धावान्, स्त्री.- श्रद्धावती, नपुं.- श्रद्धावत्)		
श्रीकृष्णः (पुं.)	Lord Śrī Kṛṣṇa	श्रीकृष्ण
श्रीक्षेत्रम् - जगन्नाथपुरी (नपुं.)	the holy place of Lord Jagannātha at Puri	पुरी के भगवान् जगन्नाथधाम
श्रीमद्भागवतम् (नपुं.)	a name of <i>purāṇa</i> , written by <i>Vedavyāsa</i>	वेदव्यास विरचित एक पुराण का नाम
श्रुतिः (स्त्री.)	Veda	वेद
श्रोतृ (वि.)	hearer/listner	सुननेवाला
(पुं.- श्रोता, स्त्री.- श्रोत्री)		
श्वः (श्वस् - अव्य.)	tomorrow	कल (आने वाला)
श्वश्रुः (स्त्री.)	mother-in-law	सास
श्वा (श्वन् - पुं.)	dog	कुत्ता

ष

षोडशकला (स्त्री.)

sixteen arts (*kalās*)

षोडश कला

षोढा (अव्य.)

six types / six ways

छह प्रकार

स

संसद् (स्त्री.)

parliament / assembly / meeting

परिषद् / सभा

संस्कृतिः (स्त्री.)

culture

संस्कृति

सकर्मक (वि.)

transitive

सकर्मक

सक्थि (नपुं.)

thigh

जांघ

सखी (स्त्री.)

a female friend

सखी

सम्-गृह् (सङ्गृह्णाति)

to collect

संग्रह / संचयन करना

सम्-चर् (सञ्चरति)

to move

सञ्चरण करना / घुमना

सत्यभामा (स्त्री.)

Śrī Kṛṣṇa's wife

श्रीकृष्ण की पत्नी

सद्म (सद्मन् - नपुं.)

house

घर

सनकः (पुं.)

the sage Sanaka

ऋषि सनक

सन्ततिः (स्त्री.)

generation

बच्चा / सन्तान

सन्देशपत्रम् (नपुं.)

message letter

सन्देशपत्र

सन्धिप्रस्तावः (पुं.)

proposal for agreement

सन्धि के लिए प्रस्ताव

सभाध्यक्ष (वि.)

chairman

सभा अध्यक्ष

सम्-तृ (सन्तरति)

to swim

सन्तरण करना / तैरना

सम्-तर्ज (सन्तर्जयति)

to scold

तर्जन करना / डाँटना

समया (अव्य.)

near

निकट

समित् (स्त्री.)

fuel for sacrificial fire

यज्ञ के लिए उद्दिष्ट लकड़ी

समृद्धिः (स्त्री.)

prosperity

समृद्धि / ऐश्वर्य / धन / अमन-चैन

सम्पत् (स्त्री.)

wealth

धन दौलत

सम्-बुध् (सम्बोधयति)

to address

सम्बोधित करना

सम्राट् (सम्राज् - पुं.)

emperor

सम्राट्

सरः (सरस् - नपुं.)

pond

तालाब

स्मरत् (वि.) (पुं.- स्मरन् , स्त्री.- स्मरन्ती, नपुं.- स्मरत्) स्मर्तु (वि.) (पुं.- स्मर्ता, स्त्री.- स्मर्त्री) स्मृतिः (स्त्री.) स्रक् (स्त्री.) स्वधा (अव्य.)	while remembering one who remembers remembrance garland an exclamation used during offering an oblation to deity / God/ Goddess/pitr (fore- fathers) self <i>Brahmā</i> , the creator of the universe sister may it be well self study of Vedas owner, lord an exclamation used during offering an oblation to deity/God	स्मरण करता हुआ स्मरण करनेवाला स्मृति पुष्पमाला / पुष्पहार श्राद्ध आदि में पितरों को तर्पण करते समय उच्चारित शब्द स्वयं जगत्कर्ता ब्रह्मा बहन शुभ हो वेदाध्ययन स्वामी / मालिक यागादि के समय देवों को अर्पित द्रव्य के साथ उच्चरित शब्द
---	--	--

ह

हनुः (नपुं.)

chin

ठुढ़ी

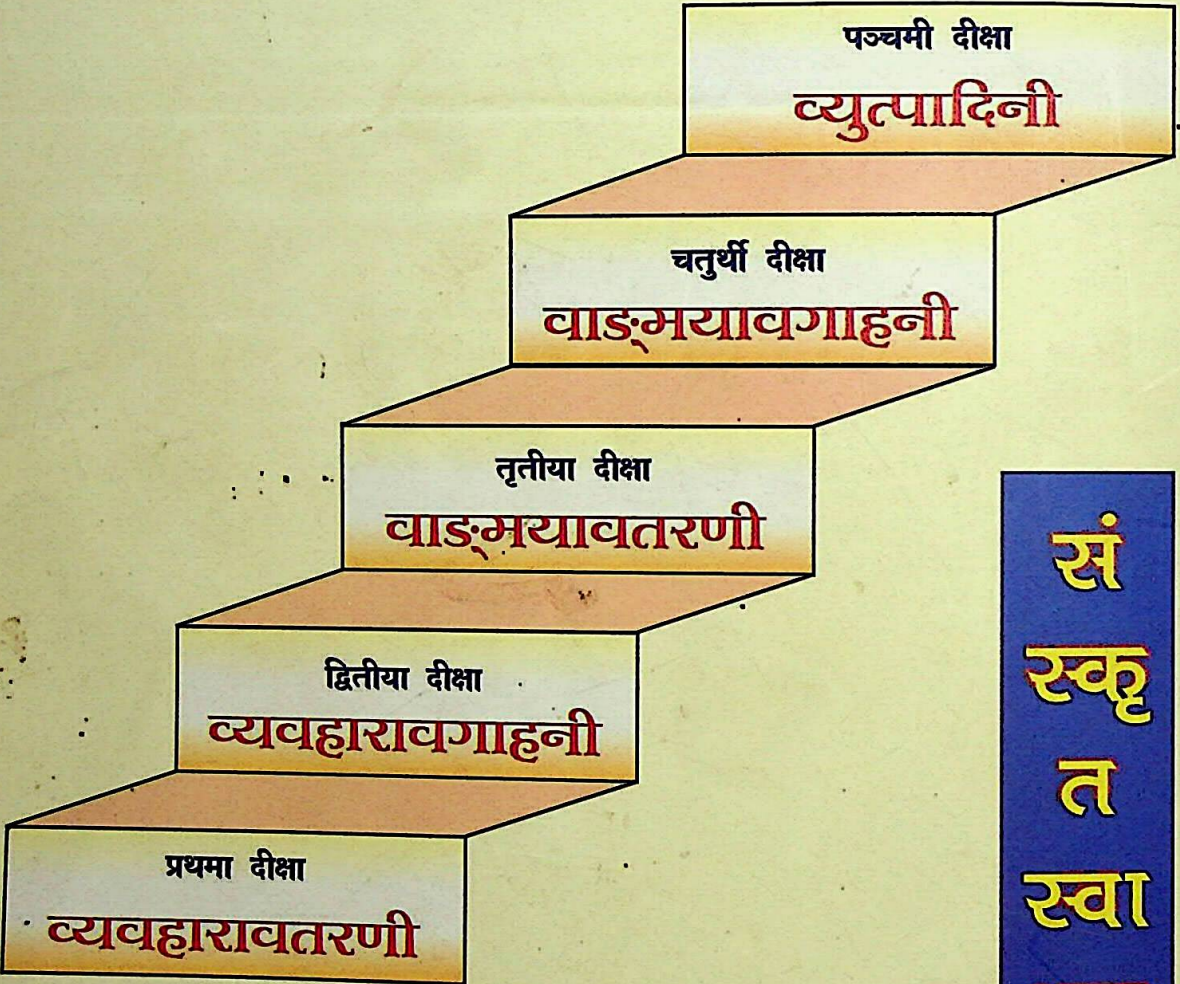
हनुमान् (हनुमत् - पुं.)	a devotee monkey of <i>Śrī</i>	रामभक्त वानर
	<i>Rāma</i>	
हन्त (अव्य.)	alas !	दुःखसूचक अव्यय
हन्तृ (वि.)	killer	प्राण घातक
(पुं.- हन्ता, स्त्री.- हन्त्री)		
हरिश्चन्द्रः (पुं.)	king of <i>Ayodhya</i> who is famous for his promise and generosity	अयोध्या के राजा जो अपने वचन बद्धता और दानशीलता के लिए प्रसिद्ध थे
हर्तृ (वि.)	snatcher	छिन्ने वाला
(पुं.- हर्ता, स्त्री.- हर्त्री)		
हर्षवर्धनः (पुं.)	the name of an ancient Indian ruler	एक प्राचीन भारतीय राजा का नाम
हविः (नपुं.)	ghee	घी
हसत् (वि.)	while laughing	हँसता हुआ / हँसती हुई
(पुं. - हसन्, स्त्री. - हसन्ती,		
नपुं. - हसत्)		
हस्तिन् (वि.)	elephant	हाथी
(पुं.- हस्ती, स्त्री.- हस्तिनी)		
हा (हीयते)	to lose/to diminish	हास / क्षीण होना
हिमाद्रिः (पुं.)	name of an Indian mountain, <i>Himalaya</i>	एक भारतीय पर्वत हिमालय
हिरण्यकशिपुः (पुं.)	name of a demon /father of <i>Prahlāda</i>	राक्षस राज / प्रह्लाद के पिता
हृत् (नपुं.)	heart	हृदय
हृष् (हृष्यति)	to please	प्रसन्न करना
हे (अव्य.)	an addressing word	सम्बोधन सूचक अव्यय

व्यवहारप्रदीपस्य शुद्धिपत्रम्

पृ.सं.	पं.सं.	अशुद्धम्	शुद्धम्	पृ.सं.	पं.सं.	अशुद्धम्	शुद्धम्
76	12	(मनः)	(मनस)	246	2	(कविः)	(कवयः)
114	16	गतवन्तौ	गतवन्तः	261	18	जद्गुरो	जगद्गुरो
115	13	(नासिका-बहु.)	(नासिका-एक.)	325	22	अव्येतर	अव्ययेतर
144	12	(झ)	(ज)	387	5	स्वातन्त्र्यगौरवं	स्वातन्त्र्यगौरवं
	13	(ज)	(झ)	388	4	स्वातन्त्र्यगौरवं	स्वातन्त्र्यगौरवं
167	22	(पशुः)	(पशु-बहु.)		17	वदलें	वदलें
	23	(श्रेयः)	(श्रेय-एक.)	528	25	पुत्रयां	पुत्र्यां
	24	(तृप्तिः)	(तृप्ति-एक.)	618	13	चर्चा	चर्चा
	25	(कीर्तिः)	(कीर्ति-एक.)	619	12	(पठन्तः)	(पठन्)
	26	(आशिषु)	(आशी-एक.)	622	2	प्रवहन्त्ये	प्रवहन्त्यै
	27	(शिशुः)	(शिशु-बहु.)	625	16	कवयित्रये	कवयित्र्यै
170	19	स्मृहयन्ति	स्मृहयति	638	8	...सर्वेभ्यः	...सर्वेभ्यः
227	8	नामान्तम्	नामान्तरम्	644	20	कुत्र...शिशोः माता	...शिशो माता कुत्र
235	18	(पुं.)	(स्त्री.)	645			अभ्यासः - 314
	27	लक्ष्याः	लक्ष्याम्	652	4	7	6



Teach Yourself Samskrit



सं
स्कृ
त
स्वा
ध्या
यः



राष्ट्रिय संस्कृत संस्थानम्

मानितविश्वविद्यालयः

नव देहली